डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति 15 दिवस में एक बार प्रकाशित, पाक्षिक 16.03.2024 से 31.03.2024 वर्ष-47 अंक-24 मूल्य ₹ 15.00

संक्षिप्त खबर

न्यायमूर्ति श्री सत्येंद्र कुमार सिंह मध्यप्रदेश के नए लोकायुक्त

भोपाल, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने न्यायमूर्ति श्री सत्येंद्र कुमार सिंह को मध्यप्रदेश के नए लोकायुक्त पद की शपथ दिलाई। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने नवनियुक्त लोकायुक्त श्री सत्येंद्र कुमार सिंह को पुष्पगुच्छ भेंटकर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। न्यायमूर्ति श्री सत्येंद्र कुमार सिंह ने न्यायमूर्ति श्री नरेश कुमार गुप्ता का स्थान लिया है।

राजभवन के सांदीपनि सभागार में आयोजित गरिमामय समारोह में कई प्रमुख एवं विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। शपथ ग्रहण समारोह की कार्यवाही का संचालन मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा ने किया।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह की यूनिट 5 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

भोपाल, मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई की 210 मेगावॉट स्थापित क्षमता की यूनिट ने अपनी स्थापना के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। इस विद्युत गृह ने 27 अगस्त 2023 से 14 मार्च 2024 तक 200 दिन लगातार विद्युत उत्पादन करके नया रिकॉर्ड बनाया। इस यूनिट ने सतत विद्युत उत्पादन करने का कीर्तिमान अर्जित किया और विभिन्न मापदंडों में भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई की 210 मेगावॉट ने 100.78 फीसदी प्लांट उपलब्धता फेक्टर (पीएएफ), 99.01 फीसदी प्लांट लोड फेक्टर (पीएलएफ) और 0.03 मिलीलीटर प्रति इकाई की विशिष्ट तेल खपत की उपलब्धि हासिल की। यह यूनिट वर्तमान में भी सतत विद्युत उत्पादन कर रही है।

प्रदेश की पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को मिला ए ग्रेड

भोपाल, भारत सरकार ने देश की 55 बिजली वितरण कंपनियों, सेवा प्रदाता संस्थाओं की ऑल इंडिया रेटिंग सूची जारी कर दी है। इस सूची में मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को 'ए' ग्रेड प्रदान किया गया है। इस अवसर पर पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अमित तोमर ने कहा कि हमारे क्षेत्र को मिली इस उपलब्धि में हजारों कर्मचारियों-अधिकारियों की मेहनत एवं लाखों उपभोक्ताओं द्वारा समय पर बिल राशि का भुगतान करना भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि शासकीय सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने एवं उपभोक्ता संतुष्टि की दिशा में पश्चिम क्षेत्र कंपनी ने प्रशंसनीय कार्य किया है।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

कुल 543 सीटों के लिए 7 चरणों में होगा मतदान, 4 जून को आयेंगे परिणाम

18वें लोकसभा चुनाव की तारीखों की हुई घोषणा
19 अप्रैल को होगा पहले चरण का मतदान

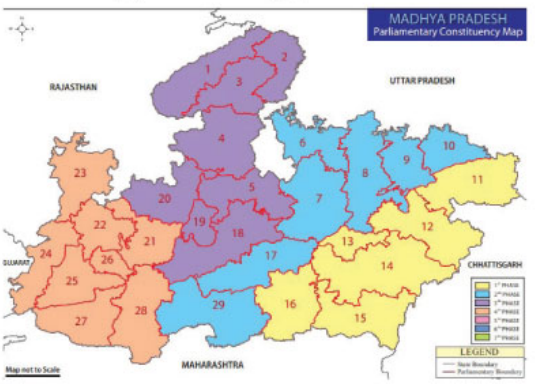

भोपाल, भारत निर्वाचन आयोग ने 18वें लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है। मुख्य चुनाव आयुक्त श्री राजीव कुमार, आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार और आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू ने चुनाव की जानकारी दी। श्री राजीव कुमार ने बताया कि 28 राज्यों सहित 8 केंद्र शासित प्रदेशों की 543 सीटों के लिए मतदान सात चरणों में होंगे। पहले चरण के लिए 19 अप्रैल को और अंतिम चरण के लिए मतदान 1 जून को होंगे। 4 जून को चुनाव परिणाम जारी होंगे। मतदान से लेकर परिणाम आने तक पूरी प्रक्रिया 46 दिनों तक चलेगी। चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ ही देश में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशाली हो गई है।

मध्यप्रदेश में 4 चरणों में होंगे मतदान

मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि प्रदेश की 29 लोकसभा सीटों के लिए 4 चरणों में मतदान होंगे। पहले चरण में 19 अप्रैल को 6 सीटों सीधी, शहडोल, जबलपुर, मंडला, बालाघाट और छिंदवाड़ा में मतदान होगा। वहीं दूसरे चरण में 26 अप्रैल को 7 सीटों टीकमगढ़, दमोह, खजुराहो, सतना, रीवा, होशंगाबाद, बैतूल में चुनाव संपन्न होंगे।

तीसरे चरण में 7 मई को 8 सीटों पर मुरैना, भिंड, ग्वालियर, गुना, सागर, विदिशा, भोपाल और राजगढ़ तथा चौथे चरण में 13 मई को 8 सीटों देवास, उज्जैन, मंदसौर, रतलाम, धार, इंदौर, खरगौन और खंडवा में मतदान होगा। मध्यप्रदेश में इस बार लगभग 5 करोड़ 63 लाख से अधिक मतदाता मतिधिकार का उपयोग करेंगे।

96 करोड़ से अधिक मतदाता करेंगे मत का प्रयोग

लोकसभा चुनाव के दौरान कुल 96 करोड़ 88 लाख से अधिक मतदाता अपने मत का प्रयोग करेंगे। इनमें 49 करोड़ 72 लाख 31 हजार से अधिक पुरुष मतदाता, 47 करोड़ 15 लाख 41 हजार से अधिक महिला मतदाता, 48 हजार से अधिक ट्रांसजेंडर मतदाता, 88 लाख से अधिक दिव्यांग मतदाता अपने मत का प्रयोग करेंगे। इसके अलावा 21.5 करोड़ युवा अपने मत का प्रयोग करेंगे।

मॉनीटरिंग कमेटी ने शुरू की निगरानी

श्री अनुपम राजन ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही राज्यस्तरीय मीडिया सर्टिफिकेशन एवं मॉनीटरिंग कमेटी (स्टेट लेवल एमसीएमसी) द्वारा न्यूज चैनलों पर प्रसारित होने वाले विज्ञापन एवं समाचारों पर निगरानी रखने के लिये जनसम्पर्क अधिकारियों की टीम 24 घण्टे निगाह रखेगी। मध्यप्रदेश संपत्ति विरूपण अधिनियम के अंतर्गत सरकारी, सार्वजनिक, निजी संपत्ति पर अनाधिकृत विरूपण हटाने के लिए नियत सीमा में कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। टीमों का गठन किया जाकर अंतर्राज्यीय नाकों पर अवैध शराब, नगद राशि और मादक पदार्थों के परिवहन पर सख्त निगरानी रखी जा रही है।

लोकसभा निर्वाचन 2024

प्रलोभन और दबाव मुक्त चुनाव पर ध्यान केंद्रित

भोपाल, भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री राजीव कुमार ने लोकसभा निर्वाचन 2024 के संबंध में सामान्य प्रेक्षक, पुलिस प्रेक्षक और व्यय प्रेक्षकों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग बैठक में आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन भी उपस्थित रहे। इस दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त, भारत निर्वाचन आयोग श्री राजीव कुमार ने कहा कि प्रलोभन, दबाव और धमकी से मुक्त लोकसभा चुनाव संपन्न कराएं।

उन्होंने कहा कि आयोग के प्रतिनिधियों के रूप में पर्यवेक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि वे खुद को पेशेवर रूप से संचालित करें और उम्मीदवारों सहित सभी हितधारकों के लिए सुलभ हों। पर्यवेक्षकों को मैदान पर सजग रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों का दौरा करें और संवेदनशील क्षेत्रों का जायजा लें। आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सभी परिपत्रों को फिर से तैयार किया गया है, जो वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि सोशल मीडिया, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में चलने वाली भ्रामक खबरों पर त्वरित कार्रवाई करें और वस्तुस्थिति से अवगत कराएं।

सैनिकों के प्रति सम्मान हमारा नैतिक दायित्व

भोपाल, सैनिकों के प्रति सम्मान की भावना हम सबका नैतिक दायित्व है। इससे सीमा पर तैनात सैनिकों में आत्मविश्वास एवं नई ऊर्जा का संचार होता है। यह सम्मान उनके परिजनों को भी मानसिक और भावनात्मक संबल देता है। यह बात राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने राजभवन में आयोजित समामेलित विशेष निधि (ए.एस.एफ.) के लिए विशेष सहयोग करने वालों के लिए सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कही। इस अवसर पर राज्यपाल द्वारा सैनिक कल्याण के लिए एक लाख रुपये से अधिक राशि का सहयोग देने वाले व्यक्तिगत और संस्थागत सहयोगकर्ताओं संभागों एवं जिलों को सम्मानित किया गया।

राज्यपाल ने कहा कि सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पर जन सहयोग से लगभग 4 करोड़ 36 लाख से अधिक राशि का संग्रहण उल्लेखनीय उपलब्धि है। उन्होंने लक्ष्य से अधिक सहयोग राशि का संग्रहण करने वाले संभागायुक्तों और कलेक्टर्स के प्रयासों की सराहना की तथा सहयोगकर्ताओं का अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन और आभार प्रदर्शन संचालक, सैनिक कल्याण ब्रिगेडियर श्री अरुण नायर ने किया। इस अवसर पर संभागायुक्त नर्मदापुरम श्री पवन शर्मा आदि उपस्थित थे।

लोकतंत्र के स्तम्भ हैं न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका

ग्वालियर, न्यायालय केवल भवन नहीं होता, बल्कि न्याय का मंदिर होता है। मंदिर में आने वाले गरीब, शोषित और जरूरतमंद व्यक्तियों को समय पर न्याय मिले, यह जरूरी है। यह बात राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने ग्वालियर में नवनिर्मित जिला एवं सत्र न्यायालय भवन के शुभारंभ अवसर पर कही। ग्वालियर को बेहतर वातावरण एवं सुविधाओं के साथ न्यायिक सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 115 करोड़ 41 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित नवीन जिला एवं सत्र न्यायालय भवन का निर्माण किया गया। लोकार्पण अवसर पर राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि हमारे देश की न्यायपालिका श्रेष्ठ है और इसे विश्व भर के देश भी मानते हैं। हमारे देश की न्यायपालिका ने सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में भी कई नवाचार किए हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति श्री एस.सी. शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश में न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निराकरण में उल्लेखनीय कार्य हुआ है। इसके साथ ही न्यायालय भवनों के निर्माण का कार्य भी मध्यप्रदेश में तेजी से हुआ है। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाना चाहिए, इससे लोगों को समय पर न्याय मिल सके। इसके साथ ही न्यायालयीन दस्तावेजों का कम्प्यूटराईजेशन भी होना चाहिए। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री रवि मलिमथ ने कहा कि मध्यप्रदेश में न्यायालयीन प्रकरणों के निराकरण में तेजी आई है। इसके साथ ही न्यायालयीन भवनों का निर्माण भी तेजी से हो रहा है। ग्वालियर का नया भवन अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। यहाँ पर पक्षकार को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी और उसे तत्परता से न्याय भी प्राप्त हो सकेगा।

9 मार्च

राष्ट्रपति ने भारतीय वायु सेना की इकाइयों को किया सम्मानित

● राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने भारतीय वायु सेना की 4 इकाइयों को सम्मानित

किया। वायु सेना स्टेशन हिंडन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति ने 45 स्क्वाड्रन और 221 स्क्वाड्रन को राष्ट्रपति मानक (प्रेजिडेंट्स स्टैंडर्ड) और 11 बेस रिपेयर डिपो एवं 509 सिग्नल यूनिट को राष्ट्रपति रंग (प्रेजिडेंट्स कलर्स) से सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश की रक्षा में भारतीय वायु सेना का योगदान स्वर्णिम अक्षरों में लिखा गया है। वायु योद्धाओं ने साल 1948, 1965, 1971 और 1999 के युद्धों में अद्भुत साहस, समर्पण एवं आत्म-बलिदान का परिचय दिया। इसके अलावा देश-विदेश में आपदाओं के दौरान राहत और बचाव कार्यों में भी इनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हमारे वीर वायु सैनिकों की ओर से प्रदर्शित कर्तव्य को लेकर समर्पण और दृढ़ संकल्प सभी नागरिकों के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं।

● भारत को प्रतिष्ठित खसरा और रुबेला चैंपियन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार खसरा और रुबेला रोग से निपटने के लिए देश के अथक प्रयासों के लिए प्रदान किया गया। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से वाशिंगटन डीसी में राजदूत और मिशन की उप प्रमुख श्रीप्रिया रंगनाथन ने यह पुरस्कार प्राप्त किया। यह सम्मान स्वास्थ्य के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता और बच्चों में इन संक्रामक रोगों के प्रसार को रोकने के उत्कृष्ट नेतृत्व को दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि खसरा और रुबेला टीकाकरण के माध्यम से रोकी जा सकने वाली बीमारियां (वीपीडी) हैं। एमआर वैक्सीन वर्ष 2017 से देश के सार्वजनिक टीकाकरण कार्यक्रम का हिस्सा है।

10 मार्च

मोबाइल फोन का दूसरा सबसे बड़ा निर्माता बना भारत

● वर्ष 2014 से 2024 के दशक में भारत विश्व में मोबाइल फोन का निर्माण करने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। इंडिया सेल्यूलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के अनुसार वर्ष 2014 में इस क्षेत्र में 78 प्रतिशत आयात होता था और अब इसमें 97 प्रतिशत आत्मनिर्भरता आ गई है। भारत में बेचे जाने वाले कुल मोबाइल फोन में से वर्तमान में केवल तीन प्रतिशत का ही आयात किया जाता है। अभूतपूर्व वृद्धि के इस दशक में भारत में लगभग बीस लाख करोड़ रुपये की लागत के मोबाइल फोन का उत्पादन हुआ है। दस वर्ष की इस अवधि के दौरान दो अरब पचास करोड़ के लक्ष्य की तुलना में दो अरब 45 करोड़ मोबाइल फोन का निर्माण किया गया।

● एक अप्रैल 2024 से शुरू होने वाले अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के लिये विभिन्न लघु बचत योजनाओं की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) पर पहले की ही तरह 7.1 प्रतिशत ब्याज मिलता रहेगा। वित्त मंत्रालय ने इस संदर्भ में अधिसूचना जारी कर यह जानकारी दी। अधिसूचना के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के लिए विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2024) के लिए अधिसूचित दरों के समान होंगी। उल्लेखनीय है कि हर तिमाही में मुख्य रूप से डाकघरों में संचालित छोटी बचत योजनाओं पर देय ब्याज दरों को अधिसूचित किया जाता है।

11 मार्च

कोल इंडिया और आरआरवी-यूएनएल के बीच हुआ समझौता

● कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरआरवीयूएनएल) के साथ एक समझौता किया है। यह समझौता 4,100 मेगावॉट क्षमता की बिजली परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए किया गया है। यह प्रस्तावित बिजली उत्पादन कोयले से चलने वाले तापीय बिजली संयंत्र, सौर परियोजनाओं, पंप भंडारण संयंत्र और पवन परियोजनाओं के माध्यम से होगा। ऊर्जा की बढ़ती मांग को पूरा करने हेतु राजस्थान बिजली उत्पादन का यह लक्ष्य हासिल करेगा। समझौते की शर्त के अनुसार आरआरवीयूएनएल परियोजनाओं से बिजली लेने की गारंटी सुनिश्चित करेगा और विकसित भूमि पार्सल का अधिग्रहण, स्वामित्व और जेवीसी को हस्तांतरित भी करेगा। सीआईएल प्रत्येक प्रस्तावित परियोजना की वित्तीय व्यवहार्यता के लिए व्यवहार्यता अध्ययन और विश्लेषण करेगा।

● नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) कॉलेजों के निरीक्षण और सीटों की मान्यता

के लिए नया पोर्टल शुरू करेगा। पोर्टल पर कॉलेजों को इंफ्रास्ट्रक्टर, शिक्षकों की संख्या, लैब आदि की जानकारी देनी होगी। इसी के आधार पर कॉलेजों को मान्यता दी जाएगी। हैकिंग से बचने के लिए संबंधित एजेंसियों से सुरक्षा मंजूरी लेने के बाद नया पोर्टल जल्द ही चालू किया जाएगा। वहीं मेडिकल कॉलेजों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एनएमसी आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली (एईबीएएस) पोर्टल के डाटा का उपयोग करेगा। इससे निरीक्षकों को कॉलेज जाकर निरीक्षण नहीं करना पड़ेगा। वहीं पोर्टल पर अपलोड किए जा रहे डाटा को सत्यापित करने के साथ-साथ बुनियादी ढांचे की जांच करने के लिए आयोग द्वारा औचक निरीक्षण जारी रहेंगे। आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली के डैशबोर्ड से डाटा का उपयोग करने से अधिक पारदर्शिता आएगी।

12 मार्च

न्यूक्लियर मिसाइल अग्नि-5 के नए अवतार का सफल परीक्षण

● स्वदेशी तकनीक से तैयार 5 हजार किलोमीटर रेंज की न्यूक्लियर बैलिस्टिक

मिसाइल अग्नि-5 के नवीन अवतार का डीआरडीओ ने सफल परीक्षण किया। इस मिसाइल को स्वदेशी मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल (एमआईआरवी) तकनीक से लैस किया गया है। इस तकनीक के तहत यह मिसाइल एक साथ कई टारगेट पर सटीक परमाणु हमला कर सकती है। इस मिसाइल को "दिव्यास्त्र' नाम दिया है। ज्ञात रहे कि अग्नि-5 का पहला मिशन परीक्षण 2012 में किया गया था, लेकिन एमआईआरवी के साथ यह इसका पहला परीक्षण है।

● इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर आई बाढ़ और भूस्खलन में तकरीबन 26 लोगों की मौत हो गई। इंडोनेशिया सरकार के अनुसार बाढ़ से द्वीप के 9 जिले पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं। आपदा विभाग ने बाढ़ग्रस्त इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का कार्य भी शुरू कर दिया है। जानकार सूत्रों के अनुसार बाढ़ से करीब 26 पुलों, 25 स्कूलों और 279 एकड़ जमीन को भी नुकसान पहुंचा है।

● भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने बताया है कि मौसम अवलोकन उपग्रह इनसेट-3डीएस ने तस्वीरें खींचने का काम शुरू कर दिया है। इसरो ने इनसेट-3 डीएस के पेलोड (6-चैनल इमेजर और 19-चैनल साउंडर) द्वारा खींची गई तस्वीरों के पहले सेट को जारी कर दिया है। 6 - चैनल इमेजर ने विभिन्न तरंग दैर्ध्य से पृथ्वी की सतह और वायुमंडल की स्पष्ट तस्वीरें खींची हैं। जबकि 19- चैनल साउंडर ने विभिन्न वायुमंडलीय घटकों द्वारा उत्सर्जित विकिरण को दर्ज किया है। 3 डीएस के ये दोनों पेलोड समुद्र की सतह का तापमान, कोहरे की तीव्रता सहित 40 से अधिक भू-भौतिकीय डाटा जुटाएंगे।

13 मार्च

आधार कार्ड फ्री में अपडेट कराने की तारीख बढ़ी

● यूनिक आईडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने आधार कार्ड में फ्री अपडेट करने की तारीख बढ़ा दी है। अब कार्ड 14 जून, 2024 तक अपडेट कर सकेंगे। पहले यह समय-सीमा 14 मार्च, 2024 तक थी। अब 14 जून तक लोग अपनी जन्मतिथि, जेंडर, मोबाइल नंबर और ई-मेल आदि नि:शुल्क अपडेट कर सकेंगे।

● रूस का सैन्य मालवाहक जहाज इल्यूशिन आईएल-76 हादसे का शिकार हो गया। हादसे के वक्त इस विमान में यूक्रेनी युद्धबंदी और 6 चालक दल के सदस्य सहित 65 लोग सवार थे। हादसे का कारण विमान के इंजन में आग लग जाना बताया गया है। यह इवानोवो इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। विमान में आग लग जाने से उसमें सवार लोगों के जिंदा जल जाने की आशंका रूस सैन्य बल ने जाहिर की है।

● अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर छह माह बिताने के बाद चार देशों के अंतरिक्ष यात्री धरती पर लौट आए हैं। नासा के जैसामिन मोहाबेली ने लौटने वाले दल का नेतृत्व किया। जैसमिन के अलावा दल में डेनमार्क के एंड्रियास मोगेन्सन, जापान के सातोशी पुरुकावा, रूस के कोन्सटैंटिन बोरिसोव शामिल थे। उल्लेखनीय है कि अगस्त 23 में यह दल आईएसएस पर पहुंचा था। पिछले सप्ताह ही इनके बदले अन्य अंतरिक्ष यात्री दल आईएसएस पहुंच गया है।

14 मार्च

नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड ने जीता विश्वास मत

● नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने संसद में विश्वास मत हासिल कर

लिया है। नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी के नेता प्रचंड को 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में 157 वोट मिले। विश्वास मत हासिल करने के लिए प्रचंड को 138 वोटों की जरूरत थी। दिसम्बर, 2022 में कार्यभार संभालने के बाद से प्रचंड ने तीसरी बार विश्वास मत हासिल किया है। उल्लेखनीय है कि संविधान के तहत किसी भी सहयोगी द्वारा सत्तारूढ़ गठबंधन से समर्थन वापस लेने के बाद प्रधानमंत्री को विश्वास मत हासिल करना होता है।

● जापान की प्राइवेट फर्म स्पेस वन का पहला रॉकेट कैरोस उड़ान भरने के 5 सेकेंड बाद ही फट गया। यह रॉकेट 18 मीटर (59 फीट) और ठोस ईंधन वाला रॉकेट था। रॉकेट बनाने वाली कंपनी का दावा था कि इसका इस्तेमाल खुफिया जानकारी जुटाने में भी किया जाने वाला था। रॉकेट कैरोस को मध्य जापान के वाकायामा प्रांत से प्रक्षेपित किया गया था। यह पहली बार था जब जापान की किसी निजी फर्म ने रॉकेट बनाया था।

● उत्तराखंड विधानसभा से पारित समान नागरिक संहिता विधेयक ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मंजूरी मिलने के बाद अब कानून का रूप ले लिया है। उत्तराखंड सरकार ने इसे बनाने के लिए पूर्व मुख्य सचिव शत्रुघ्न सिंह की अध्यक्षता में समिति का गठन किया है। अब उत्तराखंड यूसीसी लागू करने वाला पहला राज्य बन गया है। लिव-इन संबंधों का अनिवार्य रजिस्ट्रेशन, अनुबंध, विवाह की शर्तें, हलाला, इद्दत और बहुविवाह पर प्रतिबंध और पुरुषों और महिलाओं के लिए समान विरासत अधिकार इस कानून के दायरे में आएगा। जबकि जनजातियों को संहिता के दायरे से बाहर रखा गया है। ज्ञात रहे कि यह कानून उस दिन से लागू होगा, जब सरकार इसकी अधिसूचना जारी करेगी।

15 मार्च

नौसेना को मिला बजरंग पुल टग

● भारतीय नौसेना को 25 टी बोलार्ड पुल टग बजरंग मिल गया है। इसे कमोडोर वी. प्रवीण ने लॉन्च किया। यह जहाज नौसेना के जहाजों और पुनर्डुब्बियों को बर्शिंग, अनबर्शिंग आदि में सहायता प्रदान करेगा। यह जहाज नौसेना के जहाजों को अग्निशमन में सहयोग के साथ ही खोज और बचाव अभियान में भी मदद करेगा।

● यूक्रेन ने रूस के बेलगोरोड सीमा क्षेत्र पर लगभग 8 मिसाइलें दागीं। स्थानीय

अधिकारियों के अनुसार इस हमले में दो नागरिकों की मौत हो गई और 12 नागरिक घायल हुए। यह हमले रूस में राष्ट्रपति चुनाव से पहले किए गए हैं। हाल के दिनों में रूस पर यूक्रेनी हमले ऐसे समय पर हुए हैं जब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का पुन: राष्ट्रपति चुना जाना लगभग निश्चित है। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि सीमावर्ती कुर्स्क क्षेत्र में भी यूक्रेन ने हमला किया, जो नाकाम रहा।

● सरकार ने दिव्यांगों के लिए छात्रवृत्ति सहित अन्य सभी सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आधार पहचान अनिवार्य कर दिया है। प्री-मैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक, शीर्ष श्रेणी की शिक्षा, राष्ट्रीय विदेशी छात्रवृत्ति, राष्ट्रीय फेलोशिप और मुफ्त कोचिंग छात्रवृत्तियों का लाभ उठाने के लिए आधार जरूरी होगा। इसके अलावा व्यस्कों और बच्चों के लिए दीनदयाल दिव्यांगजन पुनर्वास योजना, निरामय, जिला विकलांगता पुनर्वास केंद्र, आवासीय देखभाल, बच्चों और वयस्कों के लिए राष्ट्रीय संस्थानों के तहत सेवाओं का लाभ उठाने के लिए भी आधार की आवश्यकता होगी। जिनके पास आधार संख्या या नामांकन नहीं है, उन्हें पहले आधार नामांकन का आवेदन करना होगा।

● सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) ने श्रवण और दृष्टि बाधित दिव्यांगजनों के लिए सिनेमाघरों में फीचर फिल्मों के सार्वजनिक प्रदर्शन के दौरान सुलभता संबंधी मानकों से जुड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रयास है कि देश का हर व्यक्ति सशक्त हो, एक समावेशी समाज का निर्माण हो, समानता एवं सहयोग की भावना से समाज में सद्भाव बढ़े और सभी एकजुट होकर आगे बढ़ें। सिनेमाघरों के लिए सुलभता संबंधी मानकों की अनिवार्यता को मान्यता दी है ताकि दिव्यांगजन सिनेमाई यात्रा में भागीदार बन सकें, जिससे अभिनय कला से जुड़े अनुभवों का आनंद उठाने से पहले वंचित रहे आबादी के एक वर्ग के लिए रास्ता खुल सके। ये मानक समावेशिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति की पुष्टि करते हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

वर्ष 41, अंक 12 18.03.2024 से 24.03.2024
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

● प्रबंध संचालक - संदीप यादव
● सम्पादक - रंजना चितले
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
● आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

लोकतंत्र के महापर्व का शंखनाद और चुनाव का महत्व

किसी देश के लिए चुनाव उस आधारशिला के रूप में कार्य करते हैं, जिस पर लोकतंत्र की इमारत खड़ी होती है। चुनाव में प्रतिनिधियों को चुनने की प्रक्रिया के माध्यम से नागरिक अपने राष्ट्र की दिशा को आकार देते हैं। लोकतंत्र में चुनाव जवाबदेही, प्रतिनिधित्व और समावेशिता के सिद्धांतों को कायम रखते हैं। जवाबदेही लोकतांत्रिक शासन की आधारशिला है। चुनावी नतीजे जनप्रतिनिधियों को अपने मतदाताओं के हित में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। चुनाव ही एक जरिया होता है, जिसके माध्यम से नागरिक जनप्रतिनिधियों को उनके कार्यों और निर्णयों के लिए जवाबदेह बनाते हैं। यह जवाबदेही पारदर्शिता और सुशासन को बढ़ावा देती है, जिससे लोकतंत्र मजबूत होता है। भारत निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव-2024 का कार्यक्रम जारी कर दिया है। सात चरणों में होने वाले मतदान की श्रृंखला का शुभारंभ 19 अप्रैल से होगा और 4 जून को चुनाव के परिणाम जारी होंगे। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही चुनाव आयोग की तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। खास बात यह है कि लोकतंत्र के इस महापर्व में इस बार 96.8 करोड़ मतदाता अपने मत का उपयोग करेंगे। चुनाव राजनीतिक स्थिरता और सामाजिक एकता बनाए रखने के लिए भी महत्वपूर्ण होते हैं। किसी भी लोकतंत्र में चुनाव विभिन्न जाति, धर्म, समुदाय आदि के लोगों को निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में हिस्सा लेने का अवसर प्रदान करते हैं। चुनाव के माध्यम से व्यक्तियों को उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति, जातीयता, धर्म या लिंग की चिंता किए बिना ऐसे प्रतिनिधियों को चुनने का अवसर मिलता है, जो उनके हितों का ध्यान रख सकें।

चुनाव एक माध्यम के रूप में कार्य करते हैं, जिसके जरिए समाज की विषमता को सत्ता में अभिव्यक्ति मिलती है। वहीं चुनावी अभियान उम्मीदवारों को अपनी योजना और नीति बताने, मतदाताओं से जुड़ने और उनकी चिंताओं को समझने का मौका देते हैं। इस दौरान होने वाला विचारों का आदान-प्रदान शिक्षा, जागरूकता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देता है, जिससे लोकतांत्रिक प्रणाली पर मतदाताओं का विश्वास बढ़ता है। इसके अलावा चुनाव शासन में स्थिरता और निरंतरता को बढ़ावा देते हैं। राजनीतिक अस्थिरता और अनिश्चितता को कम करते हैं। यह सुनिश्चित करते हैं कि सत्ता जवाबदेह बनी रहे, जिससे अधिनायकवाद को पनपने से रोका जा सके।

चुनाव नीति निर्माताओं को दीर्घकालिक योजना बनाने और स्थायी नीतियों को लागू करने का अधिकार प्रदान करते हैं। हालांकि लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनावी प्रक्रिया बहुत आवश्यक होती है। इसमें चुनाव आयोग, सुरक्षा एजेंसियों, समाज और मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह सब मिलकर चुनावी प्रक्रियाओं और अधिकारियों को जवाबदेह बनाते हैं। इस तरह देखा जाए तो चुनाव लोकतंत्र के लिए सबसे जरूरी प्रक्रिया है। यह लोगों की इच्छा का प्रतीक होते हैं और परिवर्तन लाने का जरिया बनते हैं। भारत में होने वाले चुनाव पूरे विश्व में पारदर्शिता, निष्पक्षता और समावेशिता का एक प्रमुख उदाहरण हैं।

लोकतंत्र में चुनाव केवल आवश्यकता ही नहीं, बल्कि उसका धड़कता हुआ हृदय हैं। चुनाव यह सुनिश्चित करते हैं कि लोगों की आवाज सरकार तक पहुंचती रहे। इस लोकसभा चुनाव में मतदाता अपने मत का प्रयोग करके जनप्रतिनियों का चयन करेंगे। इस दौरान हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि मतदान हमें अपने राष्ट्र की दिशा और नियति को आकार देने में भागीदार बनाता है। इसलिए अपने मताधिकार का सम्मान करें और मतदान जरूर करें।

वायुमंडल में मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड सहित वाष्प रूप में पानी के होने के मिले संकेत

कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं को खगोल विज्ञान के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि मिली है। पृथ्वी के बाहर जीवन की उम्मीद की खोज में पहली बार एक बाहरी ग्रह मिला है। इसमें पानी का विशाल खौलता हुआ महासागर होने की संभावना है। इसे अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के जेम्स वेब टेलिस्कोप से खोजा गया है। वैज्ञानिकों ने इसे टीओआई-270 का नाम दिया है। इसके आकड़ों से वैज्ञानिकों को बाहरी ग्रह के वायुमंडल में मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड होने के साथ वाष्प रूप में पानी के होने के भी संकेत मिले हैं। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के अनुसार ग्रह कि रासायनिक संरचना से पता चला है कि यह एक ऐसा संसार है जिस पर पानी के महासागर के चारों ओर हाइड्रोजन से भरपूर वायुमंडल की परत चढ़ी हुई है। विश्लेषण करने वाले प्रोफेसर निक्कू मधुसूदन के अनुसार इस ग्रह के महासागरों का तापमान 100 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। कनाडा के शोधकर्ताओं के अनुसार इस ग्रह का तापमान इतना अधिक हो सकता है कि यहां पर पानी तुरंत भाप बनकर उड़ जाएगा। इसके साथ ही यह भी हो सकता है कि यहां का अधिकतम तापमान 4 हजार डिग्री सेल्सियस हो सकता है। इस बाहरी ग्रह की रोशनी का अध्ययन करके खगोलविद् ग्रह के वायुमंडल में रासायनिक संरचना के रहस्य के बारे में और अधिक जानकारी दे सकेंगे। टीओआई-270 के वायुमंडल में अमोनिया न होना इस बात का प्रमाण है कि हाइड्रोजन से भरे वायुमंडल के नीचे महासागर हो सकता है। नासा के जूनो मिशन से मालूम हुआ कि बृहस्पति के यूरोपा नामक चंद्रमा पर हर 24 घंटे में एक हजार टन ऑक्सीजन बनती है जो एक लाख इंसानों के लिए एक दिन की सांस लेने के लिए पर्याप्त है। यह डाटा वैज्ञानिकों के पिछले ऑक्सीजन उत्पादन के अनुमानों के मुताबिक काफी कम है। नेचर एस्ट्रोनॉमी में प्रकाशित स्टडी के अनुसार यूरोपा पर हर सेकेंड में 12 किलोग्राम ऑक्सीजन का उत्सर्जन होता है।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

असम राइफल्स स्थापना दिवस - 24 मार्च

ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है अर्द्धसैनिक बल - असम राइफल्स

असम राइफल्स केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के तहत एक केंद्रीय अर्द्धसैनिक बल है। ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण असम राइफल्स का गठन वर्ष 1835 में कछार लेवी नामक एक एकल सैन्य बल के रूप में पूर्वोत्तर भारत में शान्ति स्थापित करने के उद्देश्य से किया गया था। उस समय इसमें सात सौ पचास सैनिक थे। आज एक सौ नवासी वर्ष बाद असम राइफल्स में सैनिकों सहित पैंसठ हजार से अधिक का अमला है। असम राइफल्स का मुख्यालय, शिलांग (मेघालय) में है। लेफ्टिनेंट जनरल प्रदीप चन्द्रन नायर इस समय असम राइफल्स के महानिदेशक हैं। असम राइफल्स ने असम क्षेत्र को वाणिज्य और प्रशासन के लिये खोलने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है तथा इसी कारण इसे - 'नागरिक के दाहिने हाथ और सेना के बाएं हाथ' की संज्ञा दी गई। आरम्भ में असम राइफल्स का काम मुख्य रूप से ब्रिटिश चाय बागानों की सुरक्षा और हमलों की स्थिति में सुरक्षा करना था। धीरे-धीरे इस सैन्यबल का पुनर्गठन हुआ और इन सभी सैन्यबलों को- 'फ्रंटियर फोर्स' नाम दिया गया और उसे समूचे असम की सीमा में एक 'निवारक अभियान' (प्यूनेटिव ऑपरेशन) चलाने की बड़ी जिम्मेदारी दी गई।

प्रथम विश्वयुद्ध में भी थी असम राइफल्स की प्रतिभागिता

वर्ष 1870 में मौजूदा सैन्य बल को असम सैन्य पुलिस में परिवर्तित कर तीन बटालियन- लुशाई हिल्स बटालियन, लखीमपुर बटालियन और नागा हिल्स बटालियन बनाई गई। प्रथम विश्वयुद्ध के ठीक पहले दरांग बटालियन का गठन भी किया गया। चूंकि इतने कम समय में सुरक्षित सैन्य बल को बुलाना सम्भव नहीं था और गोरखा बटालियन के सैनिक नेपाल में ही छूट गये थे, अतः असम मिलिट्री पुलिस को उनका स्थान लेना पड़ा। इस प्रकार यह सैन्य बल वर्ष 1917 में प्रथम विश्व युद्ध में ब्रिटिश आर्मी के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर यूरोप और मध्यपूर्व में उस कथित ग्रेट वार में बहादुरी के साथ लड़ा। इसी युद्ध के बाद इस सैन्य बल का नाम बदलकर असम राइफल्स कर दिया गया।

संयुक्त राष्ट्र शान्ति मिशन में भी असम राइफल्स सक्रिय रहा

असम राइफल्स की जम्मू-कश्मीर में दो बटालियन और एक राष्ट्रीय आपदा राहत बल बटालियन तैनात है, जो प्राकृतिक आपदाओं के मामले में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रही है। यद्यपि भारत कई वर्षों से संयुक्त राष्ट्र के शांति स्थापना अभियान में योगदान दे रहा है, इस एक अभियान में असम राइफल्स की राइफल वुमेन टीम को शामिल करने से राष्ट्रों के इस प्रतिष्ठित समुदाय के प्रति प्रतिबद्धता में एक और सामाजिक एवं मानवीय आयाम जुड़ गया है। असम राइफल्स ने देश की स्वतंत्रता के बाद कई सैन्य अभियानों में अप्रतिम युद्ध कौशल का परिचय दिया। वर्ष 1962 के भारत-चीन युद्ध में असम राइफल्स ने पारम्परिक युद्धक की भूमिका निभाई। वर्ष 1987 में श्रीलंका में भारतीय शान्ति सेना के हिस्से के रूप में एक विदेशी भूमि पर 'ऑपरेशन पवन' के नाम से सैन्य अभियान का संचालन किया। भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में शान्ति स्थापना में भी असम राइफल्स की अहम भूमिका रही है। इन इलाकों में विद्रोह के शमन और कानून एवं व्यवस्था की स्थिति को बनाये रखने की आश्वस्ति का महत्वपूर्ण कार्य भी असम राइफल्स के जिम्में एक महत्त्वपूर्ण कार्य है।

राइफल्स के जवानों की सेवा की प्रतीक - ढाई मूर्ति

असम राइफल्स के जाबाज जवानों का पीढ़ितों की सेवा के क्षेत्र में भी अप्रतिम अवदान रहा है। उनके इसी अवदान को दर्शाने के लिये ऊपरी शिलांग के लेटकोर में, जो असम राइफल्स का मुख्यालय है वहां 'ढाई मूर्ति' की स्थापना की गई है। ढाई मूर्ति, एक ऐसी मूर्ति है, जिसमें असम राइफल्स के एक जवान को एक शरणार्थी की सहायता करते हुए दिखाया गया है। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान असम राइफल्स के सैनिकों ने बड़ी संख्या में शरणार्थियों को सहायता प्रदान की थी। खराब कपड़े पहने शरणार्थी पेचिश, निर्जलीकरण, मलेरिया और कुपोषण सहित विभिन्न बीमारियों से पीड़ित होकर महीनों तक पैदल यात्रा करते रहे, जबकि निशानेबाजों द्वारा उनका पीछा किया जाता रहा। असम राइफल्स के अधिकारियों के अनुसार, यह प्रतिमा असम राइफल्स के जवानों की समाज के प्रति समर्पित सेवा और राष्ट्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

देश की स्थानीय आबादी को भी सुरक्षा देती है - असम राइफल्स

आज भी असम राइफल्स देश के कुछ सुदूर और कम विकसित क्षेत्र में स्थानीय आबादी को सुरक्षा प्रदान करने के लिये तैनात हैं। पिछले सालों में असम राइफल्स ने शनै: शनै: अपने स्वरूप में परिवर्तन किया है। वर्ष 1960 में असम राइफल्स-की सत्रह बटालियन आज बढ़कर छियालिस हो गई हैं। इस सैन्य बल के पास प्रशिक्षण केन्द्र और भण्डारण इकाइयां भी हैं। सुदूर उत्तर पूर्व के जनजातीय अंचल में अरसे से पदस्थ रहने के कारण असम राइफल्स ने स्थानीय आबादी का सम्पूर्ण विश्वास जीत लिया है और असम राइफल्स ने यहां की आबादी को देश के विकास की राष्ट्रीय धारा से जोड़ने में अहम सहायता की है।

अपनी दयालुता और तत्काल व समुचित सहायता की पहल के कारण असम राइफल्स ने सच्चे अर्थ में इस इलाके के लोगों के दिल और दिमाग को जीतकर 'उत्तर पूर्व के मित्र' का खिताब पाया है। असम राइफल्स को सब प्यार से उत्तर पूर्व का मित्र कहते हैं और यह सैन्य बल भारतीय गणतंत्र का सबसे उच्चतम पुरस्कार पाने वाला और सबसे सुसज्जित अर्द्धसैनिक बल है।

आईटीबीपी के साथ विलय का प्रस्ताव

नवम्बर 2019 में मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स ने इन्हें भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के साथ विलय का प्रस्ताव दिया। इण्डियन तिब्बत बॉर्डर पुलिस एक विशेष पर्वतीय बल है, जिसकी स्थापना अक्टूबर 1962 में हुई थी। यह लद्दाख में काराकोरम दर्रे से अरुणाचल प्रदेश के जलेप ला दर्रे तक तीन हजार चार सौ अट्ठयासी किलोमीटर भारत-चीन सीमा पर सीमा सुरक्षा सम्बन्धी कार्यों के लिये तैनात है। गृह मंत्रालय के अधिकार के अन्तर्गत भारत में जो सात सुरक्षा बल हैं, असम राइफल्स भी उनमें से एक है। अन्य सशस्त्र बल हैं - सीमा सुरक्षा बल (बॉर्डर सिक्यूरिटी फोर्स), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सेन्ट्रल इंडस्ट्रियल सिक्यूरिटी फोर्स), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सेन्ट्रल रिजर्व पुलिस बल), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (इण्डो- तिबेटियन बॉर्डर पुलिस), राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (नेशनल सिक्यूरिटी गार्ड) और सशस्त्र सीमा बल (आर्म्ड बॉर्डर फोर्स)।

जरूरत होने पर एलएसी पर भी तैनात हो सकेगी असम राइफल्स

असम राइफल्स अपनी तैनाती और परिचालन को लेकर कुछ महत्वपूर्ण परिवर्तन की योजना बना रही है, ताकि इसे आकस्मिकताओं की स्थिति में वास्तविक नियंत्रण रेखा (लाइन ऑफ एक्चुअल कन्ट्रोल) पर पारम्परिक युद्ध की भूमिकाओं के लिए तैनात किया जा सके। इस तैनाती के साथ ही वह पूर्वोत्तर में उग्रवाद विरोधी कर्तव्यों के पालन करने और भारत-म्यांमार सीमा की रक्षा करने का पारम्परिक काम जारी रखेगी। पिछले महीने शिलांग में आयोजित असम राइफल्स महानिरीक्षक सम्मेलन के दौरान अन्य विषय के साथ इस मुद्दे पर भी चर्चा की गई। तत्काल आवश्यकता के मामले में अगले कुछ महीनों में एलएसी पर तैनाती के लिए असम राइफल्स के सत्तर प्रतिशत से अधिक सैनिकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की योजना है। असम राइफल्स की नवीनतम योजनाएं चीन की ओर भारत के बढ़ते फोकस और एलएसी को सुरक्षित करने का संकेत देती है। पिछले तीन वर्षों में जब से एलएसी पर सैन्य गतिरोध बढ़े हैं। रक्षा प्रतिष्ठान ने एलएसी पर सतर्कता बढ़ाने और तैनाती को मजबूत करने के लिए कई उपाय किए हैं। असम राइफल्स में छियालीस बटालियन हैं। इनमें से बीस बटालियन भारत-म्यांमार सीमा की सुरक्षा में शामिल हैं और छब्बीस बटालियन उग्रवाद विरोधी भूमिकाओं में शामिल हैं, जिनमें दो जम्मू और कश्मीर में तैनात हैं।

राजा दुबे

(लेखक- जनसंपर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

हिन्दी

1. इनमें से किस कवि ने प्रबंधात्मक वीर काव्य की रचना भी की है?
अ. ग्वाल कवि
ब. रामसहाय दास
स. पद्माकर भट्ट
द. सम्मन
उत्तर- स. पद्माकर भट्ट

2. ''प्रमरदूत'' के रचनाकार है?
अ. सत्यनारायण कविरत्न
ब. लाला भगवानदीन
स. जगन्नाथदास रत्नाकर
द. राय देवी प्रसाद 'पूर्ण'
उत्तर- अ. सत्यनारायण कविरत्न

3. काम मंगल से मंडित श्रेय, सर्ग इच्छा का है परिणाम तिरस्कृत कर उसको तुम भूल, बनाते हो असफल भवधाम उपर्युक्त पंक्तियां 'कामायनी' के किस सर्ग की हैं?
अ. वासना ब. काम
स. श्रद्धा द. लज्जा
उत्तर- स. श्रद्धा

4. इनमें से किस कवि ने सतसई की रचना नहीं की है?
अ. रसनिधि ब. वृन्द
स. भूपति द. बेनी प्रवीन
उत्तर- द. बेनी प्रवीन

5. भरत मुनि के रस सूत्र के व्याख्याकार भट्टनायक के सिद्धांत का नाम है?
अ. अनुमितिवाद
ब. उत्पत्तिवाद
स. भुक्तिवाद
द. अभिव्यक्तिवाद
उत्तर- स. भुक्तिवाद

6. 'रेणुका' काव्यकृति के कवि का नाम है?
अ. लीलाधर जगूड़ी
ब. रामधारी सिंह दिनकर
स. राजकमल चौधरी
द. नरेश सक्सेना
उत्तर- ब. रामधारी सिंह दिनकर

7. इनमें से कौनसी काव्यकृति भवानी प्रसाद मिश्र की है?
अ. मुक्ति प्रसंग
ब. अनुभव के आकाश में चांद
स. खुशबू के शिलालेख
द. आत्मजयी
उत्तर- स. खुशबू के शिलालेख

8 'चिन्तामणि' के रचयिता हैं?
अ. जयशंकर प्रसाद
ब. महावीर प्रसाद द्विवेदी
स. रामचन्द्र शुक्ल
द. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
उत्तर- स. रामचन्द्र शुक्ल

9. 'गोदान' किसकी कृति है?
अ. फणीश्वरनाथ रेणु
ब. मुन्शी प्रेमचन्द
स. जयशंकर प्रसाद
द. रांगेय राघव
उत्तर- ब. मुन्शी प्रेमचन्द

10. भूसन बिनु न विराजई कविता वनिता मित्त। यह कथन किसका है?
अ. तुलसीदास
ब. भिखारीदास
स. केशवदास
द. मतिराम
उत्तर- स. केशवदास

11. 'प्रसन्न राघव' (नाट्य ग्रंथ) के रचयिता कवि कौन हैं?
अ. आचार्य विश्वनाथ
ब. भवभूति
स. जयदेव
द. कालिदास
उत्तर- स. जयदेव

12. निम्नलिखित में से कौन रीतिमुक्त कवि नहीं हैं?
अ. बोधा
ब. ठाकुर
स. पद्माकर
द. आलम
उत्तर- स. पद्माकर

13. आदिकाल में खड़ी बोली का प्रयोग किस कवि ने किया?
अ. खुसरो
ब. विद्यापति
स. स्वयंभू
द. चन्दबरदाई
उत्तर- अ. खुसरो

14. निम्नलिखित काव्योक्ति तुलसीदास की किस रचना से है? ''श्रुति सम्मत हरि भक्ति पथ संजुत विरतिविवेक''
अ. रामचरितमानस
ब. कवितावली
स. विनय पत्रिका
द. गीतावली
उत्तर- अ. रामचरितमानस

15. तरनि-तनूजा-तट तमाल तरूवर बहु छाए। प्रस्तुत पंक्ति के रचयिता हैं?
अ. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
ब. रामधारी सिंह दिनकर
स. माखनलाल चतुर्वेदी
द. रामनरेश त्रिपाठी
उत्तर- अ. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

16. निम्नलिखित कवियों में रीतिसिद्ध कवि कौन है?
अ. बिहारी ब. घनानंद
स. मतिराम द. बोधा
उत्तर- अ. बिहारी

17. 'साधारणीकरण' संकल्पना के उद्गाता कौन हैं?
अ. कुंतक
ब. वामन
स. भट्टनायक
द. अभिनव गुप्त
उत्तर- स. भट्टनायक

18. निम्नलिखित में से कौन 'अष्टछाप' का कवि नहीं है?
अ. कुंभन दास
ब. कृष्ण दास
स. छीत स्वामी
द. ध्रुव दास
उत्तर- द. ध्रुव दास

19. निम्नलिखित में से कौन 'हनुमच्चरित्र' का रचयिता है?
अ. नाभादास
ब. तुलसीदास
स. अग्रदास
द. रायमल्ल पाण्डेय
उत्तर- द. रायमल्ल पाण्डेय

20. 'ललित ललाम' किसका ग्रंथ है?
अ. जसवंत सिंह
ब. भूषण
स. पद्माकर
द. मतिराम
उत्तर- द. मतिराम

21. निम्नलिखित में से कौन सा लेखक भारतेंदु मण्डल का नहीं है?
अ. प्रताप नारायण मिश्र
ब. बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमधन'
स. बालकृष्ण भट्ट
द. राजा लक्ष्मण सिंह
उत्तर- द. राजा लक्ष्मण सिंह

22. 'रस कलश' किसकी रचना है?
अ. श्रीधर पाठक
ब. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
स. गयाप्रसाद शुक्ल 'स्नेही'
द. मैथिलीशरण गुप्त
उत्तर- ब. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

23. निम्नलिखित पंक्तियां किस कवि की हैं?
क्या कहा मैं अपना खंडन करता हूं ठीक है तो, मैं अपना खंडन करता हूं मैं विराट हूं - मैं समूहों को समाए हूं
अ. जयशंकर प्रसाद
ब. सुमित्रानंदन पंत
स. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
द. रामधारी सिंह दिनकर
उत्तर- स. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

24. तुम नीके दुहि जानत गैया। चलिए कुंवर रसिक मनमोहन लागी तिहारे पैयां। इन काव्य पंक्तियों के रचनाकार हैं?
अ. सूरदास
ब. कुम्भन दास
स. नंददास
द. परमानंद दास
उत्तर- ब. कुम्भन दास

25. जहांगीर जस चन्द्रिका किसकी रचना है?
अ. भूषण
ब. पद्माकर
स. केशवदास
द. मतिराम
उत्तर- स. केशवदास

26. 'सेनापति' किसके लिए विख्यात है?
अ. प्रकृति चित्रण के लिए
ब. आलंकारिकता के लिए
स. भक्ति निरूपण के लिए
द. रीति निरूपण के लिए
उत्तर- अ. प्रकृति चित्रण के लिए

27. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने रीतिकाल का प्रवर्तक माना है?
अ. केशव को
ब. चिन्तामणि को
स. भूषण को
द. बिहारी को
उत्तर- ब. चिन्तामणि को

28. इनमें से मतिराम का ग्रंथ कौन सा नहीं है?
अ. रसराज
ब. ललित ललाम
स. रसविलास
द. छन्दसार
उत्तर- स. रसविलास

29. इनमें से कौन सी रचना तुलसीदास की है?
अ. रामध्यान मंजरी
ब. रामसतराई
स. कृष्ण गीतावली
द. श्री रामर्चन पद्धति
उत्तर- स. कृष्ण गीतावली

30. रीतिकाल का वर्गीकरण कितने वर्गों में किया गया है?
अ. तीन
ब. चार
स. पांच
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- अ. तीन (रीतिसिद्ध, रीतिबद्ध, रीतिमुक्त)

31. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के उपन्यासों के प्रकाशन की दृष्टि से सही अनुक्रम कौन सा है?
अ. अप्सरा, अलका, निरूपमा, प्रभावती
ब. प्रभावती, निरूपमा, अप्सरा, अलका
स. निरूपमा, अलका, प्रभावती, अप्सरा
द. अलका, अप्सरा, निरूपमा, प्रभावती
उत्तर- अ. अप्सरा (1931), अलका (1933), निरूपमा (1936), प्रभावती (1936)

32. 'आत्मा कबूतरी' किसकी रचना है?
अ. मृदुला गर्ग ब. गीतांजलि श्री
स. मैत्रेयी पुष्पा द. चित्रा मुद्गल
उत्तर- स. मैत्रेयी पुष्पा

33. हम दीवानों की क्या हस्ती, आज यहां कल वहां चले। मस्ती का आलम साथ चला, हम धूल उड़ाते जहां चले।। प्रस्तुत पंक्तियों के रचयिता हैं?
अ. सियाराम शरण गुप्त
ब. भगवती चरण वर्मा
स. सुभद्रा कुमारी चौहान
द. रामधारी सिंह दिनकर
उत्तर- ब. भगवती चरण वर्मा

34. फणीश्वर नाथ रेणु की रचना है?
अ. गबन ब. गीतांजलि
स. मैला आंचल द. कामायनी
उत्तर- स. मैला आंचल

35. आत्मनिर्भरता (निबंध) के रचनाकार हैं?
अ. महावीर प्रसाद द्विवेदी
ब. बालकृष्ण भट्ट
स. रामचन्द्र शुक्ल
द. अजित कुमार
उत्तर- ब. बालकृष्ण भट्ट

36. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने हिन्दी साहित्य का आविर्भाव किससे माना है?
अ. प्राकृत से
ब. संस्कृत से
स. पालि से
द. प्राकृत की अंतिम अवस्था अपभ्रंश से
उत्तर- द. प्राकृत की अंतिम अवस्था अपभ्रंश से

37. रस निष्पत्ति के संदर्भ में 'अनुमितिवाद' की स्थापना किसने की है?
अ. भट्टलोल्लट
ब. अभिनव गुप्त
स. शंकुक
द. भट्टनायक
उत्तर- स. शंकुक

38. 'साधारणीकरण' आलम्बनत्व धर्म का होता है। यह मान्यता किसकी है?
अ. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
ब. आचार्य विश्वनाथ
स. आचार्य नमेन्द्र
द. आचार्य अभिनव गुप्त
उत्तर- अ. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

39. जयदेव से प्रभावित विद्यापति की कौन सी रचना है?
अ. कीर्तिलता ब. कीर्तिपताका
स. पदावली द. कोई नहीं
उत्तर- स. पदावली

40. 'गोरख बानी' के सम्पादक हैं?
अ. रामचन्द्र शुक्ल
ब. हजारी प्रसाद द्विवेदी
स. श्याम सुन्दर दास
द. पीताम्बर दत्त बडथ्वाल
उत्तर- द. पीताम्बर दत्त बडथ्वाल

41. निम्नलिखित में से कौन सा उपन्यास काशीनाथ सिंह का है?
अ. रेहान पर रग्घू
ब. चाक
स. एक ब्रेक के बाद
द. ग्लोबल गांव के देवता
उत्तर- अ. रेहान पर रग्घू

42. 'पेपर वेट' नामक नाटक की रचना किसने की है?
अ. भीष्म साहनी
ब. ज्ञानदेव
स. रमेश वक्षी
द. अमृतराय
उत्तर- स. रमेश वक्षी

43. 'सतपुड़ा के घने जंगल' नामक कविता के रचयिता कौन हैं?
अ. निराला
ब. मुक्तिबोध
स. भवानी प्रसाद मिश्र
द. धर्मवीर भारती
उत्तर- स. भवानी प्रसाद मिश्र

44. 'सुदामा चरित' के लेखक हैं?
अ. रसखान
ब. जगन्नाथदास रत्नाकर
स. नरोत्तमदास
द. नंददास
उत्तर- स. नरोत्तमदास

45. निम्नलिखित में से कौन सा नाटक कालीदास के चरित्र से संबंधित नहीं है?
अ. आठवां सर्ग
ब. कन्धे पर बैठा आदमी
स. शकुन्तला की अंगूठी
द. आषाढ़ का एक दिन
उत्तर- स. शकुन्तला की अंगूठी

46. रोमानी भाव बोध के कवियों को किस नाम से पुकारा जाता है?
अ. छायावादी कवि
ब. रीतिमुक्त कवि
स. स्वच्छंदतावादी कवि
द. रहस्यवादी कवि
उत्तर- स. स्वच्छंदतावादी कवि

47. 'नूतन ब्रम्हचारी' उपन्यास किसने लिखा है?
अ. बालकृष्ण भट्ट
ब. चतुरसेन
स. हरिश्चन्द्र
द. साकेत
उत्तर- अ. बालकृष्ण भट्ट

48. 'श्रद्धा' किस कृति की नायिका है?
अ. कुरूक्षेत्र
ब. कामायनी
स. रामायण
द. साकेत
उत्तर- ब. कामायनी

49. हिन्दी गद्य का जन्मदाता किसे माना जाता है?
अ. प्रताप नारायण मिश्र
ब. महावीर प्रसाद द्विवेदी
स. भारतेंदु हरिश्चन्द्र
द. बालकृष्ण भट्ट
उत्तर- स. भारतेंदु हरिश्चन्द्र

- डॉ. राममनोहर उपाध्याय
(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के जनसंचार विभाग में अतिथि शिक्षक हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम-1989

1. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के लागू होने की तिथि निम्न में से कौन सी है?
A. 1 जनवरी, 1989
B. 30 जनवरी, 1989
C. 1 जनवरी, 1990
D. 30 जनवरी, 1990

2. अनुसूचित जाति अधिनियम में धाराओं की कुल संख्या है?
A. 21 B. 23
C. 25 D. 27

3. अनुसूचित जाति अधिनियम के अनुसार संहिता से अभिप्राय है?
A. भू- राजस्व संहिता
B. मोटरयान संहिता
C. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973
D. उपरोक्त कोई नहीं

4. अ. जा. अ. के अन्तर्गत विशेष न्यायालय का विनिर्देशन किस धारा में किया गया है?
A. धारा- 11
B. धारा- 12
C. धारा- 13
D. धारा- 14

5. अ. जा. अ. के अधीन अत्याचार के अपराध का भागी नहीं हो सकता है?
A. SC का सदस्य
B. ST का सदस्य
C. उपरोक्त दोनों
D. उपरोक्त कोई नहीं

6. अ. जा. अ. को राष्ट्रपति द्वारा अपनी सहमति नहीं दिए जाने की तिथि है?
A. 1 सितंबर, 1989
B. 11 सितंबर, 1989
C. 21 सितंबर, 1989
D. 30 सितंबर, 1989

7. अ. जा. अ. की किस धारा के अन्तर्गत विशेष न्यायालय की परिभाषा दी गई है?
A. धारा- 2 (क)
B. धारा- 2 (ग)
C. धारा- 2 (घ)
D. धारा- 2 (च)

8. अ. जा. अ. में कुल अध्यायों की संख्या है?
A. 2
B. 3
C. 4
D. 5

9. बेगार करने के लिये विवश करना अ. जा. अ. की किस धारा के तहत दण्डनीय है?
A. धारा-1
B. धारा- 2
C. धारा- 3
D. धारा- 4

10. SC/ST के सदस्य को मतदान से रोकना या विशिष्ट अभ्यर्थी को मतदान करने के लिये मजबूर करना किस धारा के तहत अत्याचार माना गया है?
A. धारा-3 B. धारा- 6
C. धारा- 9 D. धारा- 12

11. SC/ST के सदस्य को मकान, गांव या अन्य निवास स्थान छोड़ने हेतु विवश करना है?
A. अपराध
B. अपराध नहीं
C. अनिश्चित
D. उपरोक्त कोई नहीं

12. अ. जा. अ. से संबंधित भारतीय दण्ड संहिता की धारायें हैं?
A. धारा- 34
B. धारा- 149
C. A और B दोनों
D. इनमें से कोई नहीं

13. कर्तव्यों की उपेक्षा के लिये दण्ड अ. जा. अ. की किस धारा में प्रावधानित है?
A. धारा- 3
B. धारा- 4
C. धारा- 5
D. धारा- 6

14. सद्भावनापूर्वक की गई कार्यवाही के लिये संरक्षण प्राप्त होने का प्रावधान किस धारा के अन्तर्गत प्राप्त होगा?
A. धारा- 2 B. धारा- 12
C. धारा- 22 D. धारा- 23

15. अ. जा. अ. की धारा- 10 के अधीन आदेश किये गये व्यक्तियों के फोटो एवं माप लेने के प्रतिरोध करने को IPC की किस धारा में अपराध समझा जायेगा?
A. धारा- 151 B. धारा- 183
C. धारा- 186 D. धारा- 188

16. अ. जा. अ. के अंतर्गत अपराधी के संबंध में उपधारणा का उपबंध किस धारा द्वारा किया गया है?
A. धारा- 4 B. धारा- 8
C. धारा- 12 D. धारा- 16

17. अ. जा. अ. की किस धारा में अत्याचारों से पीड़ित व्यक्तियों के आर्थिक और समाजिक पुनरुद्धार की व्यवस्था का उल्लेख है?
A. धारा- 21 (1) (ii)
B. धारा- 21 (1) (iii)
C. धारा- 21 (2) (i)
D. धारा- 21 (2) (iii)

18. अनु. जाति/जनजाति की किसी महिला का अनादर करने या उसकी लज्जा भंग करने के आशय से हमला या बल प्रयोग करने से संबंधी धारा है?
A. धारा- 3 (1) (i)
B. धारा- 3 (1) (v)
C. धारा- 3 (1) (vii)
D. धारा- 3 (1) (xi)

19. नियम बनाने की शक्ति किस धारा के अधीन केन्द्र सरकार को प्रदत्त है?
A. धारा- 21 B. धारा- 22
C. धारा- 23 D. धारा- 24

20. अ. जा. अ. की धारा-10 के अधीन आदेश के अनुपालन के लिये कितने वर्ष तक का अधिकतम कारावास दिया जा सकता है?
A. 1 वर्ष B. 2 वर्ष
C. 7 वर्ष D. 10 वर्ष

21. अ. जा. अ. के अधीन दण्ड योग्य अत्याचारों के विचारण की शक्ति है?
A. DM
B. CJM
C. विशेष न्यायालय
D. उपरोक्त कोई नहीं

22. अ. जा. अ. की धारा- 7 किसका प्रावधान करती है?
A. मृत्युदण्ड
B. आजीवन कारावास
C. 6 माह का कारावास
D. सम्पत्ति का समपहरण

23. अ. जा. अ. में किसी शब्द का अर्थ स्पष्ट न होने की दशा में किस संहिता द्वारा उसके अर्थ का निगमन किया जायेगा?
A. I.P.C
B. Cr. P. C.
D. C.P.C
D. M.P.L.R.C

24. अ. जा. अ. की किस धारा के अंतर्गत अपराधों के बारे में उपधारणा करने का उपबंध है,
A. धारा- 6
B. धारा- 7
C. धारा- 8
D. धारा- 9

25. केन्द्र सरकार ने धारा- 23 का प्रयोग करते हुये किस वर्ष नियम बनाये थे?
A. 1989 में
B. 1991 में
C. 1993 में
D. 1995 में

26. पश्चात्वर्ती दोषासिद्धि के लिये वार्धित दण्ड का प्रावधान अ. जा. अ. की किस धारा के अन्तर्गत है?
A. धारा- 5
B. धारा- 6
C. धारा- 10
D. धारा- 15

27. भारतीय संविधान का निम्नांकित में से कौनसा अनुच्छेद अ.जा.अ. से संबंधित है?
A. अनुच्छेद- 14
B. अनुच्छेद- 15
C. अनुच्छेद- 16
D. अनुच्छेद- 17

28. अ. जा. अ. की धारा- 9 के अधीन राज्य सरकार किसी अधिकारी को किस हेतु शक्ति प्रदान कर सकती है?
A. अन्वेषण
B. अभियोजन
C. गिरफ्तारी
D. उपरोक्त सभी

29. दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 438 के लागू नहीं होने का उल्लेख अ. जा. अ. की किस धारा में है?
A. धारा- 8 B. धारा- 16
C. धारा- 18 D. धारा- 19

30. अ. जा. अ. के किस प्रावधान में मृत्युदण्ड संदर्भित है?
A. 3 (2) (i)
B. 3 (2) (ii)
C. 3 (2) (iii)
D. 3 (2) (x)

31. अ. जा. अ. की धारा- 17 के तहत निवारक कार्यवाही करने में सक्षम हैं?
A. D.M.
B. S.D.M
C. कार्यपालिक दण्डधिकारी
D. उपरोक्त सभी

32. धारा- 22 के अन्तर्गत संरक्षण प्राप्त है?
A. केन्द्र सरकार को
B. राज्य सरकार को
C. उपरोक्त दोनों को
D. उपरोक्त कोई नहीं

33. अ. जा. अ. के अन्य विधियों पर अध्यारोही होने का उल्लेख किस धारा के अंतर्गत है?
A. धारा- 10
B. धारा- 18
C. धारा- 20
D. धारा- 22

34. अ. जा. अ. की धारा- 21 (4) के अंतर्गत संसद में रखी जाने वाली रिपोर्ट में किसके द्वारा किये गये उपाय होते हैं?
A. केन्द्र सरकार द्वारा
B. राज्य सरकार द्वारा
C. उपरोक्त दोनों द्वारा
D. उपरोक्त कोई नहीं

35. अ. जा. अ. के अनुसार विशेष लोक अभियोजकों की नियुक्ति का आधिकार किसे है?
A. उच्चतम न्यायालय
B. उच्च न्यायालय
C. केन्द्र सरकार
D. राज्य सरकार

36. अ. जा. अ. की धारा- 23 के तहत केन्द्र सरकार द्वारा बनाया गया नियम संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष कितनी अवधि के लिये रखा जायेगा?
A. 10 दिन
B. 20 दिन
C. 30 दिन
D. 40 दिन

37. अधिनियम की धारा- 10 के अंतर्गत माप एवं फोटो लेने का कार्य है?
A. न्यायाधीश का
B. दण्डाधिकारी का
C. पुलिस अधिकारी का
E. उपरोक्त सभी का

38. 'अत्याचार' को अधिनियम की किस धारा में परिभाषित किया गया है?
A. 2 (i) (a)
B. 3 (2) (b)
C. 3 (c) (iii)
D. 3 (2) (d)

39. अनुसूचित जाति और नियमावली 1995 के नियम 12 (4) के अन्तर्गत किसी लैंगिक शोषण के अत्याचार से पीड़ित महिला के लिये क्षतिपूर्ति की राशि निधारित है?
A. 25,000
B. 30,000
C. 50,000
D. 75,000

40. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अधिनियम 1989 की धारा-5 में यदि किसी व्यक्ति को पश्चात्वर्ती अपराध में दंडित किया जाता है तो ऐसे पश्चात्वर्ती अपराध के लिये कम से कम कितने कारावास की अवधि होगी?
A. 3 माह
B. 6 माह
C. 1 वर्ष
D. 3 वर्ष

41. अ. जा. अ. का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का सरकार का कर्तव्य किस धारा में उल्लेखित है?
A. धारा- 20
B. धारा- 21
C. धारा- 22
D. उपरोक्त कोई नहीं

42. अनुसूचित जाति व जनजातियों की परिभाषा संविधान के किस अनुच्छेद में दी गई है?
A. अनुच्छेद- 364
B. अनुच्छेद- 365
C. अनुच्छेद- 366
D. अनुच्छेद- 367

43. अनु. जा. अ. की किस धारा में कतिपय व्यक्तियों की सम्पत्ति का समपहरण का प्रावधान है?
A. धारा- 6
B. धारा- 7
C. धारा- 8
D. धारा- 9

44. अ. जा. अ. की किस धारा में राज्य सरकार की सामूहिक जुर्माना अधिरोपित करने की शक्ति का वर्णन है?
A. धारा- 13
B. धारा- 14
C. धारा- 15
D. धारा- 16

45. अ. जा. अ. का कौनसा अध्याय "अत्याचार के अपराध" से संबंधित है?
A. अध्याय- 1
B. अध्याय- 2
C. अध्याय- 3
D. अध्याय- 4

46. अ. जा. अ. के अन्तर्गत धारा- 10 अधीन आदेश के अनुपालन के लिये शास्ति का उल्लेख है?
A. धारा- 13
B. धारा- 14
C. धारा- 15
D. धारा- 16

47. अ. जा. अ. का कौनसा अध्याय "निष्कासन" से संबंधित है?
A. अध्याय- 1
B. अध्याय- 2
C. अध्याय- 3
D. उपरोक्त कोई नहीं

(1) D (2) B (3) C (4) D
(5) C (6) B (7) C (8) D
(9) C (10) A (11) A (12) C
(13) B (14) C (15) C (16) B
(17) D (18) D (19) C (20) A
(21) C (22) D (23) B (24) C
(25) D (26) A (27) D (28) D
(29) C (30) A (31) D (32) C
(33) C (34) C (35) D (36) C
(37) C (38) A (39) C (40) C
(41) B (42) C (43) B (44) D
(45) B (46) A (47) C

- सविता रघुवंशी
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित विषयों पर लेखन करती हैं)

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी

पद का नाम - असिस्टेंट (एडमिन), मशीन मैकेनिक, असिस्टेंट (फाइनेंस और अकाउंट), असिस्टेंट वार्डन, स्टेनोग्राफर ग्रेड-III, नर्स, जूनियर असिस्टेंट, लैब असिस्टेंट, लाइब्रेरी असिस्टेंट
पदों की संख्या - 30
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 27 मार्च 2024
वेबसाइट - https://www.nift.ac.in/patna/careers

भारत पर्यटन विकास निगम लिमिटेड

पद का नाम - सहायक प्रबंधक (सूचना प्रौद्योगिकी, सिविल, समारोह, होटल प्रचालन, एआईटीडी, निगम विपणन, शेफ)
पदों की संख्या - 19
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 27 मार्च 2024
वेबसाइट - https://itdc.co.in/

राजस्व विभाग, भारत सरकार

पद का नाम - न्यायिक सदस्य, तकनीकी सदस्य (केंद्र), तकनीकी सदस्य (राज्य)
पदों की संख्या - 96
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 31 मार्च 2024
वेबसाइट - https://www.dor.gov.in/

बड़ौदा ग्लोबल शेयर्ड सर्विसेज लिमिटेड

पद का नाम – एमआईएस/शिकायत प्रबंधन, बिक्री कार्यपालक (एचएल/एएल/ईएल/एग्री लोन), सहायक/उप-प्रबंधक (सीए क्वालिफाइड), डेस्कटॉप सहयोग, उप प्रबंधक-विधिक, रीकनसिलिएशन मैनेजर, पीएचपी डेवलपर, डायलर/क्यूए
पदों की संख्या - उल्लेखित नहीं
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 31 मार्च 2024
वेबसाइट – https://www.bgss.in/

आयुध निर्माणी बडमाल

पद का नाम – नियत अवधि आधारित डीबीडब्ल्यू
पदों की संख्या - 82
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 30 मार्च 2024
वेबसाइट – https://ddpdoo.gov.in/units/OFBOL

नालको

पद का नाम – ग्रेजुएट इंजीनियर प्रशिक्षु (मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इंस्ट्रूमेंटेशन, धातुकर्म, केमिकल, रसायन विज्ञान)
पदों की संख्या - 277
योग्यता - पदानुसार (गेट - 2023 के माध्यम से भर्ती)
अंतिम तिथि - 02 अप्रैल 2024
वेबसाइट – https://nalcoindia.com/

राष्ट्रीय पशु जैव प्रौद्योगिकी संस्थान

पद का नाम - सेवा एवं रखरखाव इंजीनियर, क्लर्क
पदों की संख्या - 3
योग्यता - सेवा एवं रखरखाव इंजीनियर के लिए मान्यता प्राप्त संस्थान/विश्वविद्यालय से सिविल/इलेक्ट्रिकल/मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक, क्लर्क के लिए मान्यता प्राप्त संस्थान/विश्वविद्यालय से 10+2, टाइपराइटिंग अंग्रेजी 35 शब्द प्रति मिनट के साथ/हिन्दी लोअर 30 शब्द प्रति मिनट
अंतिम तिथि - 22 मार्च 2024
वेबसाइट - https://www.niab.res.in/

हिमाचल प्रदेश को-ऑपरेटिव बैंक

पद का नाम - जूनियर क्लर्क
पदों की संख्या - 232
योग्यता - उम्मीदवार ने हिमाचल प्रदेश के किसी स्कूल/संस्थान से 10वीं, 12वीं किया हो। साथ ही ग्रेजुएट होना जरूरी है। उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 45 वर्ष हो।
अंतिम तिथि - 31 मार्च 2024
वेबसाइट - https://www.hpscb.com/

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड

पद का नाम - ट्रेनी इंजीनियर
पदों की संख्या - 100
योग्यता - संबंधित क्षेत्र में बीई, बीटेक की डिग्री, गेट 2023 का स्कोर कार्ड।
अंतिम तिथि - 29 मार्च 2024
वेबसाइट - www.thdc.co.in

पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पद का नाम - असिस्टेंट सब स्टेशन अटेंडेंट, टेस्ट मैकेनिक
पदों की संख्या - 433
योग्यता - असिस्टेंट सब-स्टेशन अटेंडेंट के लिए 12वीं पास, इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में डिप्लोमा या आईटीआई (इलेक्ट्रीशियन) और टेस्ट मैकेनिक के लिए 10वीं पास या डिप्लोमा इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग।
अंतिम तिथि - 26 मार्च 2024
वेबसाइट - https://pspcl.in/Pspcl.aspx

एडमिशन अलर्ट

भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु

पाठ्यक्रम का नाम - अनुसंधान कार्यक्रम (पीएचडी/एमटेक), पाठ्यक्रम कार्यक्रम (एमटेक/एम डिजाइन/एम प्रबंधन), एकीकृत पीएचडी कार्यक्रम, एमएससी कार्यक्रम और बाह्य पंजीकरण कार्यक्रम (पीएचडी/एमटेक)
योग्यता - पाठ्यक्रमानुसार
अंतिम तिथि - 22 मार्च 2024
वेबसाइट - https://www.iisc.ac.in/

स्कॉलरशिप

आंत्रप्रेन्योरशिप वर्ल्ड कप 2024

किनके लिए - स्टार्टअप के लिए
योग्यता - अगर आपका स्टार्टअप कोई वैश्विक संकट का समाधान निकाल रहा है तो आप आवेदन कर सकते हैं। इसके तहत दुनियाभर के आंत्रप्रेन्योर के लिए सपोर्ट प्रोग्राम चलाए जाते हैं। इसमें स्टार्टअप्स को कोचिंग और ट्रेनिंग दी जाती है।
क्या मिलेगा - पहले चरण के विजेता को 83.41 लाख रुपए, दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाले प्रतिभागी को क्रमशः 62, 50 और 38 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा।
अंतिम तिथि - 1 अप्रैल 2024
वेबसाइट - https://oyaop.com/

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

एआई की नई तकनीक संग बनाइए अच्छा कॅरियर

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुए आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

इस समय देश ही नहीं दुनिया के कम्प्यूटर साइंस सेक्टर में कॅरियर की ऊंचाइयों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने चमकीले पंख लगा दिए हैं। जहां इस समय भारत के विभिन्न उद्योग-कारोबार में एआई को तेजी से अपनाया जा रहा है, वहीं दुनिया के कोने-कोने में उद्योग-कारोबार सहित जीवन के हर क्षेत्र में एआई की प्रभावी भूमिका बढ़ती जा रही है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि एआई और जेनरेटिव एआई के आने से टेक्नोलॉजी की दुनिया तेजी से बदल रही है तथा इसे अपनाने के लिए लगातार विभिन्न कंपनियां तेजी से आगे आ रही हैं। इससे उनके खर्चों में भारी कमी आएगी, वहीं काम कहीं ज्यादा आसान हो जाएगा। टेक स्टाफिंग साल्यूशन कंपनी टीमलीज डिजिटल की एक सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक इस समय एआई की बढ़ती जरूरत के मद्देनजर 37 प्रतिशत से अधिक कंपनियां अपने कर्मचारियों को इस तकनीक में कुशल बनाने पर जोर दे रही हैं।

भारत बनेगा एआई का हब और बढ़ेंगे कॅरियर के अवसर

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के महत्व को ध्यान में रखते हुए भारत को एआई हब के रूप में विकसित करने की रणनीति आगे बढ़ाई गई है। सरकार नई पीढ़ी को आईटी की नए दौर की शिक्षा, तकनीकी जरूरतों और इंडस्ट्री की अपेक्षाओं के अनुरूप एआई, वर्चुअल रियल्टी, रोबोटिक प्रोसेस, ऑटोमेशन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, बिग डाटा एनालिसिस, क्लाउड कम्प्यूटिंग, ब्लॉक चेन जैसे क्षेत्रों में कुशल बनाने के लिए बड़ा निवेश भी कर रही है।

एआई का तेजी से बढ़ता बाजार

निःसंदेह एआई की बढ़ती उपयोगिता के कारण इसका बाजार आकार बढ़ता जा रहा है। आईओटी एनालिटिक्स की जेनरेटिव एआई मार्केट रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2032 तक एआई सॉफ्टवेयर और इसकी सेवाओं का बाजार कई गुना बढ़ जाएगा। इंडिया ब्रांड इक्विटी फाउंडेशन (आईबीईएफ) सहित विभिन्न आईटी रिसर्च संगठनों की रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय आईटी सेक्टर की आय वर्ष 2025 तक बढ़ते हुए 350 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच सकती है। इसमें एआई की अहम भूमिका होगी। हाल ही में 7 मार्च, 2024 को केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय एआई (आर्टिफिशल इंटेलिजेंस) मिशन के लिए 10,371.92 करोड़ रुपये का पैकेज मंजूर किया है। इसके तहत प्रासंगिक स्टार्टअप में निवेश के साथ ही शैक्षणिक संस्थानों को अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) में सहयोग के लिए निश्चित राशि भी निर्धारित की गई है। इसमें नए प्लेटफॉर्मों की स्थापना भी शामिल है जो स्वास्थ्य सेवा, कृषि और प्रशासन जैसे क्षेत्रों के लिए प्रमुख भारतीय भाषाओं को कवर करने वाले डेटासेट पर प्रशिक्षित युवाओं को आगे बढ़ाएंगे।

एआई में तेजी से बढ़ रहे हैं कॅरियर के विकल्प

वर्तमान दौर एआई स्किल्स का दौर है। इस समय एआई स्किल्स को सीखने के बाद स्टूडेंट्स एआई डेवलपर, मशीन लर्निंग इंजीनियर, डाटा साइंटिस्ट, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग इंजीनियर, रोबोटिक प्रोग्रामर, फेस रिकग्निशन सॉफ्टवेयर डेवलपर एवं डीप लर्निंग इंजीनियर जैसे कई तरह के अच्छे कॅरियर बना सकते हैं। एआई विशेषज्ञता से कम्प्यूटर और आईटी सेक्टर में रोज़गार व स्वरोज़गार के चमकीले मौके हैं। देश और दुनिया की आईटी कंपनियां में, सॉफ्टवेयर इंजीनियर, भारतीय थल सेना, वायु सेना, नौ सेना में कम्प्यूटर विशेषज्ञ, बैंक, रेलवे, इंश्योरेंस तथा अन्य शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं निजी उपक्रमों में एआई कम्प्यूटर विशेषज्ञ, कम्प्यूटर मल्टीमीडिया के तहत ऑडियो, वीडियो, टेक्स्ट, ग्राफिक्स, एनिमेशन विशेषज्ञ, कॉल सेंटर ऑपरेटर, वॉइस मेल ऑपरेटर, स्टॉक मार्केट में कम्प्यूटर प्रोग्रामर, टेक्स रिटर्न सेवा कम्प्यूटर एक्सपर्ट, जैसे विभिन्न क्षेत्रों के साथ-साथ एआई दक्षता के साथ आउटसोर्सिंग करके विदेशों में भी अपनी सेवाएं प्रदान करके शानदार कॅरियर बनाया जा सकता है।

एआई सेक्टर में तेजी से बढ़ रही है विशेषज्ञ प्रोफेशनल्स की मांग

टीमलीज डिजिटल की रिपोर्ट के मुताबिक देश में एआई सेक्टर में इस समय 45 हजार से ज्यादा रिक्तियां हैं। जहां फ्रेशर एआई प्रोफेशनल्स को अच्छा शुरुआती पैकेज है, वहीं अनुभवी एआई प्रोफेशनल्स के लिए आकर्षक सालाना पैकेज है। चूंकि भारत दुनिया की तीसरी बड़ी डिजिटल इकोनॉमी है, अतएव एआई एक्सपर्ट के लिए विभिन्न कंपनियों ने नए डिजिटल अवसर पैदा किए हैं। देश और दुनिया की ज्यादातर कारोबारी गतिविधियां अब ऑनलाइन हो गई हैं। चूंकि आने वाले वर्षों में एआई और इसके टूल्स का उपयोग तेजी से बढ़ने वाला है। ऐसे में इन टूल्स और सॉफ्टवेयर को बनाने वाले एआई डेवलपर्स की मांग भी बढ़ेगी। यह बात महत्वपूर्ण है कि स्वयं को एआई इनेबल्ड बना लेने पर उसका सारा काम सॉफ्टवेयर करेंगे। जब मशीनें प्रोग्रामिंग और कोडिंग के अनुसार वह काम करने लगती हैं, तो वहां गलतियों की गुंजाइश कम होती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2032 तक एआई सॉफ्टवेयर डेवलपर्स की करीब 26 फीसदी मांग बढ़ने की प्रचुर संभावनाएं हैं। निश्चित रूप से एआई की नई बदलती तकनीक के साथ स्वयं को अपडेट रखते हुए ऐसे पेशेवर कॅरियर की ऊंची सीढ़ियां चढ़ सकते हैं।

एआई कॅरियर की जरूरी स्किल्स

एआई कॅरियर की जरूरी स्किल्स में कम्प्यूटर और आईटी सेक्टर के साथ-साथ कोडिंग स्किल्स में पूर्ण रुचि व दक्षता जरूरी है। इस सेक्टर में कॅरियर बनाने के लिए गणित, विज्ञान और अंग्रेजी में दक्षता जरूरी है। कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग में विशेष रुचि लगातार लम्बे समय तक घंटों सिटिंग, अच्छा शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य, तर्कशील सोच, सकारात्मक रुख, निरंतर पढ़ने की ललक जैसी स्किल्स जरूरी हैं। स्टूडेंट सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट से संबंधित उपयुक्त कोर्स करके भी एआई कौशल को निखार सकते हैं। जरूरी है कि उन्हें कोडिंग पसंद हो और जो कोडिंग कर सकते हों। इतना ही नहीं इस तकनीक को सीखने के लिए किसी डिग्री की भी बाध्यता नहीं है। कोई भी इसे सीख सकता है, चाहे वह तकनीकी क्षेत्र से हो या गैर-तकनीकी से, लेकिन कम्प्यूटर दक्षता का आधार जरूरी है।

एआई सेक्टर में अच्छे कॅरियर के लिये योग्यताएं

सामान्यतया 12वीं तक गणित विषय लेने वाले छात्रों के लिए सूचना प्रौद्योगिकी और कम्प्यूटर क्षेत्र में अधिक अवसर मौजूद हैं। एआई में कॅरियर के लिए बीटेक/बीई इन कम्प्यूटर, बीटेक/बीई इन आईटी, बीसीए, बीएससी कम्प्यूटर साइंस, एमटेक/एमई कम्प्यूटर साइंस, एम टेक/एमई इन आईटी, एमसीए, एमएससी कम्प्यूटर साइंस जैसी डिग्रियों के साथ एआई की विशेषताओं की अहमियत है। एआई आधारित पृथक कोर्स भी विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में उपलब्ध हैं। जेई मेन्स और एडवांस परीक्षाओं के माध्यम से आईआईटी, एनआईटी सहित देश के अच्छे इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश लेकर एआई संग अच्छा कॅरियर बनाया जा सकता है। जीआरई देकर विदेश की किसी अच्छी यूनिवर्सिटी से एआई विशेषज्ञता के साथ एमएस की डिग्री प्राप्त करके एआई कॅरियर को ऊंचाई दी जा सकती है। कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म भी एआई से संबंधित शार्ट टर्म कोर्स करा रहे हैं, जिन्हें आसानी से ऑनलाइन भी किया जा सकता है।

कैसे बनाएं एआई में कॅरियर

यदि आपकी रुचि, योग्यता व क्षमता एआई आधारित कोडिंग प्रोग्रामिंग में हो, आप में कल्पनाशीलता का प्रयोग करने की क्षमता हो, तो आप एआई के क्षेत्र में स्वयं को अच्छे कॅरियर के लिए आगे बढ़ा सकते हैं। चूंकि अभी यह नई तकनीक है, इसलिए इस तकनीक में कुशल युवा बहुत ज्यादा बाजार में नहीं हैं। ऐसे में अभी इस क्षेत्र में कॅरियर की ऊंची संभावनाएं हैं। देश के कोने-कोने में एआई विशेषज्ञता के साथ कम्प्यूटर तथा आईटी की शिक्षा देने वाले अनेक गुणवत्तापूर्ण संस्थान हैं इनमें आईआईटी, एनआईटी सहित देश के प्रमुख इंजीनियरिंग कॉलेज शामिल हैं। देश के कई विश्वविद्यालयों में भी एआई संग कम्प्यूटर साइंस व आईटी के डिपार्टमेंट हैं। ऐसे में आप उपयुक्तता के अनुरूप अच्छे विश्वसनीय संस्थान का चयन करके नई एआई विशेषज्ञता के साथ कॅरियर की डगर पर कॅरियर के चमकीले मौकों को मुट्ठियों में लेने के लिए आगे बढ़ सकते हैं।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक, कॅरियर मार्गदर्शन के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

23 मार्च बलिदान दिवस

भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव का बलिदान युवाओं के लिये बना प्रेरणा

भारतीय स्वाधीनता संग्राम में ऐसे बलिदानी हुए हैं, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन और प्राणों का देश के लिये बलिदान दिया साथ ही युवा पीढ़ी को स्वाभिमान और संघर्ष की प्रेरणा भी दी। क्रांतिकारी सरदार भगतसिंह, राजगुरु और सुखदेव ऐसे ही बलिदानी थे। 23 मार्च को हुए इनके बलिदान की प्रतिक्रिया पूरे देश में हुई थी। इन क्रांतिकारियों का पूरा जीवन राष्ट्र के स्वत्व, स्वाभिमान और सांस्कृतिक चेतना के लिये समर्पित रहा। जब ये महान क्रांतिकारी बलिदान हुए तब भगतसिंह और सुखदेव की आयु तेइस साल और राजगुरु की आयु बाईस साल थी। वे इतनी कम आयु में ऐसा आंदोलन आरंभ करके संसार से विदा हुए जिसकी गूंज लंदन तक हुई। इन तीनों के परिवार और परिवेश की पृष्ठभूमि ऐसी थी कि किशोरवय से ही उनका रुझान स्वाधीनता आंदोलन की ओर हो गया था। बालवय में इनकी शिक्षा आर्यसमाज के विद्यालयों में हुई थी। उन दिनों इन विद्यालयों में निर्धारित पाठ्यक्रम के अतिरिक्त स्वाभिमान और सांस्कृतिक महत्व का संदेश भी दिया जाता था।

दासत्व के अंधकार की सबसे लंबी रात्रि देखी

पंजाब, राजस्थान और उत्तरप्रदेश के युवाओं में स्वाधीनता आंदोलन के प्रति रुझान का एक बड़ा कारण ये विद्यालय भी रहे। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और बलिदानी लाला लाजपत राय भी आर्यसमाज से जुड़े थे। यह सही है कि भारत ने दासत्व के अंधकार की सबसे लंबी रात्रि देखी है, लेकिन भारतीयों के स्वत्व का संघर्ष हर स्तर पर हुआ। लाखों प्राणों का बलिदान हुआ और परिवारों ने प्रताड़ना सही। संघर्ष की लंबी गाथा में गांधी जी ने अहिसंक आंदोलन का एक नया अध्याय जोड़ा, किन्तु चौरी-चौरा कांड के बाद आंदोलन वापस लेने की घोषणा कर दी। जिससे युवाओं में बैचेनी हुई और युवाओं की टोलियां पुनः सशस्त्र आंदोलन की ओर मुड़ गईं युवाओं का यह क्रांतिकारी आंदोलन देश के हर कोने में आरंभ हुआ। समय के साथ ऐसे क्रांतिकारी युवाओं में परस्पर समन्वय स्थापित हुआ। पंजाब से बंगाल तक क्रांतिकारी युवाओं की टोलियों ने उन अंग्रेज अधिकारियों को निशाना बनाने लगीं जो भारतीयों पर क्रूरतम व्यवहार के लिये कुख्यात थे। पंजाब में क्रांतिकारी आंदोलन की कमान सरदार भगत सिंह और उनकी टोली के हाथ में थी तो उत्तरप्रदेश सहित मध्यभारत की कमान चंद्रशेखर आजाद के हाथ में और बंगाल की कमान क्रांतिकारी सूर्यसेन के हाथ में थी। इन आंदोलनकारियों का संपर्क पूरे देश में था और परस्पर संपर्क सूत्र भी थे। पंजाब में क्रांतिकारी आंदोलन की टोली लाला लाजपत राय से जुड़ी थी तो उत्तरप्रदेश में गणेश शंकर विद्यार्थी से और बंगाल में सुभाषचंद्र बोस से।

काकोरी, असेंबली बम धामाका और शास्त्रागार की लूट

पंजाब, उत्तरप्रदेश और बंगाल में इस टोली ने अंग्रेजों को भारत से बाहर करने के लिये अनेक अभियानों को अंजाम दिया। इसी दौरान चार ऐसी बड़ी घटनाएं घटीं जिससे लंदन तक को हिला दिया। ये घटनाएं थीं काकोरी अभियान, सांडर्स वध, चटगांव शस्त्रागार अभियान की और असेंबली बम कांडा काकोरी अभियान का नेतृत्व क्रांतिकारी रामप्रसाद बिस्मिल ने किया तो, चटगांव में सरकारी शस्त्रागार को प्राप्त करने की योजना का नेतृत्व क्रांतिकारी सूर्यसेन ने, जबकि सॉन्डर्स वध और, असेंबली बम कांड की योजना क्रांतिकारी सरदार भगतसिंह की थी। इन घटनाओं के बाद पूरी ब्रिटिश सरकार हिल गई थी। वह पूरी ताकत से क्रांतिकारी आंदोलन का दमन करने में लग गई। यह अभियान पूरे देश में चला। सरदार भगतसिंह की टोली से अंग्रेज सरकार सर्वाधिक आशंकित थी और इस टोली के दमन के लिये विशेष अभियान चला। इस टोली के प्रति जन सामान्य में कितना समर्थन था और अंग्रेज सरकार कितनी आशंकित थी इसका अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि तीनों क्रांतिकारियों को फांसी देने की तिथि 24 मार्च निर्धारित थी, लेकिन एक दिन पहले 23 मार्च को ही फांसी दे दी गई थी। सॉन्डर्स और चानन सिंह वध अंग्रेजी सत्ता उखाड़ फेकने के संकल्प के साथ क्रांतिकारी आंदोलन पूरे देश में आरंभ हो गया था। सरदार भगतसिंह अपने छात्र जीवन से ही इन गतिविधियों से जुड़ गए थे। पर जिन दो बड़ी घटनाओं से उनका सीधा-सीधा नाम जुड़ा उनमें पहली है सॉन्डर्स और चानन सिंह वधा इस घटना की नींव साइमन कमीशन के भारत आने पर पड़ी।

साइमन कमीशन का भारत में प्रवेश

अंग्रेजी सरकार ने स्वतंत्रता संग्राम का दबाव कम करने के लिये कोई बीच का रास्ता निकालने का मार्ग बनाया और विभिन्न पक्षों से बात करने के लिए एक दल भारत भेजा। इस दल के मुखिया साइमन थे इसलिए इसे 'साइमन कमीशन' के नाम से जाना गया। यह दल 1928 में भारत आया। अक्टूबर 1928 को पंजाब पहुंचा। दल का विरोध किया गया। स्वतंत्रता सेनानियों का तर्क था कि इसमें कोई भारतीय प्रतिनिधि नहीं है। अंग्रेज सरकार के प्रयास से यह दल भारत के विभिन्न स्थानों पर जाकर विभिन्न संगठनों से मिलने लगा। अक्टूबर को यह कमीशन लाहौर पहुँचा। प्रदर्शन आरंभ हुए। 30 अक्टूबर को प्रदर्शन का नेतृत्व लाला लाजपत राय ने किया। जुलूस पर लाठीचार्ज हुआ। दो अंग्रेज अफसरों ने लाजपत राय को लक्ष्य बनाकर बुरी तरह पीटा। लालाजी गंभीर रूप से घायल हुए और इन्हीं चोटों के कारण 17 नवंबर, 1928 को उनका निधन हो गया। लाला लाजपत राय, सरदार भगतसिंह सहित पंजाब के सभी क्रांतिकारियों के आदर्श थे।

हत्या के बाद हुई थी गिरफ्तारी

क्रांतिकारियों ने लालाजी की इस क्रूरतापूर्ण मृत्यु के लिये पंजाब पुलिस उप अधीक्षक सॉन्डर्स और एक अन्य पुलिस अधिकारी को जिम्मेदार माना और बदला लेने का प्रण किया। क्रांतिकारी चन्द्रशेखर आजाद, सरदार भगतसिंह और अन्य ने मिलकर योजना बनाई। दोनों अधिकारियों की गतिविधियों का अध्ययन करने के लिये टीम जुटाई और दोनों को दंडित करने के लिये 17 दिसम्बर, 1928 का दिन निश्चित हुआ। निर्धारित तिथि और समय पर सभी क्रांतिकारी एकत्र हुए और सभी ने अपना अपना मोर्चा संभाल लिया। इस टोली में चंद्रशेखर आजाद, सरदार भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू समेत कोई छः क्रांतिकारी थे। कुछ अन्य आसपास एकत्र थे ताकि सबको सुरक्षित निकाला जा सके। सामान्यतया ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जॉन सॉन्डर्स और उप पुलिस अधीक्षक जेम्स साथ-साथ निकला करते थे। लाला लाजपत राय की पिटाई का आदेश सॉन्डर्स ने दिया था और सॉन्डर्स ने लाठियां चलाई थीं। इसलिये दोनों को मारने का निर्णय हुआ था। पर उस दिन अकेला सॉन्डर्स निकला। राजगुरू ने गोली चलाई, निशाना सटीक लगा और सॉन्डर्स ढेर हो गया। सॉन्डर्स को मारने के बाद सिपाही चानन सिंह ने पीछा किया। उसे भी गोली मारकर ढेर कर दिया गया और सभी क्रांतिकारी सुरक्षित निकल गये बाद में इस प्रकरण में कई लोग गिरफ्तार हुए।

दिल्ली असेंबली बम कांड

8 अप्रैल, 1929 को दिल्ली असेंबली में हुए बम कांड का उद्देश्य किसी को नुकसान पहुंचाना नहीं था। यह जन जागरण के लिये किया गया था, लेकिन इसकी गूंज पूरी दुनिया में हुई। सरदार भगतसिंह और बटुकेश्वर दत्त की जोड़ी ने कम तीव्रता एवं तेज आवाज करने वाले बम फेंके और 'इंकलाब जिंदाबाद' के नारे लगाये। बम से निकले धुंए से पूरा हाल भर गया था। भगदड़ मची, उसमें कई लोग घायल भी हुए। दोनों क्रांतिकारी बम फेंकने के बाद नारे लगाते हुए बाहर आये। और आत्मसमर्पण कर दिया। इन्होंने वहां पर्चे भी फेंके, जिसका प्रथम वाक्य था - 'बहरों को सुनाने के लिये विस्फोट के बहुत ऊंचे शब्द की आवश्यकता होती है'। बाद में चले मुकदमे के दौरान क्रांतिकारियों ने कहा था कि सरकार दिल्ली की असेंबली में 'पब्लिक सेफ्टी बिल' और 'ट्रेड डिस्प्यूट्स बिल' लाने की तैयारी में थी। ये बहुत ही दमनकारी क़ानून थे और सरकार इन्हें पास करने जा रही था। इस बिल का उद्देश्य क्रांति के आरंभिक काल में दमन करना था। इसे रोकने और इसके प्रति जन सामान्य को जाग्रत करने के उद्देश्य से ये बम फेकने गये थे।

क्रांतिकारी भगत सिंह

सुप्रसिद्ध क्रांतिकारी सरदार भगतसिंह का जन्म 27 सितंबर, 1907 को पंजाब के लायलपुर जिला अंतर्गत बंगा गांव में

हुआ था। यह क्षेत्र अब पाकिस्तान में है। पिता किशन सिंह सिक्ख पंथ से संबंधित थे, लेकिन आर्यसमाज से भी जुड़े थे। माता विद्यावती धार्मिक प्रवृत्ति की स्वाभिमानी महिला थीं। यह प्रभाव सभी बच्चों पर पड़ा। सरदार भगतसिंह सात बहन भाइयों में दूसरे क्रम पर थे। बाल्यावस्था में भगतसिंह की शिक्षा गांव के ही विद्यालय में हुई और आगे की शिक्षा के लिये लाहौर के दयानंद एंग्लो-वैदिक विद्यालय पढ़ने भेजे गये और महाविद्यालयीन शिक्षा के लिये 1923 में लाहौर के नेशनल कॉलेज में प्रवेश लिया। इस महाविद्यालय की स्थापना लाला लाजपत राय ने की थी। इस महाविद्यालय की शिक्षा पूरी तरह भारतीय स्वत्व आधारित थी। किशोरवय भगतसिंह का जो आधार स्कूल में अंकुरित हुआ था वह इस महाविद्यालय में पल्लवित हुआ। यह महाविद्यालय क्रांतिकारी आंदोलन का एक प्रकार से मिलन केन्द्र था। अपने परिवार की पृष्ठभूमि और विद्यालय की आरंभिक शिक्षा से स्वत्व के जिस विचार ने आकार लिया उसका क्रियान्वयन इसी महाविद्यालय में हुआ। इस महाविद्यालय में एक ओर उनका संपर्क देशभर के क्रांतिकारियों से बना और दूसरी ओर लाला लाजपत राय के निर्देशन में स्वाधीनता संघर्ष में भाग लेने का अवसर मिला।

क्रांतिकारी राजगुरु

23 मार्च को बलिदान होने वाले दूसरे क्रांतिकारी राजगुरु थे। उनका पूरा नाम शिवराम हरि राजगुरु था। उनका जन्म सन्

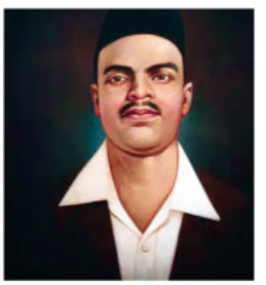

1908 में महाराष्ट्र के पुणे जिला अंतर्गत खेड़ा गांव में हुआ था। परिवार भारतीय परंपराओं और संस्कृतनिष्ठ था। इसलिये बाल्यावस्था में ही विद्याध्ययन के लिये बनारस भेजे गये। जहां संस्कृत और वेद सहित हिन्दू धर्म ग्रंन्थों का अध्ययन किया। उनकी स्मरण शक्ति अद्भुत थी। एक बार जो पढ़ लेते वह कंठस्थ हो जाता वे योगाभ्यास और व्यायाम नियमित करते थे। वे औसत कद काठी के थे पर नियमित अभ्यास से चुस्ती, बल बुद्धि अद्वितीय थी। पुणे की पृष्ठभूमि के कारण शिवाजी महाराज उनके आदर्श थे। वाराणसी में विद्याध्ययन के दौरान ही उनका सम्पर्क क्रान्तिकारियों से हुआ। इसमें चन्द्रशेखर आजाद भी थे। राजगुरु आजाद की हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी से जुड़ गये। यहीं इनका परिचय सरदार भगत सिंह और यतीन्द्रनाथ दास आदि से बना और एक टोली बन गई। राजगुरु एक अच्छे निशानेबाज थे। सॉन्डर्स वध में इन्होंने भगत सिंह तथा सुखदेव का साथ दिया था जबकि चन्द्रशेखर आजाद ने इन तीनों को सामरिक सुरक्षा (कवर) प्रदान की थी।

क्रांतिकारी सुखदेव

सुप्रसिद्ध क्रांतिकारी सुखदेव का पूरा नाम सुखदेव थापर था। उनका जन्म पंजाब प्रांत के लुधियाना नगर में 15 मई,

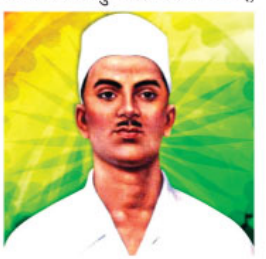

1907 को हुआ था। पिता रामलाल थापर व माता रल्ला देवी भारतीय संस्कारों के प्रति समर्पित थे। इनका पालन पोषण ताऊ अचिन्तराम की देखरेख में माता ने किया था। अचिन्तराम जी भी आर्यसमाज से जुड़े थे। इसलिये सुखदेव में संस्कार, स्वत्व और स्वाभिमान का भाव बचपन से जाग्रत हुआ। इनकी आरंभिक शिक्षा लुधियाना में हुई और महाविद्यालयीन शिक्षा के लिये लाहौर के नेशनल कालेज भेजे गये। यहीं उनकी भेंट क्रांतिकारी भगतसिंह और अन्य क्रांतिकारियों से हुई और जब लाला लाजपत राय के बलिदान का प्रतिशोध लेने के लिये टोली बनी तो वे इसमें सहभागी हो गये। यही नहीं 1929 में कैदियों के साथ होने वाले अमानवीय व्यवहार के विरोध में की गयी व्यापक हड़ताल में भी भाग लिया।

मुकदमे चले

भगत सिंह और राजगुरु ने अपना वेश बदला। भगतसिंह ने अपनी दाड़ी और बाल कटवाए और टोपी पहन ली, उन्हें सुरक्षित निकाला दुर्गा भाभी ने। दोनों एक महाजन पति-पत्नी के जोड़े के वेश में और हाथ में बच्चा लेकर लाहौर से रवाना हुए जबकि राजगुरु ने उनके नौकर के रूप में उनका सामान उठाया। तीनों पहले कानपुर आये वहां से ट्रेन बदलकर लखनऊ पहुंचे। लखनऊ से राजगुरु बनारस के लिए और भगतसिंह एवं दुर्गा भाभी हावड़ा रवाना हुए। कुछ दिन कलकत्ता रहकर वापस लाहौर लौट आये।

अन्य गतिविधियों के साथ दिल्ली असेंबली में बम फेंका और गिरफ्तारी दी। इस घटना की गूंज लंदन तक हुई। पूरे देश में गिरफ्तारियां हुईं और छापे पड़े।

एक दिन पहले फांसी

15 अप्रैल, 1929 को पुलिस ने लाहौर बम फैक्ट्री की खोज की जिसके कारण सुखदेव, किशोरी लाल और जय गोपाल सहित अन्य सदस्य गिरफ्तार हुए। पहले सरदार भगतसिंह और बटुकेश्वर दत्त पर असेम्बली बम कांड का ही मुकदमा था। फिर भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु और अन्य पर सॉन्डर्स की हत्या का आरोप लगाया गया। दिल्ली जेल से लाहौर जेल भेज दिया गया। लाहौर जेल में राजनैतिक कैदियों के साथ अमानुषिक व्यवहार के विरुद्ध भूख हड़ताल आरंभ हुई। इसकी चर्चा देशभर में हुई। सभी क्रांतिकारियों के प्रति जनसमर्थन भी बढ़ा।

पहले असेंबली बम कांड का फैसला आया जिसमें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई और फिर 10 जुलाई, 1929 से सॉन्डर्स वध का मुकदमा शुरू हुआ। इस मुकदमे में सरदार भगतसिंह के अतिरिक्त अन्य क्रांतिकारियों पर सॉन्डर्स और चानन सिंह की हत्या एवं स्कॉट की हत्या की साजिश रचने का मुकदमा चला। इस मुकदमे में तीन क्रांतिकारियों सरदार भगतसिंह, सुखदेव थापर और राजगुरु को फांसी की सजा सुनाई गई। फांसी के लिये 24 मार्च, 1931 की तिथि तय की गई। लेकिन विरोध प्रदर्शन आरंभ हो गये जिन्हें देखते हुए एक दिन पहले 23 मार्च, 1931 को शाम 7 बजकर 33 मिनट पर भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी दे दी गई। तीनों शहीद क्रांतिकारी आज भी देश के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

- रमेश शर्मा

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

विश्व कठपुतली दिवस - 21 मार्च

ऐतिहासिक और कलात्मक सांस्कृतिक विरासत है कठपुतली

समाज में कला का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। कला न केवल मनोरंजन का साधन होती है, बल्कि वह हमें हमारी संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत और विभिन्न पहलुओं से भी अवगत कराती है। विश्व में कई प्राचीन और सांस्कृतिक कलाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं, जितना पहले हुआ करती थीं। ऐसी ही एक अनूठी कला है कठपुतली। कठपुतली कला न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि यह हमें ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूक भी करती है। इसी महत्व को देखते हुए पूरी दुनिया में विश्व कठपुतली दिवस मनाया जाता है।

क्या है कठपुतली

कठपुतली एक प्राचीन रंगमंच कला है। यह हमारी विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस कला का जन्म साहित्य, नाट्य कला, चित्रकला और काष्ठ कला के साथ हुआ। कठपुतलियां नाटकों और लोक नृत्यों के माध्यम से विभिन्न प्राचीन कथाओं और कहानियों का प्रसार करती हैं। यह एक संवादमय कला है, जिसमें किरदारों को गुड़ियों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है। कठपुतलियों ने हमें अपने समाज के मूल्यों, धार्मिक भावनाओं और कहानियों को समझने में मदद की है। कठपुतलियों के निर्माण में उपयोग की जाने वाली सामग्री उन्हें विविधता प्रदान करती है। इसमें लकड़ी, मिट्टी, पेपर मैश और रंगों का उपयोग होता है। कठपुतलियों के माध्यम से हम कई ऐसी रंगमंच प्रस्तुतियां देखते हैं, जो हमें एक अलग दुनिया का अनुभव कराती हैं। कठपुतली कला न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि यह शिक्षा और सांस्कृतिक संचार का एक महत्वपूर्ण अंग भी है। यह कला हमें नैतिक मूल्यों, धार्मिक और मानवीय संबंधों की महत्वपूर्ण सीख देती है।

कब मनाया जाता है विश्व कठपुतली दिवस

हर साल 21 मार्च को विश्व कठपुतली दिवस मनाया जाता है। इस दिन का मुख्य उद्देश्य इस प्राचीन और अनमोल कला को लोगों तक पहुंचाना तथा नई पीढ़ियों को इसके महत्व को समझाना है। यह दिन हमें इस कला के माध्यम से समाज को समृद्ध, जागरूक और समर्थ बनाने के लिए प्रेरित करता है। इस विशेष दिन को मनाकर हम इस कला की महत्वपूर्ण भूमिका को समझ सकते हैं। यह दिन हमें हमारी सांस्कृतिक धरोहर को समझने के लिए प्रेरित करता है। इसके माध्यम से हम अपनी युवा पीढ़ी को अपनी धरोहर के बारे में बता सकते हैं।

क्यों मनाया जाता है यह दिन

गांव के चौराहों पर पारंपरिक कठपुतली शो से लेकर अत्याधुनिक थिएटरों में आधुनिक प्रदर्शन तक विश्व कठपुतली दिवस हर किसी के लिए कुछ न कुछ प्रदान करता है, चाहे वह किसी भी उम्र या पृष्ठभूमि का हो। यह कठपुतली की समृद्ध विरासत का सम्मान करने, कठपुतली कलाकारों और कहानीकारों की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करने का दिन है।

परिवर्तन की ताकत

कठपुतली कला मनोरंजन का एक साधन है। यह प्राचीन काल से आज तक चली आ रही है। हालांकि समय के साथ इसके स्वरूप में परिवर्तन हुआ, लेकिन इसकी लोकप्रियता आज भी बनी हुई है। यह कला न केवल भारत के कोने-कोने तक फैली हुई है, बल्कि विदेशों में भी यह अत्यधिक लोकप्रिय है। अपने विविध आयामों और रंग-रूप में कठपुतली कला न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि यह एक अद्भुत कला-शैली का प्रतीक भी है। प्राचीन समय से ही कठपुतली कला भारतीय साहित्य और संस्कृति के महाकाव्यों, किस्सों और लोक कथाओं को जीवंत करती आई है। पहले यह कला मुख्य रूप से ऐतिहासिक और पौराणिक कथाओं को प्रस्तुत करने के लिए प्रयोग होती थी। लेकिन अब रोमांचक किस्सों के रूप में पृथ्वीराज, हीर-रांझा आदि की कहानियां भी इस कला के द्वारा प्रस्तुत की जाती हैं। समय के साथ-साथ कठपुतली कला में विविधता आती गई। आज इसमें सामाजिक विषयों के साथ-साथ, हास्य-व्यंग्य, ज्ञान संबंधी और मनोरंजक कार्यक्रम भी शामिल हो गए हैं। नई और आधुनिक कथाओं एवं समसामयिक मुद्दों को प्रस्तुत करने के लिए यह एक महत्वपूर्ण माध्यम बन गई है। कठपुतली कला के माध्यम से प्रसारित कथाएं और विचार न केवल मनोरंजन के लिए होते हैं, बल्कि इनका शैक्षणिक महत्व भी होता है। बच्चों के व्यक्तित्व विकास में इसका महत्वपूर्ण योगदान है। यह कला उन्हें सोचने के लिए प्रेरित करती है, उनकी सामाजिक और भावनात्मक बुद्धि को विकसित करती है तथा उन्हें साहित्यिक संदेशों को समझने की क्षमता प्रदान करती है। मनोरंजन मूल्य से परे कठपुतली में सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक मुद्दों पर प्रेरित और शिक्षित करने की शक्ति है। अपने अनूठे कलात्मक प्रदर्शन के जरिए कठपुतली कला जटिल विषयों और विचारों को भी आसान तरीके से समझाने में सक्षम है। कठपुतली का उपयोग पर्यावरण जागरूकता और संरक्षण प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है। इसी तरह कठपुतली को गरीबी, असमानता और मानवाधिकारों के हनन जैसे सामाजिक न्याय के मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए भी किया जाता है। कठपुतली शो का उपयोग बच्चों को बीमारी, आघात और दुख से उबरने में भी मदद कर सकता है।

कठपुतली कला का विकास

कठपुतली कला प्राचीन काल से लेकर आज तक संचार, शिक्षा, मनोरंजन और जागरूकता के साधन के रूप में चली आ रही है। एशिया के नाटकों से लेकर यूरोप के थिएटरों तक कठपुतली सदियों से विकसित हुई है। यह आज भी अपने जादू को बरकरार रखते हुए सांस्कृतिक परिवर्तनों और तकनीकी प्रगति को अपना रही है। माना जाता है कि प्राचीन मिस्र में सबसे पहले कठपुतली कला का विकास हुआ। जहां कई अवसरों पर कठपुतलियों का उपयोग किया जाता था। हालांकि मध्य युग के दौरान कठपुतली पूरे यूरोप में फली-फूली। इस दौरान यह अभिजात वर्ग और आम लोगों दोनों के लिए मनोरंजन का एक लोकप्रिय रूप बन गई। धीरे-धीरे कठपुतली कलाकार एक शहर से दूसरे शहर की यात्रा करने लगे, अलग-अलग जगह कठपुतली कला का प्रदर्शन करने लगे और नई कहानियां बनाई गई। इन कहानियों ने सभी उम्र के दर्शकों को आकर्षित किया। पुनर्जागरण काल में थिएटरों के विकास के साथ कठपुतली कला में और अधिक नवीनता देखी गई। धीरे-धीरे कलाकारों ने सेट, वेशभूषा और कहानी कहने की तकनीक बदली और इसे

अधिक लोकप्रिय बना दिया। जैसे-जैसे दुनिया ने आधुनिक युग में प्रवेश किया रेडियो, टेलीविजन और फिल्म जैसी नई तकनीकों को अपनाते हुए कठपुतली का विकास जारी रहा। इन माध्यमों के उदय के बावजूद कठपुतली ने अपना अनूठा आकर्षण बरकरार रखा और कलात्मकता एवं कल्पना के मिश्रण से दर्शकों को मोहित करना जारी रखा।

प्राचीन ग्रंथों में कठपुतली का उल्लेख

भारत में कठपुतली कला का प्रारंभिक उल्लेख विभिन्न प्राचीन ग्रंथों में मिलता है। पाणिनी के अष्टाध्यायी में पुतला नामक नायक का उल्लेख मिलता है। तमिल ग्रंथ शिल्पादिकारम् में भी इस कला के बारे में जानकारी मिलती है। यह दिखाता है कि कठपुतली कला का इतिहास बहुत प्राचीन है और यह समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है। भारतीय साहित्य में ऐसी कई कथाएं हैं, जो कठपुतलियों के माध्यम से व्यक्त की जाती हैं। सिंहासन बत्तीसी में विक्रमादित्य के सिंहासन की बत्तीस पुतलियों का उल्लेख इसका एक प्रसिद्ध उदाहरण है। इसके अलावा भारत में कठपुतली नृत्य काफी प्रचलित हैं। यह प्राचीन नृत्य कला है, जिसे लकड़ी, धागे, प्लास्टिक या प्लास्टर ऑफ पेरिस की गुड़ियों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है। यह नृत्य विभिन्न किस्सों, प्रेरणादायक कहानियों और विभिन्न सामाजिक संदेशों को अभिव्यक्त करने का एक माध्यम हैं। कठपुतली नृत्य को लोक नाट्य की एक शैली माना जाता है और इसका महत्व आज भी बना हुआ है।

कठपुतलियों के प्रकार

भारत में कठपुतली कला एक अत्यंत समृद्ध और विविध धरोहर है। देश में विभिन्न प्रकार की कठपुतलियां बनाई जाती हैं, जिनमें धागा कठपुतली, छाया कठपुतली, छड़ कठपुतली, दस्ताना कठपुतली और पावाकूथू शामिल हैं। धागा कठपुतलियां विशेष प्रकार की होती हैं, जिनमें धागों का उपयोग होता है। ये काफी लचीली होती हैं और धागों द्वारा संचालित की जाती हैं। राजस्थान, ओडिशा, कर्नाटक और तमिलनाडु में धागा कठपुतली कला काफी प्रसिद्ध है। जबकि छाया कठपुतलियां चपटी होती हैं और चमड़े से बनाई जाती हैं। इन कठपुतलियों का संचालन प्रकाश स्रोत और पर्दे के बीच से किया जाता है। छाया कठपुतलियों की यह परंपरा ओडिशा, केरल, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में प्रचलित है। वहीं दस्ताना कठपुतलियों को भुजा, कर या हथेली कठपुतली भी कहा जाता है। इनके संचालन के लिए पहली उंगली मस्तक पर रखी जाती है और मध्यमा और अंगूठा कठपुतली की दोनों भुजाओं में होता है। ये कठपुतलियां उत्तर प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और केरल में लोकप्रिय हैं। छड़ कठपुतलियां दस्ताना कठपुतलियों का एक विशेष रूप होती है। हालांकि यह उनसे काफी बड़ी होती हैं। इन कठपुतलियों का संचालन नीचे स्थित छड़ों पर आधारित रहता है। पश्चिम बंगाल का पुत्तल नाच छड़ कठपुतली का प्रमुख उदाहरण है। जबकि केरल के पारंपरिक कठपुतली नाटकों को पावाकूथू कहा जाता है। ये कठपुतली नाटक रामायण तथा महाभारत की कथाओं पर आधारित होते हैं।

पूरे विश्व में लोकप्रियता

कठपुतली के सबसे उल्लेखनीय पहलुओं में से एक इसकी विविधता है। कठपुतली की दुनियाभर की संस्कृतियों में विशिष्ट शैलियां और परंपराएं पाई जाती हैं। दक्षिण पूर्व एशिया की छाया (Shadow) कठपुतली से लेकर जापान की बूनराकू (Bunraku) कठपुतली तक प्रत्येक क्षेत्र में इस प्राचीन कला की अपनी अनूठी व्याख्या है। चीन में छाया कठपुतली का एक हजार साल से भी अधिक पुराना समृद्ध इतिहास है। भारत में कठपुतली सदियों से सांस्कृतिक परिदृश्य का एक जीवंत हिस्सा रही हैं। अक्सर लकड़ी, कपड़े या मिट्टी से बनी ये रंगीन कठपुतलियां रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों की कहानियों के साथ-साथ लोक कथाओं और नैतिक दंतकथाओं को प्रदर्शित करने के लिए उपयोग की जाती हैं।

तकनीक ने खोले संभावनाओं के द्वार

कठपुतली की जड़ें परंपरा और इतिहास में बहुत गहरी हैं। यह आधुनिक दुनिया में विकसित और नवीन होती जा रही है। समसामयिक कठपुतली कलाकार कला की सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। नई तकनीकों, सामग्रियों और विषयों के साथ प्रयोग करके मनमोहक प्रदर्शन कर रहे हैं। यह सब आज के दर्शकों को पसंद भी आ रहा है। तकनीकी प्रगति ने कठपुतली कला के लिए नई संभावनाओं को भी खोल दिया है, जिसमें डिजिटल एनीमेशन, रोबोटिक्स और आभासी वास्तविकता को कठपुतलियों के प्रदर्शन में शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा कठपुतली शिक्षा, जागरूकता और सामाजिक परिवर्तन के लिए एक शक्तिशाली उपकरण साबित हुई है। कठपुतली कला का प्रदर्शन सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने, मानसिक स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों को समझाने के लिए किया जा रहा है।

कठपुतली कला का संरक्षण

विश्व कठपुतली दिवस इस कला के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए इसकी समृद्ध विरासत को संरक्षित करने के महत्व की याद भी दिलाता है। सदियों से चली आ रही पारंपरिक तकनीकों, ज्ञान और कौशल की रक्षा करना आवश्यक है। इसलिए कठपुतली कला की विरासत को संरक्षित करने के लिए शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी किए जाते हैं। दुनियाभर के संग्रहालयों, पुस्तकालयों और अनुसंधान संस्थानों में कठपुतलियों, लिपियों, तस्वीरों और अन्य कलाकृतियों का व्यापक संग्रह है। इसके अलावा विभिन्न देशों और पृष्ठभूमि के कठपुतली कलाकारों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा देने की पहल भी सराहनीय है।

पीढ़ियों तक बरकरार रहेगा जादू

विश्व कठपुतली दिवस एक कला के रूप में कठपुतली की परिवर्तनकारी यात्रा की याद दिलाता है। प्राचीन उत्पत्ति से लेकर आधुनिक आविष्कारों तक कठपुतली रचनात्मकता, कल्पना और कहानी कहने के आकर्षक मिश्रण से दुनियाभर के दर्शकों को मोहित और प्रेरित करती रही है। कठपुतली मनोरंजन का एक रूप मात्र नहीं है, यह मानवीय रचनात्मकता, सरलता और कल्पना का उत्सव है। हमारी दुनिया को एकजुट करने, प्रेरित करने और बदलने के लिए कहानी कहने की ताकत का एक प्रमाण। विश्व कठपुतली दिवस न केवल कठपुतली कला की उपलब्धियों और विरासत का जश्न मनाने का समय है, बल्कि उत्साह और आशावाद के साथ भविष्य की ओर देखने का भी अवसर है। हमें कठपुतली कला की प्रेरित, शिक्षित और एकजुट करने की परिवर्तनकारी शक्ति को याद रखना चाहिए, क्योंकि कठपुतली का जादू आने वाली पीढ़ियों तक दर्शकों को मंत्रमुग्ध करता रहेगा।

- निशा त्यागी
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं और समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं)

श्री अन्न (मिलेट्स)

पौष्टिकता से भरपूर इम्युनिटी को मजबूत करने और बीमारियों से लड़ने में सक्षम

श्री अन्न (मिलेट्स) पौष्टिकता से भरपूर फसल है जो ज्यादातर भारत के शुष्क एवं अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में उगाई जाती है। यह एक छोटे बीज वाली घास के प्रकार की होती है, जो वनस्पति प्रजाति से संबंधित है। यह लाखों गरीब किसानों के लिए खाद्य एवं पशु-चारे का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। श्री अन्न (मिलेट्स) को 'मोटा अनाज' या 'गरीबों के अनाज' के रूप में भी जाना जाता है। श्री अन्न (मिलेट्स) गेहूं और चावल से बेहतर हैं क्योंकि यह प्रोटीन, विटामिन और खनिजों से भरपूर होते हैं। यह ग्लूटेन-मुक्त होते हैं, इनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स निम्न होता है।

श्री अन्न अपने भोजन में जोड़कर सेहत को बेहतर बनाया जा सकता है। गेहूं-चावल के मुकाबले मोटा अनाज उगाना और खाना दोनों ही ज्यादा सुविधाजनक है। इसमें पोषण तत्व अधिक होते हैं, जिससे शरीर की इम्यूनिटी मजबूत होती है और बीमारियों से लड़ने की शक्ति मिलती है। वर्ष 2023 में अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष मनाने के भारत के प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष के रूप में घोषित किया। इस प्रस्ताव का नेतृत्व भारत ने किया तथा 70 से अधिक देशों ने इसका समर्थन किया है।

श्री अन्न पोषक तत्व ही नहीं देते बल्कि वह रोग पैदा करने वाले कारकों को हमारे शरीर से दूर रखते हैं। प्रत्येक मिलेट में पाए जाने वाले पोषक तत्वों की मात्रा भिन्न-भिन्न होती हैं। इसलिए प्रत्येक मिलेट की अपनी विशेषता होती हैं। यही कारण हैं कि प्रत्येक मिलेट अलग-अलग प्रकार के रोगों को प्रकृतिक रूप से ठीक करने की क्षमता रखता है। कोई भी व्यक्ति यदि 6 महीने से 12 महीने तक इनका सेवन मुख्य रूप से भोजन के रूप में करें, तो वह बीमारियां पैदा करने वाले किटाणुओं को अपने से दूर रख सकता हैं।

कैसे पड़ा श्री अन्न नाम

कर्नाटक में मोटा अनाज को श्री अन्न कहते हैं। यहां के लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए इसे श्री अन्न नाम दिया गया है। इससे पहले भी हमारे प्राचीन साहित्यों में श्री अन्न का उल्लेख मिलता है।

पौष्टिक रूप से संपन्न

श्री अन्न भारत का प्राचीन और पौष्टिक धान्य है यह अपने उच्च पोषण मूल्य और अन्य लाभों के कारण उपयोगी है। इसके उच्च पोषण मूल्य के कारण इसे पोषक

अनाज कहा जाता है। उच्च प्रोटीन, फाइबर, विटामिन, लौह तत्व जैसे खनिजों के कारण श्री अन्न कम खर्चीला और पौष्टिक रूप से गेहूँ एवं चावल से बेहतर होता है। यह कैल्शियम और मैग्नीशियम से भी भरपूर होता है। उदाहरण के लिये रागी को सभी खाद्यान्नों में सबसे अधिक कैल्शियम सामग्री के लिये जाना जाता है। इसका उच्च लौह तत्व गर्भवती महिलाओं तथा शिशुओं में एनीमिया से बचाव करता है।

ग्लूटेन फ्री, लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स

श्री अन्न जीवनशैली की समस्याओं और मोटापे एवं मधुमेह जैसी स्वास्थ्य की चुनौतियों से निपटने में मदद कर सकता है, क्योंकि यह ग्लूटेन फ्री होता है। ग्लूटेन एक प्रकार का प्रोटीन है जो सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। श्री अन्न का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। ग्लाइसेमिक इंडेक्स खाद्य पदार्थों में कार्बोहाइड्रेट की एक रैंकिंग होती है जो रक्त शर्करा के स्तर और प्रभाव को बताती है।

उपज में काफी बेहतर

श्री अन्न प्रकाश के प्रति असंवेदनशील होते हैं और इस पर जलवायु परिवर्तन का अधिक प्रभाव नहीं पड़ता है। यह किसी भी मिट्टी में बहुत कम या बिना किसी सहायता के उग सकते हैं। यह कम पानी की खपत वाला अनाज है जो कम वर्षा वाले क्षेत्रों, सूखे की स्थिति, गैर-सिंचित परिस्थितियों में उत्पादन में सक्षम है। इसमें कार्बन और वाटर फुटप्रिंट कम होता है। श्री अन्न की तुलना में चावल के पौधों को बढ़ने के लिये कम-से-कम तीन गुना अधिक पानी की आवश्यकता होती है।

श्री अन्न क्या हैं?

- यह अनाज का एक समूह है, जिसे घास परिवार भी कहा जाता है।
- यह 7 हजार से अधिक वर्षों से उप-सहारा अफ्रीका और एशिया में लोगों का पारंपरिक भोजन स्रोत रहा है। वर्तमान में इसे लगभग दुनिया भर में उगाया जाता है।
- इन्हें प्राचीन अनाज माना जाता है जो मनुष्यों, पशुओं और पक्षियों के भोजन के रूप में उपयोगी हैं।
- भारत विश्व में श्री अन्न का अग्रणी उत्पादक है।

श्री अन्न विकास के लिए भौगोलिक परिस्थितियां

- श्री अन्न की खेती अक्सर उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय जलवायु में की जाती है।
- इसके लिए नियत तामपान जरूरी है। अंकुरण के लिए 8 से 10 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान आवश्यक है।
- इसके विकास और अच्छी फसल उत्पादन के लिए 26 से 29 डिग्री सेल्सियस का औसत तापमान आदर्श है।
- इसकी खेती 500-900 मिमी वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रों में की जा सकती है।
- **मिट्टी-** श्री अन्न एक निश्चित स्तर की क्षारीयता को संभाल सकता है और बेहद खराब से लेकर अत्यधिक समृद्ध तक विभिन्न प्रकार की मिट्टी के लिए अच्छी तरह से अनुकूल हो जाता है।
- पर्याप्त जल निकासी वाली जलोढ़, दोमट और रेतीली मिट्टी सर्वोत्तम प्रकार की मिट्टी होती है।

श्री अन्न के प्रकार

मुख्य रूप से श्री अन्न में ज्वार, बाजरा, रागी, कोदो, कुटकी, सांवा, छोटी कंगनी आदि शामिल है।

ज्वार- ज्वार भारत में एक लोकप्रिय मिलेट्स है और इसे अक्सर रोटी, डोसा, और चावल के रूप में खाया जाता है। यह फाइबर और प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। यह ग्लूटन-फ्री है, जिससे ग्लूटन एलर्जी वाले लोग भी इसका सेवन कर सकते हैं।

बाजरा - बाजरा की उत्तर भारत में बड़े स्तर पर खेती की जाती है। यह विटामिन बी, फॉलिक एसिड और एंटीऑक्सीडेंट्स का अच्छा स्रोत होता है।

रागी - रागी को 'मंडुआ' या 'नाचनी' के नाम से भी जाना जाता है। यह उच्च प्रोटीन और कैल्शियम का स्रोत होता है। यह विशेषकर दक्षिण भारत में पसंद किया जाता है।

कोरालु- कोरालु से बने खाद्य पदार्थ आसानी से पच जाते हैं। यह फाइबर और विटामिन्स का अच्छा स्रोत है। यह स्वादिष्ट पुलाव और उपमा के रूप में खाया जा सकता है।

कंगनी - कंगनी श्री अन्न, एक वार्षिक प्रकार का घास का पौधा है, जो आवश्यक अमीनों एसिड और प्रोटीन की विशेष संरचना के कारण स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। यह श्री अन्न में सबसे पहले उगाई जाने वाली फसलों में से एक है। यह एशिया एवं अफ्रीका के शुष्क तथा अर्ध-शुष्क क्षेत्रों के साथ-साथ विश्व के कुछ अन्य देशों में व्यापक रूप से उगाई जाती है।

कोदो - भारत में कोदो श्री अन्न कई क्षेत्रों में उगाया जाता है। कोदो श्री अन्न डाइटरी फाइबर एवं आयरन, एंटीऑक्सीडेंट जैसे खनिजों से भरपूर होता है। कोदो श्री अन्न में फास्फोरस की मात्रा कम होती है। इसकी एंटीऑक्सीडेंट क्षमता किसी भी अन्य प्रमुख अनाज की तुलना में बहुत अधिक होती है। एंटीऑक्सिडेंट की उच्च मात्रा ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस के विरुद्ध मदद करती है और टाइप -2 मधुमेह में ग्लूकोज सांद्रता को बनाए रखती है। कोदो मिलेट अस्थमा, माइग्रेन, रक्तचाप, दिल का दौरा और एथेरोस्क्लेरोसिस, मधुमेह, हृदय रोग और महिलाओं में पोस्टमेनोपॉज़ल के इलाज में उपयोगी होता है।

कुटकी- कुटकी श्री अन्न को छोटे बाजरा मिलेट के रूप में भी जाना जाता है। यह भोजन और चारे के लिए उगाई जाने वाली एक महत्वपूर्ण फसल है। यह भारत के कई हिस्सों में मुख्य भोजन है और इसे दुनिया के सबसे पुराने खेती वाले अनाजों में से एक माना जाता है। भारत में इसकी खेती ज्यादातर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में होती है। यह सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए उपयुक्त भोजन है। यह कब्ज को रोकने में मदद करता है और पेट से संबंधित सभी समस्याओं को ठीक करता है। इसके सेवन से शरीर में अच्छे कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ती है, बढ़ते बच्चों के लिए उपयुक्त है और शरीर को मजबूत बनाता है। इसका जटिल कार्बोहाइड्रेट धीरे-धीरे पचता है, जो मधुमेह रोगियों के लिए बहुत मददगार होता है। इसका उच्च फाइबर शरीर में वसा के जमाव को कम करने में मदद करता है। अन्य पोषक तत्वों के साथ फिनोल, टैनिन और फाइटेट जैसे न्यूट्रास्यूटिकल घटक प्रदान करने में कुटकी की महत्वपूर्ण भूमिका है।

सांवा - सांवा श्री अन्न एक अल्पावधि फसल है जो लगभग बिना किसी उत्पादक सामग्री के प्रतिकूल पर्यावरणीय परिस्थितियों में फसल दे सकती है। कृषि संबंधी लाभों के अतिरिक्त, चावल, गेहूं एवं मक्का जैसे प्रमुख अनाज की तुलना में उच्च पोषक तत्व पाये जाते हैं। यह प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर का समृद्ध स्रोत है। विशेष रूप से सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे आयरन और जिंक जो कई स्वास्थ्य लाभों से संबंधित हैं।

छोटी कंगनी - छोटी कंगनी, जिसे ब्राउनटॉप, खरपड भी कहा जाता है। छोटी कंगनी एक गर्म मौसम की फसल है, जो भारत में व्यापक रूप से उगाई जाती है। यह एक बहुउद्देश्यीय फसल है जिसका उपयोग अनाज, चारा, भू-क्षरण नियंत्रण और वन्यजीव के लिए किया जाता है। छोटी कंगनी पोषक तत्वों से भरपूर फसल है जो कैल्शियम, फास्फोरस और मैग्नीशियम का एक अच्छा स्रोत है। यह ग्लूटेन फ्री भी है, जिससे यह उन लोगों के लिए एक अच्छा विकल्प है जो ग्लूटेन से इंटालरेंट हैं। छोटी कंगनी में फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं, जो हृदय को स्वस्थ रखता है, रक्तचाप को कम करता है और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करता है। यह वजन घटाने में मदद करता है, पाचन में सुधार करता है, कैंसर से बचाता है और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है।

श्री अन्न का महत्व

- अन्य फसलों की तुलना में श्री अन्न कई मायनों में महत्वपूर्ण है।
- यह कठोर परिस्थितियों और बंजर मिट्टी में भी जीवित रह सकते हैं।
- यह सभी के लिए एक सुपरफूड हैं और पर्यावरण की दृष्टि से लचीले होने के साथ-साथ प्रचुर मात्रा में बढ़ते हैं।
- इनमें चावल, गेहूं आदि जैसे खाद्य पदार्थों की तुलना में अधिक फाइबर होता है।
- श्री अन्न प्रोटीन, विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, मैग्नीशियम, कैल्शियम और फास्फोरस के समृद्ध स्रोत हैं।

श्री अन्न की पुरातन परंपरा

भारत कृषि प्रधान देश है। पिछले कुछ वर्षों से ही यहां गेहूं-चावल खाने का चलन बढ़ा है, लेकिन इससे पहले हमारे देश में श्री अन्न भरपूर प्रचलन में था। इससे तमाम व्यंजन बनाए जाते रहे हैं। इस बात का उल्लेख कई पुराने दस्तावेजों और साहित्यों में मिलता हैं।

अभिज्ञान शाकुंतलम में उल्लेख

कालिदास ने अपने अभिज्ञान शाकुतलम में फॉक्सटेल मिलेट यानी कंगनी का उल्लेख किया है। उन्होंने अपनी इस रचना में ऋषि कण्व को राजा दुष्यंत के दरबार में शंकुतला को विदा करते हुए कंगनी डालते हुए दिखाया है। यहां कंगनी के माध्यम से शुभ प्रकृति को इंगित किया गया है।

यजुर्वेद में श्री अन्न का उल्लेख

यजुर्वेद में भी श्री अन्न की खेती और इसके उपयोग का उल्लेख मिलता है। इतना ही नहीं, सुश्रुत ने अपनी सहिंता में अनाजों को अलग-अलग वर्गों में विभाजित किया है, जिसमें धान्य वर्ग, सुधान्य वर्ग और समिधान्य वर्ग आदि है।

श्री अन्न उत्पादन परिदृश्य

श्री अन्न (मिलेट्स) एक प्रकार का अनाज है जो विश्व के कई भागों विशेषत: अफ्रीका एवं एशिया में लोकप्रिय है। यह विश्व के कई हिस्सों विशेष रूप से अफ्रीका एवं एशिया का मूल भोजन है। वर्ल्ड फूड प्रोग्राम के अनुसार, अनुमानित 1.2 बिलियन आबादी अपने आहार के रूप में श्री अन्न का सेवन करते हैं। भारत में हाल के वर्षों में श्री अन्न का उत्पादन बढ़ रहा है। भारत श्री अन्न के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है। भारतीय किसान सूखा प्रतिरोधी फसल के रूप में इसकी खेती का क्षेत्र तेजी से बढ़ा रहे हैं। भारत में आने वाले वर्षों में श्री अन्न के उत्पादन में वृद्धि जारी रहने की आशा की गई है।

- हितेश शर्मा

(लेखक समसामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

क्रिस्टीना पिज्कोवा

मिस चेक गणराज्य बनीं मिस वर्ल्ड

मुंबई में आयोजित 71वीं मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में

चेक गणराज्य की क्रिस्टीना पिज्कोवा मिस वर्ल्ड-2024 चुनी गई हैं। वर्ष 2022 की मिस वर्ल्ड कैरोलिना बियालवास्का ने उन्हें मिस वर्ल्ड का ताज पहनाया। प्रतियोगिता में लेबनान की यास्मीना जायटोन उपविजेता रहीं, जबकि त्रिनिदाद एंड टोबेगो की ऐक अब्राहम ने प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल किया।

ज्ञानेश कुमार और सुखबीर संधू

भारत के नए चुनाव आयुक्त बने

भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी ज्ञानेश

कुमार और सुखबीर संधू देश के नए चुनाव आयुक्त नियुक्त किए गए हैं। राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु ने नियुक्ति को मंजूरी प्रदान की। ज्ञानेश कुमार वर्ष 1988 बैच के केरल कैडर के आई.ए.एस. अधिकारी रहे हैं, वह केंद्रीय गृह मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव रह चुके हैं। वहीं सुखबीर संधू वर्ष 1988 बैच के उत्तराखंड कैडर के आई.ए.एस. अधिकारी हैं, वह उत्तराखंड के मुख्य सचिव भी रह चुके हैं। साथ ही संधू भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

आईएनएस जटायु

लक्षद्वीप के मिनिकॉय में नौसेना का नया बेस

भारतीय नौसेना ने लक्षद्वीप के मिनिकॉय द्वीप पर

आईएनएस जटायु को तैनात किया है। नौसेना के प्रमुख एडमिरल आर. हरिकुमार ने इसे नौसेना में कमीशन किया। यह लक्षद्वीप द्वीपसमूह में भारतीय नौसेना की परिचालन क्षमताओं में इजाफा करेगा। इससे हिंद महासागर में पाकिस्तान, चीन और मालदीव की गतिविधियों पर न सिर्फ नजर रखी जा सकती है, बल्कि समुद्री लुटेरों और ड्रग्स तस्करी पर लगाम भी लगाई जा सकती है।

जराह ऐन ग्लेडिस

वर्ल्ड स्केटबोर्डिंग में सबसे कम उम्र की प्रतिभागी बनीं

भारतीय मूल की आठ वर्षीय जराह ऐन ग्लेडिस दुबई में

आयोजित वर्ल्ड स्केटबोर्डिंग टूर 2024 में सबसे कम उम्र की प्रतियोगी बन गई हैं। प्रतियोगिता में जराह ने महिला पार्क ईवेंट में हिस्सा लिया और क्वालिफाइंग राउंड में 8.50 अंक अर्जित किए। जराह 63 प्रतिभागियों में 61वें स्थान पर रहीं। ओलिंपिक डॉट कॉम के अनुसार जराह ने चार वर्ष की आयु में स्केटबोर्डिंग शुरू की थी। उन्होंने वर्ष 2023 में रोम में आयोजित स्केटबोर्डिंग पार्क चैम्पियनशिप में भी हिस्सा लिया था, जहां उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 10.66 अंक था।

टी. विष्णुदत्त जयरामन

भारतवंशी पत्रकार को मिला वर्जीनिया की सीनेट में सम्मान

अमेरिका के वर्जीनिया प्रांत की सीनेट ने पत्रकारिता

और विदेश नीति के प्रति समर्पण के लिए भारतीय मूल के पत्रकार टी. विष्णुदत्त जयरामन को सम्मानित किया और उनके काम की सराहना करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। जयरामन को अमेरिका में भारतीय राजदूत (तात्कालिक) तरणजीत संधू और वर्जीनिया के लेफ्टिनेंट गवर्नर एवं सदन के अध्यक्ष विनसम सियर्स ने भारतीय प्रवासियों के लिए मीडिया कवरेज करने और अमेरिका-भारत संबंधों को बढ़ावा देने के लिए विशिष्ट सेवा पुरस्कार प्रदान किया था।

यिंगलक शिनवात्रा

थाईलैंड की पूर्व प्रधानमंत्री को सुप्रीम कोर्ट ने किया आरोपों से बरी

थाईलैंड के सुप्रीम कोर्ट ने निर्वासन में रह रहीं देश की पूर्व

प्रधानमंत्री यिंगलक शिनवात्रा को भ्रष्टाचार के एक मामले में बरी कर दिया है। शिनवात्रा पर वर्ष 2013 में एक सरकारी परियोजना में धन का दुरुपयोग करने का आरोप था। वे वर्ष 2011 से 2014 तक थाईलैंड की प्रधानमंत्री रही हैं। शिनवात्रा पर सत्ता के दुरुपयोग करने का आरोप भी लगा था, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने पिछले वर्ष खारिज कर दिया।

आसिफ अली जरदारी

पाकिस्तान के राष्ट्रपति बने

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सह अध्यक्ष

आसिफ अली जरदारी पाकिस्तान के 14वें राष्ट्रपति बन गए हैं। जरदारी दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं, इससे पहले वे वर्ष 2008 से 2013 तक राष्ट्रपति रहे हैं। पीपीपी और पीएमएल-एन के जरदारी ने राष्ट्रपति पद के चुनाव में इमरान खान समर्थित सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल के महमूद खान अचकजई को हराया। चुनाव में जरदारी को 255 वोट मिले।

जेफ बेजोस

ब्लूमबर्ग सूची में बने दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति

अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी अमेजॉन के संस्थापक

जेफ बेजोस दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स द्वारा जारी सूची के अनुसार बेजोस टेस्ला के मालिक एलन मस्क को पछाड़कर सबसे अमीर लोगों की सूची में पहले पायदान पर आ गए हैं। सूची के अनुसार टेस्ला के शेयरों में 7.2 प्रतिशत की गिरावट के बाद एलन मस्क की कुल नेटवर्थ 197.7 बिलियन डॉलर रह गई है, जबकि जेफ बेजोस की कुल नेटवर्थ 200.3 बिलियन डॉलर है।

रमेश सिंह अरोड़ा

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के पहले सिख मंत्री बने

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में सिख नेता रमेश सिंह अरोड़ा को

मंत्री बनाया गया है। रमेश सिंह अरोड़ा पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के नेता हैं और नारोवाल विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। वे पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की विधानसभा में मंत्री बनने वाले पहले सिख हैं। उन्हें मुख्यमंत्री मरियम नवाज के मंत्रिमंडल में अल्पसंख्यक विभाग का प्रभार दिया गया है। रमेश सिंह अरोड़ा को कुछ दिन पहले पाकिस्तान श्री गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के प्रधान (अध्यक्ष) और करतारपुर कॉरिडोर का एंबेसेडर बनाया गया था।

मिशन चंद्रयान-4

इसरो दो चरणों में करेगा लॉन्च

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने

चंद्रयान-3 की सफलता के बाद अब अगले मून मिशन चंद्रयान-4 की तैयारी शुरू कर दी है। इसरो ने कहा कि मिशन चंद्रयान-4 अपने पूर्ववर्ती मिशन अनुसार एक ही चरण में न होकर दो अलग-अलग चरणों में लॉन्च किया जाएगा। इस मिशन के तहत चंद्रयान-4 चंद्रमा पर उतरेगा और वहां से चट्टान और मिट्टी के नमूने लेकर धरती पर वापस आएगा।

फ्रांस

गर्भपात का अधिकार देने वाला पहला देश बना

महिलाओं को गर्भपात का संवैधानिक अधिकार देने वाला

फ्रांस दुनिया का पहला देश बन गया है। फ्रांस की सरकार ने संविधान में गर्भपात के अधिकार को शामिल किया है। गर्भपात के अधिकार को लेकर फ्रांस की संसद के दोनों सदनों में एक विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में गर्भपात के अधिकार को लेकर लाए गए प्रस्ताव को पारित किया गया। गर्भपात की आजादी से जुड़े वर्ष 1958 के संविधान में संशोधन वाले इस प्रस्ताव के पक्ष में 780 सदस्यों ने वोट किया, जबकि इसके विरोध में महज 72 वोट पड़े।

कोल ब्राउर

नाव से लगाया दुनिया का चक्कर

अमेरिका की 29 वर्षीय महिला सेलर कोल ब्राउर ने

अकेले ही नाव से बिना रुके पूरी दुनिया का चक्कर लगाया है। यह करिश्मा करने वाली कोल पहली अमेरिकी महिला बन गई हैं। कोल ने 29 अक्टूबर 2023 को उत्तर पश्चिमी स्पेन के कोस्ट ऑफ ए कोरूना तट पर ग्लोबल सोलो चैलेंज के साथ अपनी यात्रा पूरी की। उन्होंने 7 मार्च को अपनी 26 हजार समुद्री मील की रेस 130 दिन में पूरी की।

एमएच-60 हेलीकॉप्टर

भारतीय नौसेना में हुआ शामिल

भारतीय नौसेना ने अमेरिका से मिले बहुद्देशीय हेलीकॉप्टर

एमएच-60 सीहॉक रोमियो की पहली स्क्वॉड्रन को अपने बेड़े में शामिल कर लिया है। सीहॉक स्क्वॉड्रन को आईएनएस-334 नाम दिया गया है। इस स्क्वॉड्रन को कोच्चि स्थित आईएनएस गरुड़ में कमीशन किया गया है। अत्याधुनिक हथियारों, सेंसर्स और सुविधाओं से युक्त एमएच-60 सीहॉक हेलीकॉप्टर को पनडुब्बी रोधी युद्ध, खोज एवं बचाव अभियान, चिकित्सा एवं निकासी और वर्टिकल रिप्लेनिशमेंट के लिए तैयार किया गया है।

आइरिस

केरल के स्कूल में पढ़ाएगी एआई शिक्षिका

केरल के एक स्कूल में आइरिस नामक एक रोबोट शिक्षिका

बच्चों को पढ़ाएगी। इस रोबोट को मेकरलैब्स एडुटेक कंपनी की मदद से बनाया गया है। कंपनी के अनुसार आइरिस देश की पहली एआई शिक्षिका है। आइरिस तीन भाषाओं में बातचीत कर सकती है और विद्यार्थियों के कठिन से कठिन सवालों के जवाब भी बेहद आसानी से दे सकती है। आइरिस का नॉलेज बेस चैटजीपीटी जैसे प्रोग्रामिंग से बनाया गया है। इसमें एक प्रोसेसर और एक को-प्रोसेसर है, जो कई तरह की कमांड को संभालेगा। आइरिस के गले में माइक्रोफोन को एक हार के रूप में लगाया गया है।

देवेंद्र झाझरिया

भारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष चुने गए

भारत के पूर्व पैरा भालाफेंक खिलाड़ी देवेंद्र झाझरिया

भारतीय पैरालंपिक समिति के नए अध्यक्ष चुने गए हैं। वे दीपा मलिक की जगह लेंगे। देवेंद्र का रिकॉर्ड बतौर खिलाड़ी बेहद शानदार रहा है। उन्होंने पैरालंपिक खेलों में भारत के लिए भालाफेंक खेल में दो बार स्वर्ण और एक बार रजत पदक जीता है। उन्हें पद्मश्री, मेजर ध्यानचंद खेल रत्न और अर्जुन पुरस्कार मिले हैं।

अरुण गोयल

चुनाव आयुक्त पद से दिया इस्तीफा

भारत के चुनाव आयुक्त अरुण गोयल ने अपने पद से

इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को अपना इस्तीफा सौंपा, जिसे राष्ट्रपति ने स्वीकार कर लिया है। उन्होंने इस्तीफे के लिए व्यक्तिगत कारण बताये हैं। वर्ष 1985 बैच के आईएएस अधिकारी अरुण गोयल नवंबर 2022 को सचिव पद से वीआरएस लेने के बाद चुनाव आयुक्त बने थे।

पी.वी. सिंधु

अर्थ ऑवर इंडिया की सद्भावना दूत बनीं

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पी.वी. सिंधु को

इस वर्ष अर्थ ऑवर इंडिया का सद्भावना दूत बनाया गया है। अर्थ ऑवर एक 18 वर्ष पुराना आंदोलन है, जो वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ फंड (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) द्वारा शुरू किया गया था। यह आंदोलन पर्यावरण संबंधी मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करता है। अर्थ ऑवर इस वर्ष 23 मार्च को मनाया जाएगा।

ऋषि सुनक

जी जी 2 लीडरशिप एंड डायवर्सिटी अवॉर्ड से सम्मानित

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को लंदन में आयोजित

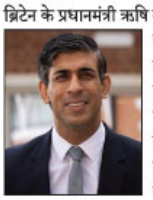

जी जी 2 लीडरशिप एंड डायवर्सिटी अवॉर्ड्स में विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सुनक को यह सम्मान प्रधानमंत्री के रूप में विविधता को बढ़ावा देने के प्रति उनके नेतृत्व और प्रतिबद्धता के लिए दिया गया है। जी जी 2 लीडरशिप एंड डायवर्सिटी अवॉर्ड्स की शुरुआत वर्ष 1999 में एशियन मीडिया ग्रुप द्वारा की गई थी।

स्मृति शेष

नोवार्टिस इंडिया के पूर्व वाइस चेयरमैन रंजीत साहनी का निधन

हेल्थकेयर कंपनी नोवार्टिस इंडिया के पूर्व वाइस

चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर रंजीत साहनी का 73 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आईआईटी कानपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग करने वाले साहनी ने इंपीरियल केमिकल इंडस्ट्रीज के साथ अपने कॅरियर की शुरुआत की थी। उन्होंने वर्ष 2001 से 2018 तक नोवार्टिस इंडिया में वाइस चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर के पद पर काम किया है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

मध्यप्रदेश : हमारा जिला रायसेन

जल, जंगल, विश्व धरोहर स्थल और धान्य उत्पादन का वैभव

मध्यप्रदेश विविधता से समृद्ध है। प्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता है, क्षमता है और दक्षता है। यहां का प्रत्येक जिला अपना इतिहास, कला, संस्कृति, परंपरा, उपज और अन्य क्षेत्रीय विशेषताएं लिए हुए है। 'रोज़गार और निर्माण' के इस अंक से हम मध्यप्रदेश के प्रत्येक जिले से आपको परिचित करवायेंगे। इस अंक में प्रस्तुत है रायसेन जिले का परिचय-

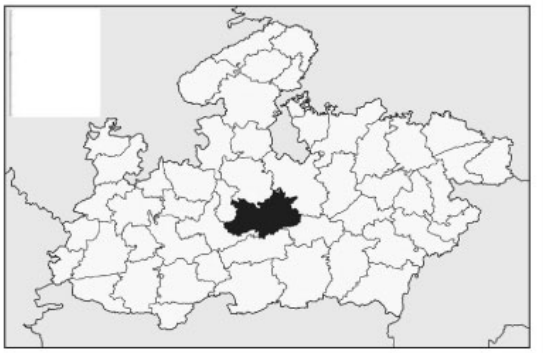

रायसेन अपनी स्थापना के साथ प्रशासन का एक महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। यह मजबूत किले के लिए प्रसिद्ध है। पंद्रहवीं सदी में इस किले पर मांडू के सुल्तानों का शासन था। तत्पश्चात 1543 में शेरशाह सूरी ने इस किले पर कब्जा कर लिया। अकबर के समय में रायसेन मालवा में मुगल शासन का मुख्यालय था।

स्थान और सीमाएं - रायसेन जिला मध्यप्रदेश के मध्य भाग में स्थित है। इसकी स्थिति जिला अक्षांश 22°47' और 23°33' उत्तर और देशांतर 7721' और 78°49' पूर्व के बीच है। यह नरसिंहपुर जिले के दक्षिण-पूर्व में, विदिशा जिले के उत्तर में, सीहोर जिले के पश्चिम में घिरा है और होशंगाबाद तथा सीहोर जिले के दक्षिण में स्थित है। जिले का कुल क्षेत्रफल 8395 वर्ग किलोमीटर है जो राज्य के क्षेत्रफल का 1.93 प्रतिशत है।

मुगल काल के दौरान खामखेड़ा क्षेत्र मुख्यालय गैरतगंज तहसील में पड़ता था। यह शाहपुर, परगना का मुख्यालय था, बाद में उसे सगोनी पर स्थानांतरित कर दिया गया जो बेगमगंज तहसील में आता है।

पर्यटन स्थल

सांची

अंतर्राष्ट्रीय हेरीटेज के रूप में घोषित सांची मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से मात्र 46 किलोमीटर की दूरी पर है। सांची ऐतिहासिक महत्व का धार्मिक स्थल है। सांची के पहाड़ी क्षेत्र में कई स्तूप हैं। यह स्थान बौद्ध धर्म से संबंधित हैं। सम्राट अशोक ने पहला स्तूप बनवाया और कई स्तंभ बनवाए। प्रसिद्ध अशोक स्तंभों के मुकुट में चार शेर पीछे की ओर खड़े हैं। इसे भारत के राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में अपनाया गया है।

महाराजा अशोक के समय सांची बौद्ध धर्म के अनुयायियों का बड़ा केन्द्र रहा है। मध्य काल में परिस्थितियां बदलीं धीरे-धीरे दोनों स्तूप और स्थान विलोपित होने लगे। वर्ष 1818 में सांची को फिर से खोजा गया और यह पाया गया कि संरचनाएं जीर्ण-शीर्ण हो गयी हैं, धीरे-धीरे इस ऐतिहासिक स्थान के महत्व को पहचान मिली। स्तूपों के जीर्णोद्धार का कार्य 1881 में शुरू हुआ। वर्ष 1912 से 1919 के बीच इनकी सावधानीपूर्वक मरम्मत की गई और इन्हें पूर्व स्थिति में लाने का प्रयास किया गया। यह स्वीकार किया गया कि सांची में स्तूप और अन्य संरचना हैं जो ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और पौराणिक महत्व का स्थान है। विशेष इंजीनियरिंग और वैशिष्ट के साथ की गई नक्काशी कलात्मकता का अनोखा प्रमाण है।

लगातार क्षति और पुनर्स्थापन के बावजूद सांची स्तूप भारत में सबसे अधिक विकसित और आकर्षक बौद्ध स्थल है। सांची मुख्य रूप से स्तूपों और स्तंभों का एक स्थान है, यहां भव्य प्रवेश द्वार हैं। इन द्वारों पर अनूठा शिल्प उकेरा गया है। ये शिल्प हमें भगवान बुद्ध और अशोक के जीवन और समय में ले जाते हैं। स्तंभों पर उकेरे गए चित्र और स्तूप घटनाओं की कथा, भगवान बुद्ध का जीवनवृत्त बताते हैं।

रायसेन किला

रायसेन, भोपाल से 40 किलोमीटर दूर है। रायसेन का किला और रायसेन की दरगाह की विशेष प्रसिद्धि है। यह एक पहाड़ी पर बनाया गया है। यह किला पहाड़ी के शीर्ष पर स्थित है जिसमें महल, एक बड़ा जलाशय और कई कुएं हैं। यह किला लगभग 800 साल पुराना है। रायसेन किले के भीतर कई गुंबद थे, अब उनमें से केवल दो ही शेष हैं। रायसेन हजरत पीर फतेह उल्लाह शाह बाबा की मजार के लिए भी जाना जाता है। रायसेन के आसपास के लोगों को इस दरगाह के प्रति श्रद्धा है।

भीमबेटका

मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में स्थित भीमबेटका विश्व धरोहर स्थल है। यहां गुफाओं की पेंटिंग लगभग 30,000 साल पुरानी है। भीमबेटका की गुफाओं और चट्टानों में कई पेंटिंग हैं जो उस अवधि का वर्णन करने वाले महत्वपूर्ण दृश्यों को दर्शाती हैं। इन दीवारों पर पशुओं के आवर्ती प्रसंग, शिकार और नृत्य के चित्र उकेरे हुए दिखाई देते हैं। कई चित्रों के सुपरइंपोजिशन और ओवरलैपिंग से पता चलता है कि रॉक शेल्टरों को पेंटिंग के लिए कैनवास के रूप में उपयोग किया जाता था। एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका के अनुसार, भीमबेटका गुफाएं शिकारी-संग्रहकर्ताओं से लेकर कृषि काल तक, प्रागैतिहासिक आध्यात्मिकता की अभिव्यक्ति मानव बसावट और सांस्कृतिक विकास की एक दुर्लभ झलक प्रदान करती हैं।

भीमबेटका गुफाओं की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक ऑडिटोरियम गुफा है। यह भीमबेटका में सबसे बड़ा आश्रय स्थल है जो पौराणिक कलात्मक सौन्दर्य को दर्शाता है। जिसकी भव्यता शाश्वत है। यह गुफा क्वार्टजाइट टावरों से घिरी हुई है जो 7 किलोमीटर की दूरी से दिखाई देती है।

भीमबेटका की शैल चित्रकला उस काल के सामाजिक जीवन को दर्शाती है। यहां विभिन्न नृत्य शैली प्रदर्शित करते नर्तकों के चित्र हैं। इसके अलावा, पालतू और शिकार दोनों तरह के पशुओं के प्रति स्नेह और श्रद्धा गुफा की दीवारों पर देखी जा सकती है। यहां जंगली सुअरों द्वारा शिकार किए जाने वाले मनुष्यों के चित्र के साथ-साथ नटराज के चित्र भी हैं। कहीं भगवान शिव को त्रिशूल धारण किए हुए संरक्षक, निर्माता और संहारक की त्रिगुण भूमिका में दिखाया गया है। यह पौराणिक कथाओं में भी पाया जाता है। भीमबेटका गुफा चित्रों से पता चलता है कि चित्रों को रंगने के लिए सब्जियों से रंग निकाला जाता था। विशेषता यह है कि बदलते बाहरी वातावरण और कठोर जलवायु परिस्थितियों से दूर, गुफा की आंतरिक दीवारों पर चित्र बनाए गए थे।

भीमबेटका रॉक शेल्टर्स की कलाकृतियां प्रागैतिहासिक लोगों के जीवन, उनके शिकार, शाही जुलूस और नृत्य शैली के बारे में कहानियाँ बताती हैं। भीमबेटका गुफा में चट्टानों पर बनी चित्रकारी चिंतन का विषय है जो मंत्रमुग्ध कर देती है।

हलाली बांध और जलाशय

हलाली बांध रायसेन में हलाली नदी पर बना एक झील के किनारे का जलाशय है। हलाली बांध भोपाल से 40 किलोमीटर दूर है। हलाली बेतवा नदी की सहायक नदी है। इस परियोजना का जलग्रहण क्षेत्र लगभग 699 वर्ग किलोमीटर है। यह विशाल बांध भोपाल के स्थानीय लोगों के बीच पिकनिक और नाव की सवारी के लिए एक उत्कृष्ट स्थान के रूप में काफी लोकप्रिय है। इसके अलावा यह जलाशय कतला, मृगल, मिस्टस, रोहू और चीतला जैसी मछलियों का जलीय का घर है। इसे सम्राट अशोक सागर परियोजना के रूप में भी जाना जाता है, हलाली बांध जलाशय 1973 में चालू किया गया था। हलाली नदी के नाम के साथ एक प्राचीन इतिहास जुड़ा हुआ है। मान्यतानुसार एक नवाब शासक दोस्त मुहम्मद खान ने सहायक नदी के तट पर जगदीशपुर के पास राजपूतों की एक प्रतिद्वंद्वी सेना को मार डाला। परिणामस्वरूप, चूंकि यह पीड़ित के खून से लाल दिखाई देती थी, इसलिए हलाली (वध की नदी) नदी का नाम पड़ा।

सतधारा स्तूप

सतधारा स्तूप रायसेन जिले का एक प्रसिद्ध स्थल है। यहां पर नदी सात धाराओं में विभक्त होती है। इसलिए इस जगह को सतधारा के नाम से जाना जाता है। नदी को 7 धारा में विभक्त देखने के लिए आपको थोड़ा आगे जाना पड़ता है। सतधारा बुद्ध स्तूप रायसेन जिले का एक प्रमुख स्थल है। यह स्तूप हलाली नदी के किनारे जंगल के अंदर स्थित है। सतधारा बुद्ध स्तूप भोपाल से सांची जाने वाली सड़क पर स्थित है। यह मुख्य सड़क से करीब 5 किलोमीटर जंगल के अंदर स्थित है। यहां पर जाने के लिए पक्की सड़क है। यहां प्राचीन स्तूप तथा प्राकृतिक दृश्य देखने को मिलते हैं। यहां से हलाली नदी दिखाई देती है। चारों और पेड़ पौधे हैं और हरियाली से घिरा यह स्थान अत्यंत रमणीय है। यहां एक बड़ा स्तूप भी है। सतधारा स्तूप विदिशा-भोपाल राजमार्ग पर स्थित है। यहां पर आप जंगल कैंप का भी आनंद ले सकते हैं। सैलानी यहां पर जंगल के बीच में कैंप लगाकर रहते हैं। यहां बंदरों की अधिकता है इसलिए सैलानियों को अपना सामान संभाल कर रखने की चेतावनी दी जाती है।

रातापानी टाइगर रिजर्व

यह अभयारण्य मध्यप्रदेश के भोपाल-रायसेन वन प्रभाग में 890 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। अभयारण्य में 40 से अधिक बाघों की आबादी है। इसके अलावा भोपाल के वन क्षेत्र में करीब 12 बाघों की आवाजाही बताई गई है। इस पूरे क्षेत्र को बाघ अभयारण्य के रूप में घोषित करने की योजना है।

रायसेन, सीहोर और भोपाल ज़िलों का लगभग 3,500 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र इसी अभयारण्य के लिये आरक्षित किया गया है। इसके साथ ही 1,500 वर्ग किलोमीटर को कोर क्षेत्र के रूप में और 2,000 वर्ग किलोमीटर को बफर जोन के रूप में चिन्हित किया गया है। बाघ अभयारण्य के रूप में इस योजना से बाघों के बेहतर संरक्षण में मदद मिलेगी।

रातापानी वन्यजीव अभयारण्य

मध्यप्रदेश के रायसेन और सीहोर जिलों से गुजरते हुए विंध्याचल पर्वत श्रृंखला के एक हिस्से में स्थित, रातापानी वन्यजीव अभयारण्य विभिन्न प्रकार के वन्यजीवों के लिए सबसे आकर्षक स्थान है। अभयारण्य 'मध्यप्रदेश की जीवन रेखा' नर्मदा नदी के उत्तरी किनारे पर समानांतर स्थित है जो कोलार नदी अभयारण्य की पश्चिमी सीमा बनाती है।

अभयारण्य को पहली बार 1976 में अधिसूचित किया गया था और फिर 1983 में विस्तारित किया गया था। वर्ष 2008 में, अभयारण्य के अंदर बाघों की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण, पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार ने अभयारण्य को टाइगर रिजर्व घोषित करने का निर्णय लिया।

यह अभयारण्य कई मायनों में अद्वितीय है, यहां मध्य भारत की समृद्ध वनस्पति और जीव हैं, शानदार सागौन के जंगल, सुंदर पहाड़ियां और घुमावदार नदियां हैं, जो समृद्ध जैव विविधता को बनाए रखती हैं।

वर्ष 2019 की गणना के अनुसार, एक दर्जन से अधिक युवा शावकों सहित 40 से अधिक बाघों और 75 से अधिक तेंदुए, जंगली कुत्ते, लकड़बग्घे, सियार और लोमड़ी भी अभयारण्य में रहते हैं। शाकाहारी जीवों के प्रमुख घटक चित्तीदार हिरण, ब्ल्यू बुल, सांभर, बार्किंग हिरण, चिंकारा, काला हिरण और बंदर हैं। अभयारण्य में सुस्त भालू भी हैं। रातापानी जलाशय में मगरमच्छ हैं। यह क्षेत्र मध्यप्रदेश के राज्य पक्षी पैराडाइज़ फ्लाईकैचर सहित 150 से अधिक प्रजातियों के पक्षियों का निवास स्थान है। अभयारण्य के विभिन्न जलाशयों में स्थानीय और प्रवासी पक्षी भी देखे जाते हैं।

उत्सव

सांची महोत्सव

आयोजन का समय : नवम्बर

महत्व : रायसेन जिले के सांची स्थित स्थानीय लोगों द्वारा नवंबर में चेतियागिरी विहार महोत्सव मनाया जाता है। सैकड़ों तीर्थयात्री बुद्ध, सारिपुत्त और महान शिष्यों के अवशेषों को देखने के लिए यहां आते हैं।

उर्स महोत्सव

दरगाह शरीफ

आयोजन का समय : दिसम्बर

महत्व : हजरत पीर फतेहुल्लाह शाह बाबा का पवित्र स्थान, रायसेन क्षेत्र के सबसे लोकप्रिय स्थानों में से एक है। कई भक्त प्रसिद्ध मुस्लिम सूफी, हजरत पीर फतेहुल्लाह शाह बाबा का आशीर्वाद लेने के लिए यहां आते हैं।

उत्पादन

गेहूं आटा एवं मैदा - गेहूं का आटा भारत में विशेष रूप से उत्तर भारत में मुख्य और बुनियादी खाद्य पदार्थों में से एक है। गेहूं का आटा गेहूं से निर्मित होता है। जिसकी खेती सर्दियों के मौसम में की जाती है। रायसेन जिला मध्यप्रदेश में गेहूं के प्रमुख उत्पादकों में से एक है। जिले में तुलनात्मक रूप से औसत उत्पादकता भी अधिक है। रायसेन, उदयपुरा, गोहरगंज, सिलवानी तहसील गेहूं के प्रमुख उत्पादक हैं।

एक जिला एक उत्पाद

मध्यप्रदेश के रायसेन जिले के बासमती चावल को 'एक जिला एक उत्पाद' के रूप में चुना गया है। इससे यहां के किसानों को धान के बेहतर दाम मिल सकेंगे। रायसेन जिले के बासमती धान को दावत जैसी नामचीन कंपनी खरीदकर देश-दुनिया में बिक्री करती हैं। विशेष बात यह है कि यहां के बासमती धान का दाना सुगंधित, लंबा और पतला होता है। यहां के किसान रासायनिक खाद का कम और जैविक खाद का अधिक उपयोग करते हैं।

जिले में करीब ढाई लाख हेक्टेयर में धान की बोवनी की जाती है। इसमें से करीब 80 फीसदी क्षेत्र में बासमती धान बोई जाती है। यहां की बासमती धान पूसा-1 गुणवत्ता की है। इसका दाना लंबा, पतला और सुगंधित होता है। पूसा-1 धान के बीज का अविष्कार राष्ट्रीय धान अनुसंधान केंद्र दिल्ली में किया गया था। जलवायु, मिट्टी और पानी की उपलब्धता के चलते रायसेन जिले में इस धान की पैदावार काफी अच्छी है।

रायसेन जिले में लंबे समय से बासमती धान की खेती की जा रही है। बीते कुछ साल से लगातार धान का रकबा बढ़ रहा है। यहां का बासमती चावल विदेशों तक जाता है। इस बार बासमती के साथ क्रांति धान की पैदावार भी अच्छी हुई है। अब जिले में धान प्रमुख फसल बन गई है।

संपर्क

रायसेन जिला मुख्यालय मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से केवल 45 किलोमीटर दूर है। यह राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है, इसलिए कच्चे माल के साथ-साथ तैयार उत्पादों का परिवहन आसान हो जाता है।

- देवेन्द्र गोरे

(लेखक समसामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे जाने वाले संभावित महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान

प्र. 1 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में भारत किसका एक सबसे बड़ा उत्पादक तथा निर्यातक देश था?
(अ) सूत तथा गेहूं
(ब) चीनी तथा चावल
(स) चीनी तथा एल्कोहल
(द) लौह तथा इस्पात
उत्तर- (अ)

प्र. 2 केलिको निम्नलिखित में किससे संबंधित है?
(अ) फसल की एक किस्म
(ब) राजस्व अधिकारी
(स) भारत से यूरोप को निर्यात कपड़ा
(द) भारतीय नील
उत्तर- (स)

प्र. 3 निम्नलिखित में से कौन भारत में उपनिवेशवाद का आर्थिक आलोचक था?
(अ) दादाभाई नौरोजी
(ब) जी. सुब्रमण्यम अय्यर
(स) आर.सी. दत्त
(द) उपरोक्त तीनों
उत्तर- (द)

प्र. 4 किस आयोग/समिति ने धन के निर्गमन के मुद्दे पर दादाभाई नौरोजी से प्रश्न किया था?
(अ) मेस्टन समिति
(ब) लेटन समिति
(स) दत्ता समिति
(द) वेल्बी समिति
उत्तर- (द)

प्र. 5 लाटरी समिति (1817) संबंधित थी?
(अ) भारतीय राजाओं के महलों की नीलामी से
(ब) रेय्यतों के लिए कृषि भूमि को आवंटित करने से
(स) शहरी नियोजन से
(द) ब्रिटिश अधिकारियों के भ्रष्टाचार से
उत्तर- (स)

प्र. 6 भारत में प्रथम रेल लाईन निम्नलिखित में से किसने बिछवाई थी?
(अ) विलियम डडले
(ब) रोजर स्मिथ
(स) जार्ज क्लार्क
(द) वॉरेन हेस्टिंग
उत्तर- (स)

प्र. 7 ब्रह्म समाज का सिद्धांत किस पर आधारित है?
(अ) एकेश्वरवाद पर
(ब) अद्वैतवाद पर
(स) मूर्तिपूजा पर
(द) बहुदेववाद पर
उत्तर- (अ)

प्र. 8 निम्नलिखित युग्मों में से कौन सुमेलित नहीं है?
(अ) राजा मोहनराय - ब्रह्म समाज
(ब) स्वामी दयानंद सरस्वती- आर्य समाज
(स) स्वामी विवेकानंद - राम कृष्ण मिशन
(द) महादेव गोविंद रानाडे- थियोसोफिकल सोसायटी
उत्तर- (द)

प्र. 9 प्रार्थना समाज का संस्थापक कौन था?
(अ) रामकृष्ण परमहंस
(ब) स्वामी विवेकानंद
(स) आत्माराम पांडुरंग
(द) दयानंद सरस्वती
उत्तर- (स)

प्र. 10 निम्नलिखित में से कौन एक सही सुमेलित है?
(अ) भारतीय ब्रह्म समाज - लाला लाजपत राय
(ब) तत्वबोधिनी सभा - केशवचंद्र सेन
(स) सत्यशोधक समाज - देवेन्द्रनाथ टैगोर
(द) दि सर्वेन्ट्स आफ इंडिया - गोपाल कृष्ण गोखले
उत्तर- (द)

प्र. 11 भारत में आधुनिक शिक्षा प्रणाली की नींव किससे पड़ी?
(अ) 1813 का चार्टर अधिनियम
(ब) 1835 के मैकाले का स्मरण पत्र
(स) 1882 का हन्टर आयोग
(द) 1854 का वुड का नियम
उत्तर- (ब)

प्र. 12 वाराणसी में प्रथम संस्कृत महाविधालय की स्थापना किसने की थी?
(अ) जोनाथन डंकन
(ब) वॉरेन हेस्टिंग
(स) लार्ड मैकाले
(द) बंकिमचंद्र
उत्तर- (अ)

प्र. 13 भारत में अंग्रेजों ने प्रथम मदरसा कहां स्थापित किया था?
(अ) मद्रास में (ब) बम्बई में
(स) अलीगढ़ में (द) कलकत्ता में
उत्तर- (द)

प्र. 14 हन्टर कमीशन की रिर्पोट में किसके विकास पर विशेष जोर दिया गया?
(अ) बालिकाओं की शिक्षा पर
(ब) उच्च शिक्षा पर
(स) प्राथमिक शिक्षा पर
(द) तकनीकी शिक्षा पर
उत्तर- (स)

प्र. 15 भारत की शैक्षणिक नीति में फिल्ट्रेशन थ्योरी के प्रतिपादक थे?
(अ) चार्ल्स वुड (ब) मैकाले
(स) जे.एस. मिल (द) कॉर्नवालिस
उत्तर- (ब)

प्र. 16 राजनीतिक सुधारों को लेकर विरोध करने वाले पहले भारतीय कौन थे?
(अ) दादाभाई नौरोजी
(ब) सुरेन्द्रनाथ
(स) राममोहन राय
(द) बाल गंगाधर तिलक
उत्तर- (द)

प्र. 17 मद्रास महाजन सभा की स्थापना कब की गई थी?
(अ) वर्ष 1884 में
(ब) वर्ष 1881 में
(स) वर्ष 1882 में
(द) वर्ष 1883 में
उत्तर- (अ)

प्र. 18 राष्ट्रीय कांग्रेस से पूर्व सबसे प्रमुख संस्था थी?
(अ) बंगाल ब्रिटिश इंडिया एशोसिएशन
(ब) ईस्ट इंडिया एशोसिएशन
(स) यंग बंगाल एशोसिएशन
(द) इंडियन एशोसिएशन
उत्तर- (द)

प्र. 19 ब्रिटिश सरकार के किस अधिनियम ने सर्वप्रथम भारत में शिक्षा के लिए एक लाख रुपये दिए थे?
(अ) बुड्स डिस्पैच 1854
(ब) चार्टर अधिनियम 1813
(स) चार्टर अधिनियम 1853
(द) भारतीय परिषद अधिनियम 1892
उत्तर- (ब)

प्र. 20 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के दूसरे अधिवेशन वर्ष 1886 में अध्यक्षता किसने की थी?
(अ) सुरेन्द्र नाथ बनर्जी
(ब) लाला लाजपत राय
(स) दादा भाई नौरोजी
(द) जार्ज यूले
उत्तर- (स)

प्र. 21 वर्ष 1938 के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के हरिपुरा अधिवेशन की अध्यक्षता किसने कि थी?
(अ) अबुल कलाम आजाद
(ब) जे.बी. कृपलानी
(स) राजेन्द्र प्रसाद
(द) सुभाष चन्द्र बोस
उत्तर- (द)

प्र. 22 1908 ई. में 6 वर्ष के कारावास की सजा स्वतंत्रता संग्राम के किस उग्रवादी नेता को दी गई थी?
(अ) विपिनचन्द्र पाल
(ब) बाल गंगाधर तिलक
(स) लाला राजपत राय
(द) अरविंद घोष
उत्तर- (ब)

प्र. 23 1934 ई. में कांग्रेस समाजवादी पार्टी का गठन किसके द्वारा किया गया था?
(अ) जयप्रकाश नारायण एवं जवाहरलाल नेहरू
(ब) जयप्रकाश नारायण एवं आचार्य नरेन्द्र देव
(स) जयप्रकाश नारायण एवं सुभाष चन्द्र बोस
(द) सुभाषचन्द्र बोस एवं जवाहरलाल नेहरू
उत्तर- (ब)

प्र. 24 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के किस अधिवेशन में बाल गंगाधर तिलक ने अभिव्यक्त किया था, स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा?
(अ) बनारस अधिवेशन 1905
(ब) कलकत्ता अधिवेशन 1906
(स) सूरत अधिवेशन 1907
(द) लखनऊ अधिवेशन 1916
उत्तर- (द)

प्र. 25 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के किस अधिवेशन में प्रथम बार स्वराज शब्द व्यक्त किया गया था?
(अ) बनारस अधिवेशन 1905
(ब) कलकत्ता अधिवेशन 1906
(स) सूरत अधिवेशन 1907
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- (ब)

प्र. 26 हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के संस्थापक नेताओं में एक थे?
(अ) बी.आर. अम्बेडकर
(ब) भगत सिंह
(स) सुभाष चन्द्र बोस
(द) जय प्रकाश नारायण
उत्तर- (ब)

प्र. 27 मोतीलाल नेहरू और सी.आर. दास द्वारा 1923 में गठित पार्टी का नाम क्या था?
(अ) इंडिपेंडेंस पार्टी
(ब) गदर पार्टी
(स) स्वराज पार्टी
(द) इंडियन नेशनल कांग्रेस
उत्तर- (स)

प्र. 28 1905 में बंगाल विभाजन करने वाला वायसराय कौन था?
(अ) लार्ड मिन्टो
(ब) लार्ड कर्जन
(स) लार्ड चेम्सफोर्ड
(द) लार्ड इरविन
उत्तर- (ब)

प्र. 29 निम्नलिखित में से किसका सम्बंध बिहार सोशलिस्ट पार्टी से था?
(अ) जयप्रकाश नारायण
(ब) सत्य भक्त
(स) एम.एन. राय
(द) सुभाष चन्द्र बोस
उत्तर- (अ)

प्र. 30 13 अप्रैल, 1919 को अमृतसर के जलियावाला बाग में किस कारण से भीड़ एकत्रित हुयी थी?
(अ) गांधी जी और लाला लाजपत राय की गिरफ्तारी के विरोध में
(ब) गदर पार्टी के समर्थन में
(स) डॉ. सैफुदीन किचलू और डॉ. सत्यपाल की गिरफ्तारी के विरोध में
(द) वैशाखी का त्योहार मनाने के लिए
उत्तर- (स)

प्र. 31 महात्मा गांधी के अनुसार राजनीति का तात्पर्य था?
(अ) धर्म विहीन राजनीति
(ब) जनल्याण के लिए सक्रियता
(स) सत्य विहीन राजनीति
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ब)

प्र. 32 गांधी के नाम के पहले महात्मा जोड़ा गया?
(अ) चंपारण सत्याग्रह के दौरान
(ब) रौलेट एक्ट के विरुद्ध सत्याग्रह के दौरान
(स) 1919 ई. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अमृतसर अधिवेशन में
(द) खिलाफत आंदोलन के आरम्भ के समय
उत्तर- (अ)

प्र. 33 महात्मा गांधी को सर्वप्रथम राष्ट्रपिता किसने कहा था?
(अ) जवाहर लाल नेहरू
(ब) बल्लभभाई पटेल
(स) सी. राजगोपालाचारी
(द) सुभाष चन्द्र बोस
उत्तर- (द)

प्र. 34 किस घटना के बाद महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन को हिमालय जैसी भूल कहा था?
(अ) चौरा चौरी कांड
(ब) खेड़ा सत्याग्रह
(स) नागपुर सत्याग्रह
(द) राजकोट सत्याग्रह
उत्तर- (अ)

प्र. 35 द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व किसने किया था?
(अ) जवाहर लाल नेहरू
(ब) मोती लाल नेहरू
(स) अबुल कलाम आजाद
(द) महात्मा गांधी
उत्तर- (द)

प्र. 36 फिनिक्स फार्म की स्थापना निम्नलिखित में से किसके द्वारा की गई थी?
(अ) महात्मा गांधी
(ब) जवाहर लाल नेहरू
(स) मौलाना अबुल कलाम
(द) लाला हरदयाल
उत्तर- (अ)

प्र. 37 गांधी जी का चंपारण सत्याग्रह किनकी समस्याओं के समाधान से संबंधित था?
(अ) बिहार के नील उत्पादक किसान
(ब) बिहार की कोयला खदानों में काम करने वाले मजदूर
(स) बिहार के बुनकर
(द) बिहार के कपास उत्पादक किसान
उत्तर- (अ)

प्र. 38 ब्रिटिश सरकार ने महात्मा गांधी को जो उपाधि दी थी और जिसे उन्होंने असहयोग आंदोलन में वापस कर दिया, वह थी?
(अ) केसर-ए-हिंद
(ब) हिंद केसरी
(स) रायबहादुर
(द) राइटच ऑनरबल
उत्तर- (अ)

प्र. 39 निम्नलिखित में से कौन क्रान्तिकारी पत्र वन्दे मातरम् का संपादक था?
(अ) श्यामजी कृष्ण वर्मा
(ब) भीकाजी कामा
(स) जे.पी. कृपलानी
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ब)

प्र. 40 निम्नलिखित नेताओं में किसने क्रांतिकारी संगठन , अभिनव भारत समाज की स्थापना की?
(अ) भगत सिंह
(ब) विनायक दामोदर सावरकर
(स) वारींन्द्र कुमार
(द) पुलिन बिहारी
उत्तर- (ब)

प्र. 41 पूना समझौता (पूना एक्ट) का सम्बंध था?
(अ) दलित वर्ग से
(ब) संवैधानिक प्रगति से
(स) शैक्षिक सुधार से
(द) हिन्दु-मुस्लिम एकता से
उत्तर- (अ)

प्र. 42 महात्मा गांधी ने प्रथम आमरण अनशन कब प्रांरभ किया था?
(अ) कम्युनल अवॉर्ड के समय
(ब) कलकत्ता के दंगों के समय
(स) जलियाबाग हत्या के समय
(द) दिल्ली के दंगों के समय
उत्तर- (अ)

प्र. 42 किस वर्ष हिंदुस्तान रिपब्लिक एसोशिएशन की स्थापना हुयी?
(अ) वर्ष 1920 में
(ब) वर्ष 1924 में
(स) वर्ष 1928 में
(द) वर्ष 1930 में
उत्तर- (ब)

- इमरतलाल खरते
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करते हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

राजनीति विज्ञान

1. इनमें से गलत/असंगत जोड़ी को चुनिए-
समाचार पत्र/पत्रिका - संस्थापक संपादक
अ. हिन्दुस्तान टाइम्स - के.एम. पाणिक्कर
ब. अमृत बाजार पत्रिका - आचार्य नरेन्द्र देव
स. सोम प्रकाश - ईश्वरचंद्र विद्यासागर
द. इण्डिपेन्डेंस - मोतीलाल नेहरू

2. कर्जन ने विश्वविद्यालय आयोग की नियुक्ति कब की थी-
अ. 1900 में ब. 1902 में
स. 1904 में द. 1907 में।

3. जलियांवाला बाग हत्याकांड सन् 1919 में किस तिथि को हुआ था-
अ. 03 अप्रैल ब. 13 अप्रैल
स. 03 जुलाई द. 13 अक्टूबर।

4. माउण्टबेटन योजना की घोषणा कब हुई थी-
अ. 3 जून 1947
ब. 13 जून 1947
स. 3 जुलाई 1947
द. 13 जुलाई 1947

5. उत्तराखंड की सुरंग में फंसे सभी 41 मजदूर कितने दिन बाद जिंदादिली की मिशाल प्रस्तुत कर बाहर निकले-
अ. 12 दिन ब. 14 दिन
स. 17 दिन द. 20 दिन।

6. संविधान सभा के अस्थायी अध्यक्ष थे-
अ. बी.एन. राव
ब. जयप्रकाश नारायण
स. सच्चिदानंद सिन्हा
द. राममनोहर लोहिया।

7. भारतीय संविधान में धार्मिक स्वतंत्रताओं से संबंधित प्रावधानों का उल्लेख किन अनुच्छेदों में वर्णित है-
अ. 16-20 ब. 19-23
स. 21-25 द. 25-28

8. प्लेटो का गुरु कौन था-
अ. सुकरात ब. सेफेलस
स. अरस्तू द. थ्रेसीमेकस।

9. इनमें से किस पुस्तक के लेखक दादाभाई नौरोजी हैं?
अ. पावर्टी एंड अनब्रिटिश रूल इन इंडिया
ब. इंडिया विन्स फ्रीडम
स. आनंद मठ
द. हिन्द स्वराज।

10. "किसी भी राज्य की विदेश नीति उसके भूगोल से निर्धारित होती है।" यह कथन है-
अ. मैकियावली का
ब. नेपोलियन का
स. चर्चिल का
द. माओ का।

11. "जो लोग यह कहते हैं कि धर्म का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है, वे धर्म का अर्थ ही नहीं जानते। वास्तव में धर्म के बिना राजनीति कूड़ा-कचरा है।" यह कथन है-
अ. अरविंद घोष का
ब. महात्मा गांधी का
स. लोकमान्य तिलक का
द. राजेन्द्र प्रसाद का।

12. राजव्यवस्था में जनमत संग्रह को महत्व दिया जाता है-
अ. कनाडा में
ब. स्विट्जरलैंड में
स. ब्रिटेन में
द. भारत में।

13. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 49 संबंधित है-
अ. राष्ट्रीय स्मारकों के संरक्षण से
ब. प्रेस की स्वतंत्रता से
स. कार्यपालिका का न्यायपालिका से पृथक्करण
द. महाभियोग से।

14. किस प्रधानमंत्री की पहल पर दक्षिण-दक्षिण सहयोग की शुरुआत हुई थी-
अ. इन्दिरा गांधी
ब. अटलबिहारी वाजपेयी
स. पी.वी. नरसिंहराव
द. इन्द्रकुमार गुजराल।

15. Welfare State शब्द का सर्वप्रथम प्रयोगकर्ता हैं -
अ. शुम्पीटर
ब. आर्कबिशप टेंपिल
स. मार्टिन लूथर
द. नेलशन मंडेला।

16. इनमें से कौन-सी रचना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की है-
अ. ज्योतिपुंज
ब. सोशल हार्मनी
स. दोनों
द. इनमें से कोई नहीं

17. किस संविधान संशोधन द्वारा संघीय एवं राज्य मंत्रीमंडल का आकार निश्चित कर दिया गया है कि अब लोक/विधान सभा के कुल सदस्य संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक सदस्य मंत्री नहीं बनाए जाएंगे-
अ. 91वें
ब. 92वें
स. 93वें
द. 94वें संविधान संशोधन।

18. इनमें से किस राज्य में विधान परिषद का वर्तमान में अस्तित्व नहीं है-
अ. बिहार में ब. केरल में
स. कर्नाटक में द. महाराष्ट्र में।

19. गंडक नदी समझौता हुआ है-
अ. भारत-भूटान के मध्य
ब. भारत-बंगलादेश के मध्य
स. भारत-नेपाल के मध्य
द. भारत-म्यांमार के मध्य।

20. वह भारतीय प्रधानमंत्री जिसने कभी भी चीन की यात्रा नहीं की-
अ. श्रीमती इंदिरा गांधी
ब. श्री नरेन्द्र मोदी
स. श्री पी.वी. नरसिंहराव
द. श्री अटल बिहारी वाजपेयी।

21. गलत जोड़ी को चुनिये - संधि/समझौता - कार्यक्षेत्र/विषय
अ. लिस्बन संधि - यूरोपीय संघ
ब. सी.टी.बी.टी. - निःशस्त्रीकरण
स. बाल्कन समझौता - द्वितीय विश्व युद्ध
द. मान्ट्रियल समझौता - वैश्विक अर्थव्यवस्था

22. भारत में राज्यपाल बननेवाली पहली महिला हैं -
अ. सरोजिनी नायडू
ब. उर्मिला सिंह
स. सरला ग्रेवाल
द. राजकुमारी अमृत कौर।

23. किस वर्ष 31वें संविधान संशोधन द्वारा लोक सभा के सदस्यों की संख्या 525 से बढ़ाकर 545 की गई थी-
अ. 1971 में ब. 1972 में
स. 1973 में द. 1975 में।

24. 'आज का भारत' (India Today) की लेखिका हैं-
अ. आशारानी बोहरा
ब. रजनी पामदत्त
स. मन्नू भंडारी
द. रमाबाई देशमुख।

25. लोक प्रशासन और निजी प्रशासन किन बातों में समान है?
अ. योजना बनाना
ब. कर्मचारियों में समन्वय
स. आय-व्यय का हिसाब रखना
द. उपरोक्त सभी।

26. किस संगठन द्वारा कलिंग पुरस्कार प्रदान किया जाता है-
अ. यूनेस्को ब. यूनिसेफ
स. आईएलओ द. डब्लूएचओ।

27. इनमें से कौन मार्क्स के विचारों का स्रोत नहीं है -
अ. ब्रिटिश अर्थव्यवस्था
ब. अमेरिकी स्वतंत्रता संघर्ष
स. जर्मन दर्शन
द. फ्रांस की क्रांतिकारी परम्परा।

28. भारतीय विदेश नीति की विशेषता नहीं है-
अ. गुटनिरपेक्षता
ब. पंचशील सिद्धांत
स. तटस्थता
द. निःशस्त्रीकरण।

29. राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाए जाने की प्रक्रिया का उल्लेख किस अनुच्छेद में है -
अ. 52 मे ब. 54 में
स. 60 में द. 61 में।

30. सूत्र एवं स्टाफ की धारणा का पहला प्रयोग कहां हुआ?
अ. न्यायिक संगठन में
ब. वित्तीय संगठन में
स. सैनिक संगठन में
द. राजनीतिक संगठन में।

31. भारत में सिविल सर्विस का जनक किस गवर्नर जनरल को कहा जाता है?
अ. लार्ड क्लाइव को
ब. लार्ड कार्नवालिस को
स. लार्ड वेलेजली को
द. लार्ड कर्जन को।

32. इनमें से किस देश में संसदीय कार्यपालिका कार्यरत है?
अ. संयुक्त राज्य अमेरिका में
ब. ब्राजील में
स. इंग्लैण्ड में
द. अफगानिस्तान में

33. भारत में किस समिति/आयोग ने भ्रष्टाचार निवारण के लिए न्यूजीलैंड की शैली पर आधारित 'संसदीय आयुक्त' की नियुक्ति की सिफारिश की थी-
अ. राजमन्नार समिति ने
ब. संथानम समिति ने
स. सरकारिया आयोग ने
द. प्रशासनिक सुधार आयोग ने।

34. प्राक्कलन समिति में कुल सदस्य होते हैं-
अ. 15 ब. 20
स. 22 द. 30

35. फ्रांस की सरकारी फाइल को कहा जाता है-
अ. रेड बुक ब. आरेंज बुक
स. येलो बुक द. ग्रीन बुक।

36. कोलम्बो प्रस्ताव-1962 संबंधित रहा है-
अ. भारत-श्रीलंका के मध्य
ब. भारत-पाक के मध्य
स. भारत-अफगानिस्तान के मध्य
द. भारत-चीन के मध्य।

37. "राजनीति तो रक्तरहित युद्ध है, जबकि युद्ध रक्तरंजित राजनीति है।" ऐसा कहा है-
अ. माओ ने ब. ब्रेझनेव ने
स. किसिन्जर ने द. स्टालिन ने।

38. सिविल सर्विस की परीक्षा हेतु भारत में सबसे पहले किस स्थान को चुना गया?
अ. दिल्ली ब. कलकत्ता
स. मद्रास द. इलाहाबाद

39. 1926 में लोक सेवा आयोग का प्रथम अध्यक्ष किसे नियुक्त किया गया?
अ. चेम्सफोर्ड
ब. सर रॉस बार्कर
स. लार्ड ली
द. एचिसन

40. निम्नलिखित क्रांतियों के नारों में से कौनसा विकल्प सही नहीं है -
अ. अमेरिकी क्रांति - प्रतिनिधित्व नहीं तो कर नहीं
ब. फ्रांसीसी क्रांति - स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुता
स. चीनी क्रांति - राष्ट्रीयता, राजतंत्र एवं प्रभुता
द. रूसी क्रांति - भूमि, रोटी एवं शांति

41. पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत एनजीओ 'ग्रीनपीस' का मुख्यालय स्थित है-
अ. मास्को, रूस में
ब. हिरोशिमा, जापान में
स. एम्सटर्डम, नीदरलैंड में
द. बीजिंग, चीन में।

42. किस विद्वान ने निजीकरण, उदारीकरण, वैश्वीकरण का सबसे पहले समर्थन किया था?
अ. एडम स्मिथ ने
ब. मार्शल ने
स. पीगू ने
द. रोबिन्सन ने।

43. कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन को इनमें से किस महिला स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ने संबोधित किया था-
अ. स्वर्णकुमारी घोषाल
ब. कादम्बिनी गांगुली
स. ललिता घोष
द. सुनीति चौधरी।

44. भारत-अमेरिका के मध्य हुआ '123 समझौता' संबंधित है-
अ. रक्षा सहयोग से
ब. नाभिकीय सहयोग
स. शैक्षिक सहयोग से
द. मुक्त व्यापार से।

45. अंतर्राष्ट्रीय राजनीति पर प्रभाव डालने वाली निम्नलिखित किस घटना का घटित वर्ष सही सुमेलित नहीं है-
अ. अरब-इज्राइल संघर्ष - 1964
ब. वियतनाम संघर्ष - 1971
स. सोवियत संघ का विघटन -1991
द. सी.टी.बी.टी. - 1997

46. संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) का मुख्यालय स्थित है -
अ. रोम में ब. जिनेवा में
स. लंदन में द. पेरिस में।

47. 20वें एशियाई खेल 2026 में आयोजित होंगे-
अ. जापान ब. भारत
स. थाईलैंड द. सिंगापुर में।

48. पुस्तक 'द पब्लिक इंटेलेक्चुअल इन इंडिया' के रचनाकार हैं-
अ. अतुल कोहली
ब. पुष्पेश पंत
स. रोमिला थापर
द. आलोक मेहता।

49. दिल्ली के राजपथ (किंग्स वे) को नया नाम दिया गया है-
अ. अमृतकाल पथ
ब. कर्तव्य पथ
स. स्वतंत्रता पथ
द. स्वाभिमान पथ।

हल

1. ब	2. ब	3. ब	4. अ
5. स	6. स	7. द	8. अ
9. अ	10. ब	11. ब	12. ब
13. अ	14. अ	15. ब	16. स
17. अ	18. ब	19. स	20. अ
21. द	22. अ	23. स	24. ब
25. द	26. अ	27. ब	28. स
29. द	30. स	31. ब	32. स
33. ब	34. द	35. स	36. द
37. अ	38. द	39. ब	40. स
41. स	42. अ	43. ब	44. ब
45. द	46. द	47. अ	48. स
49. ब			

व्याख्यात्मक हल

1. ब. अमृत बाजार पत्रिका मोतीलाल घोष और शिशिर कुमार घोष द्वारा शुरू की गई थी। यह अंग्रेजी एवं बांग्ला में प्रकाशित होती थी।

21. द. मान्ट्रियल समझौता (1987) वैश्विक पर्यावरण से संबंधित है।

40. स. चीनी क्रांति (1911) का नारा था- राष्ट्रवाद, लोकतंत्र एवं जीविका।

45. द. सी.टी.बी.टी. का पूर्ण रूप है- काम्प्रेंसिव टेस्ट बेन ट्रीटी (समग्र/व्यापक परीक्षण प्रतिबंध संधि)।

- डॉ. नियाज अहमद अंसारी
(लेखक, शासकीय आदर्श महाविद्यालय, उमरिया (म.प्र.) में राजनीति शास्त्र एवं व्यक्तित्व विकास के सहा. प्राध्यापक हैं)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

सामान्य ज्ञान

1. 'रंग विदूषक' संस्था की स्थापना किसके द्वारा की गई?
अ. हबीब तनवीर
ब. बंशी कोल
स. विष्णु चिंचालकर
द. बबा डिके
उत्तर- ब. बंशी कोल

2. मध्यप्रदेश से संबंधित निम्नलिखित साहित्यकारों में से किसके जन्म का संबंध होशंगाबाद जिले (नर्मदापुरम) से नहीं है?
अ. माखनलाल चतुर्वेदी
ब. भवानी प्रसाद मिश्र
स. शरद जोशी
द. हरिशंकर परसाई
उत्तर- स. शरद जोशी

3. 'माओपाटा' नाटिका का संबंध किस जनजाति से है?
अ. भारिया ब. मुरिया
स. सहरिया द. भील
उत्तर- ब. मुरिया

4. निम्न नृत्य परम्पराओं में से किसका संबंध कोरकू जनजाति से नहीं है?
अ. थापटी ब. फगनई
स. ढांढल द. परधौनी
उत्तर- द. परधौनी

5. 'बेरायटा' गायन निम्न में से किस स्थल से संबंधित है?
अ. बुंदेलखंड ब. बघेलखंड
स. निमाड़ द. मालवा
उत्तर- अ. बुंदेलखंड

6. 'श्री सिद्धेश्वर सेन' का संबंध किस नाट्य शैली से है?
अ. राई ब. माच
स. बधाई द. केहरा
उत्तर- ब. माच

7. निम्न में से कौन सा सुमेलित नहीं है?

रचनाएं	साहित्यकार
अ. विज्ञान गीता -	केशव दास
ब. ठिठुरता हुआ -	हरिशंकर
गणतंत्र	परसाई
स. खुशबू के -	बालकृष्ण
शिलालेख	शर्मा 'नवीन'
द. वेदांत सूत्र -	भर्तृहरि

उत्तर- स. खुशबू के शिलालेख - बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'

8. 'हलमा प्रथा' का संबंध किस जनजाति से है?
अ. बैगा ब. सहरिया
स. कोरकू द. भील
उत्तर- द. भील जनजाति

9. भारत में नि:शक्त वर्ग की कितनी श्रेणियां हैं?
अ. 26 ब. 30
स. 21 द. 14
उत्तर- स. 21 (दिव्यांग अधिकार अधिनियम 2016 के तहत)

10. मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना हेतु पात्रता सीमा क्या है?
अ. 12 कक्षा उत्तीर्ण + 21-30 वर्ष आयु
ब. स्नातक + 21-30 वर्ष आयु
स. 10 कक्षा उत्तीर्ण + 18-40 वर्ष आयु
द. 8 कक्षा उत्तीर्ण + 18-45 वर्ष आयु
उत्तर- द. 8 कक्षा उत्तीर्ण + 18-45 वर्ष आयु

11. PM -JAY के बारे में कौन सा कथन असत्य है,
अ. इसका आरंभ 25 सितम्बर, 2017 में किया गया
ब. यह एक स्वास्थ्य बीमा कवच है
स. 5 लाख तक का बीमा कवर किया जाता है
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- अ. इसका आरंभ 25 सितम्बर, 2017 में किया गया

12. GVA (Gross value added) की गणना हेतु आधार वर्ष माना गया है?
अ. 2015-16 ब. 2011-12
स. 1950-51 द. 1972-73
उत्तर- ब. 2011-12

13. 'समर्थ' योजना का संबंध किससे है?
अ. महिलाओं से
ब. कृषिगत मजदूरों से
स. हाथठेला से
द. बाल मजदूरों से
उत्तर- अ. महिलाओं से (एक विशेष उद्यमिता प्रोत्साहन योजना)

14. शारदा अधिनियम से संबंधित कौन सा कथन सत्य है?
अ. इसे 1929 में लागू किया गया
ब. बाल विवाह निषेध अधिनियम है
स. इसके तहत लड़कियों की शादी की उम्र 14 साल व लड़कों की 18 साल निर्धारित की गई, बाद में संशोधन किया गया।
द. उपरोक्त सभी
उत्तर- द. उपरोक्त सभी

15. निम्न में से किस वर्ष भारत WHO का सदस्य बना?
अ. 1950 ब. 1947
स. 1954 द. 1948
उत्तर- द. 1948 (12 जनवरी)

16. गोल्डन क्रीसेंट के अंतर्गत कौनसा देश सम्मिलित नहीं है?
अ. ईरान ब. ईराक
स. अफगानिस्तन द. पाकिस्तान
उत्तर- ब. ईराक

17. निम्न में से किसके द्वारा प्रस्तावना को 'संविधान का परिचय पत्र' कहा गया?
अ. पंडित नेहरू
ब. एन.ए. पालकीवाला
स. के.एम. मुंशी
द. अल्लादी कृष्णास्वामी अय्यर
उत्तर- ब. एन.ए. पालकीवाला

18. नवनिर्मित रानीपुर टाइगर रिज़र्व किस राज्य में अवस्थित है?
अ. उत्तरप्रदेश ब. बिहार
स. झारखंड द. मध्यप्रदेश
उत्तर- अ. उत्तरप्रदेश (चित्रकूट)

19. निम्नलिखित में मध्यप्रदेश के कौन से राज्यपाल लोकसभा अध्यक्ष भी रहे हैं?
अ. हरि विनायक पाटस्कर
ब. सत्यनारायण सिन्हा
स. के.सी. रेड्डी
द. डॉ. बलराम जाखड़
उत्तर- द. डॉ. बलराम जाखड़

20. परीछा परियोजना जो कि उत्तरप्रदेश राज्य में संचालित है किस नदी पर अवस्थित है?
अ. बेतवा ब. चम्बल
स. कोसी द. सोन
उत्तर- अ. बेतवा

21. ग्वाल सागर झील का निर्माण किस राजा के समय में हुआ था?
अ. विक्रमाजीत ब. मदन वर्मा
स. धर्मपाल द. हमीर सिंह
उत्तर- ब. मदन वर्मा

22. मध्यप्रदेश में लाख संरक्षण केन्द्र कहां स्थापित किया गया?
अ. छिंदवाड़ा ब. खंडवा
स. उमरिया द. जबलपुर
उत्तर- द. जबलपुर

23. निम्न में से कौन सा सुमेलित नहीं है?

अभ्यारण्य	जिला
अ. सिंघौरी अभ्यारण्य -	दमोह
ब. कर्माझिरी -	सिवनी
स. कट्ठवाड़ा -	अलीराजपुर
द. पनपथा -	उमरिया

उत्तर- अ. सिंघौरी अभ्यारण्य - दमोह

24. सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान से कौन सी नदी प्रवाहित होती है?
अ. कान्हन ब. देनवा
स. होलोन द. चरणगंगा
उत्तर- ब. देनवा नदी

25. 'ऑपरेशन गोरिल्ला ग्रीन' का संबंध किस राज्य से है?
अ. उत्तरप्रदेश ब. छत्तीसगढ़
स. मध्यप्रदेश द. गुजरात
उत्तर- स. मध्यप्रदेश

26. देश का पहला आठ लेन ग्रीन फिल्ड एक्सप्रेस वे मध्यप्रदेश के किस जिले से नहीं गुजरेगा?
अ. नीमच ब. मंदसौर
स. झाबुआ द. रतलाम
उत्तर- अ. नीमच

27. भारत का पहला बायोमास आधारित हाइड्रोजन संयंत्र मध्यप्रदेश के किस जिले में लगाया जा रहा है?
अ. इंदौर ब. भोपाल
स. खण्डवा द. मंडल
उत्तर- स. खण्डवा

28. दुर्गाबाई व्याम का संबंध कला की किस विद्या से है?
अ. डिगना चित्रकला
ब. पिथौरा चित्रकला
स. गुड़िया शिल्प
द. भगोरिया नृत्य
उत्तर- अ. डिगना चित्रकला

29. पहाड़गढ़ की गुफाएं किससे संबंधित हैं?
अ. पांडव कालीन
ब. बौद्ध कालीन
स. जैन कालीन
द. प्रागैतिहासिक काल
उत्तर- द. प्रागैतिहासिक काल

30. निम्न में से किस किले में बदन सिंह महल अवस्थित है?
अ. गोहद किला
ब. कन्हरगढ़ का किला
स. अटेर का किला
द. दतिया का किला
उत्तर- स. अटेर का किला

31. कामकंदला किला मध्यप्रदेश के किस जिले में स्थित है?
अ. कटनी ब. नरसिंहगढ़
स. धार द. छिंदवाड़ा
उत्तर- अ. कटनी

32. निम्न में से किसके द्वारा होशंगाबाद (नर्मदापुरम) जिले में 'आदमगढ़' की पहाड़ियों में गुफाओं की खोज की थी?
अ. एच.डी. सांकलिया
ब. एच.व्ही. त्रिवेदी
स. आर.वी.जोशी
द. अरुण सोनकिया
उत्तर- स. आर.बी. जोशी

33. 'स्टार्ट-अप' द्वारा प्रस्तावित नवाचारी 5G उपयोग मामलों की जमीनी स्तर पर तैनाती करने वाला भारत का पहला आकांक्षी जिला कौन सा है?
अ. बहराइच ब. विदिशा
स. श्रावस्ती द. चित्रकूट
उत्तर- ब. विदिशा

34. 'फाइटोरिड तकनीक' पर आधारित देश के सबसे बड़े तरल अपशिष्ट उपचार संयत्र का उद्घाटन कहां किया गया है?
अ. केरल ब. मध्यप्रदेश
स. आंध्रप्रदेश द. महाराष्ट्र
उत्तर- स. आंध्रप्रदेश (तिरुपति)

35. गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्डर्स ने भारत के किस रेलवे जंक्शन प्लेटफार्म को विश्व के सबसे लंबे रेलवे प्लेटफार्म का दर्जा दिया है?
अ. गोरखपुर ब. हुबली
स. कोल्लम द. खड़गपुर
उत्तर- ब. हुबली (कर्नाटक)

36. मध्यप्रदेश के किस गांव को संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन द्वारा सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव अपग्रेड कार्यक्रम की सूची में शामिल किया गया है?
अ. मडला ब. रहटी
स. निदान द. जैत
उत्तर- अ. मण्डला

37. वर्ष 2023 का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार किसे प्रदान किया गया है?
अ. एलिनार ओस्ट्रॉम
ब. एस्थर डफ्लो
स. क्लॉडिया गोल्डिन
द. नर्गिस मोहम्मदी
उत्तर- स. क्लॉडिया गोल्डिन

38. यूनेस्को द्वारा भारत के होयसल के पवित्र मंदिरों को विश्व धरोहर स्थल में शामिल किया गया है, यह किस राज्य में अवस्थित है?
अ. कर्नाटक ब. तमिलनाडु
स. आंध्रप्रदेश द. तेलंगाना
उत्तर- अ. कर्नाटक

39. चक्रवात 'बिपर जॉय' का नामकरण किस देश के द्वारा किया गया था?
अ. ऑस्ट्रेलिया ब. मॉरिशस
स. बांग्लादेश द. श्रीलंका
उत्तर- स. बांग्लादेश

40. 'पीएम मित्र' पार्क के अंतर्गत टेक्सटाइल उद्योग हेतु कितने पार्क स्थापित करने की घोषणा की गई है?
अ. 11 ब. 7
स. 15 द. 17
उत्तर- ब. 7 पार्क

41. 'POLIX' नामक पेलोड का विकास किसके द्वारा किया गया?
अ. रमन अनुसंधान संस्थान
ब. यू.आर. राव उपग्रह केन्द्र
स. ध्रुव स्पेस प्राइवेट लिमिटेड
द. विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र
उत्तर- अ. रमन अनुसंधान संस्थान

42. भारत की पहली हरित हाइड्रोजन मिशन परियोजना की शुरूआत किस राज्य से की गई?
अ. केरल ब. आंध्रप्रदेश
स. तमिलनाडु द. गुजरात
उत्तर- द. गुजरात

43. 'काबर ताल आर्द्रभूमि' किस राज्य में अवस्थित है?
अ. असम ब. बिहार
स. उत्तरप्रदेश द. गोवा
उत्तर- ब. बिहार

44. विश्व की सबसे ऊंची एयरफील्ड परियोजना 'न्योमा एयर फील्ड परियोजना' का शिलान्यास कहां किया गया?
अ. जम्मू कश्मीर
ब. उत्तरप्रदेश
स. लद्दाख
द. हिमाचल प्रदेश
उत्तर- स. लद्दाख

45. 38वें राष्ट्रीय खेलों का आयोजन किस राज्य में प्रस्तावित है?
अ. गोवा ब. मध्यप्रदेश
स. उत्तराखंड द. केरल
उत्तर- स. उत्तराखंड

46. विंबलडन 2023 का खिताब किसने अपने नाम किया?
अ. राफेल नडाल
ब. नोवाक जोकोविच
स. कार्लोस अल्कराज
द. मागरिट कोर्ट
उत्तर- स. कार्लोस अल्कराज

47. पैरा एथलेटिकस विश्व चैंपियनशिप 2023 में भारत ने कुल कितने पदक प्राप्त किए?
अ. 45 ब. 47
स. 25 द. 10
उत्तर- द. 10

48. भारत की पहली महिला कबड्डी लीग का आयोजन कहां किया गया?
अ. भारत ब. दुबई
स. कजाखस्तान द. क्रोएशिया
उत्तर- ब. दुबई

49. 'इनोवेशन हैण्डशेक' कहां लॉन्च किया गया?
अ. रूस ब. नेपाल
स. कोलंबिया द. सेन फ्रांसिस्को
उत्तर- द. सेन फ्रांसिस्को

- कृतिका जावरिया
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित विषयों पर लेखन करती हैं)

मध्यप्रदेश की अंजलि ने मुक्केबाजी में जीता रजत पदक

मोंटेनेग्रो, मध्यप्रदेश मुक्केबाजी अकादमी की खिलाड़ी अंजलि सिंह ने मोंटेनेग्रो में आयोजित यूथ वर्ल्ड कप मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अर्जित किया। चैम्पियनशिप में अंजलि ने 57 किलोग्राम भारवर्ग स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई, लेकिन फाइनल में रूस की मुक्केबाज कुलरवा सोफिया ने अंजलि को 3-2 से हराया, जिसके कारण अंजलि को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

वर्स्टापेन ने जीती सऊदी अरब ग्रां प्री रेस

जेद्दाह, नीदरलैंड्स के कार रेसर मैक्स वर्स्टापेन ने एक बार फिर रफ्तार के खेल में अपनी बादशाहत साबित की है। वर्स्टापेन ने सऊदी अरब ग्रां प्री रेस में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। यह इस सत्र में अब तक आयोजित दो रेसों में वर्स्टापेन की लगातार दूसरी जीत है। वर्स्टापेन ने 50 लैप की इस रेस को एक घंटा 20 मिनट 43.273 सेकेंड में पूरा किया।

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज

भारत ने 4-1 से सीरीज जीती

धर्मशाला, भारतीय क्रिकेट टीम ने टेस्ट क्रिकेट की सबसे आक्रामक मानी जाने वाली इंग्लिश क्रिकेट टीम को उसी के अंदाज में धूल चटाई है। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली गई पांच मैचों की टेस्ट सीरीज को भारत ने 4-1 से अपने नाम किया है। सीरीज के पांचवें और अंतिम मैच में भारत ने इंग्लैंड को पारी और 64 रन से हराया।

मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सलामी बल्लेबाज जैक क्राउली (79) और बेन डकेट (27) ने इंग्लैंड को मजबूत शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 64 रनों की साझेदारी की। इस जोड़ी को कुलदीप यादव ने तोड़ा। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने जबरदस्त गेंदबाजी कर इंग्लिश बल्लेबाजों को दबाव में ला दिया। कुलदीप यादव के 5 और रविचंद्रन अश्विन के 4 विकेट के दम पर भारत के गेंदबाजों ने इंग्लैंड की टीम को पहली पारी में 218 रन पर ऑल आउट कर दिया।

पहली पारी में रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने बेहतरीन शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 104 रन जोड़े। यशस्वी ने 57 रन बनाये जबकि रोहित ने 103 रनों की शतकीय पारी खेली। इनके बाद शुभमन गिल (110), देवदत्त पडीक्कल (65) और सरफराज खान (56) ने भी शानदार पारियां खेलीं, जिसकी बदौलत भारत ने पहली पारी में 477 रन बनाये। दूसरी पारी में भी इंग्लिश बल्लेबाज संघर्ष करते नजर आये। जो रूट (84) को छोड़कर अन्य कोई बल्लेबाज टिक नहीं सका और इंग्लैंड की पारी 195 रन पर सिमट गई। दूसरी पारी में अश्विन ने 5 विकेट लिए।

- टेस्ट सीरीज जीतने के साथ ही भारतीय टीम टेस्ट रैंकिंग में नंबर वन बन गई है।
- भारतीय क्रिकेट टीम मौजूदा समय में क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में पहले पायदान पर काबिज है।
- भारतीय टीम वन-डे और ट्वेंटी-20 रैंकिंग में भी शीर्ष पर है।
- सीरीज में यशस्वी ने 26 छक्के लगाए हैं, जो कि नया विश्व रिकॉर्ड है।

जेम्स एंडरसन के 700 टेस्ट विकेट पूरे

इंग्लैंड के अनुभवी गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने टेस्ट क्रिकेट में नया कीर्तिमान रच दिया है। एंडरसन टेस्ट क्रिकेट में 700 विकेट लेने वाले विश्व के पहले तेज गेंदबाज बन गए हैं। एंडरसन ने यह उपलब्धि भारत के खिलाफ मैच में कुलदीप यादव को आउट कर हासिल की। इसके अलावा टेस्ट क्रिकेट में 700 विकेट लेने वाले एंडरसन विश्व के तीसरे गेंदबाज भी बने हैं। एंडरसन से पहले शेनवॉर्न (708) और मुथैया मुरलीधरन (800) ने यह कारनामा किया है। वार्न और मुरलीधरन दोनों दिग्गज स्पिन गेंदबाज रहे हैं।

केटी बोल्टर ने जीता सेन डिएगो ओपन

सेन डिएगो, ब्रिटेन की अनुभवी महिला टेनिस खिलाड़ी केटी बोल्टर ने सेन डिएगो ओपन टेनिस टूर्नामेंट में बड़ा उलटफेर करते हुए खिताब अपने नाम किया है। टूर्नामेंट में महिला एकल वर्ग के फाइनल में केटी ने यूक्रेन की मार्टा कोस्त्युक को रोमांचक मुकाबले में 5-7, 6-2, 6-2 से हराया। मैच में कोस्त्युक ने पहले सेट में शानदार प्रदर्शन किया और 7-5 से जीत दर्ज की। मैच में पिछड़ने के बाद केटी ने जबरदस्त वापसी की और अगले दोनों सेट बड़े अंतर से जीतकर खिताब पर कब्जा किया। ये केटी के टेनिस कॅरियर का दूसरा खिताब है।

सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान बने पैट कमिंस

हैदराबाद, आईपीएल 2024 के आगाज से पहले सनराइजर्स हैदराबाद टीम ने अपना कप्तान बदल दिया है। टीम की कमान ऑस्ट्रेलिया को वन-डे विश्व चैम्पियन बनाने वाले कप्तान पैट कमिंस को सौंपी गई है। वे दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्करम की जगह लेंगे। मार्करम ने पिछले दो सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी की थी। इस दौरान टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। मार्करम दक्षिण अफ्रीका की एसए-20 लीग में सनराइजर्स ग्रुप की फ्रैंचाइजी सनराइजर्स ईस्टर्न केप टीम के कप्तान हैं। मार्करम की कप्तानी में सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने एसए-20 के दोनों सीजन जीते हैं।

अमेरिका ने जीता महिला गोल्ड कप

सेन डिएगो, अमेरिका की महिला फुटबॉल टीम ने कोनकाकैफ महिला गोल्ड कप का खिताब जीत लिया है। अमेरिका ने टूर्नामेंट के फाइनल में ब्राजील को 1-0 से हराया।

पहली बार आयोजित किए जा रहे इस टूर्नामेंट के फाइनल मैच में दोनों ही टीमों ने शानदार खेल दिखाया। पहले हाफ के इंजरी टाइम में अमेरिकी टीम को गोल करने का मौका मिला। लिंडसे होरान ने इस मौके का लाभ उठाते हुए शानदार गोल दागा और अमेरिका को 1-0 की बढ़त दिलाई। यह इस टूर्नामेंट में होरान का तीसरा गोल था। मैच में पिछड़ने के बाद ब्राजीलियन टीम ने दूसरे हाफ में आक्रामक रणनीति अपनाते हुए गोल करने के प्रयास किए, लेकिन टीम इन मौके को भुनाने में सफल नहीं हो सकी। मैच के 79वें मिनट में अमेरिकी टीम को गोल करने का मौका मिला, लेकिन ब्राजीलियन गोलकीपर ने गोल होने से रोक दिया।

अमेरिका की टीम चौथी बार किसी टूर्नामेंट के फाइनल में ब्राजील से खेल रही थी। अमेरिका ने इससे पहले तीन बार फाइनल में ब्राजील को मात दी, इनमें वर्ष 2004 और 2008 ओलिंपिक फाइनल भी शामिल है।

ओलिंपिक ट्रायल्स में हारे बजरंग और रवि दाहिया

नई दिल्ली, टोक्यो ओलिंपिक के रजत पदक विजेता रवि कुमार दाहिया और कांस्य पदक विजेता बजरंग पूनिया पेरिस ओलिंपिक की दौड़ से बाहर हो गए हैं। ये दोनों पहलवान आगामी अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट्स के लिए आयोजित किए गए ट्रायल्स में अपने-अपने वर्ग के मुकाबले हार गए। ट्रायल्स में पुरुषों की 57 किलोग्राम भार वर्ग स्पर्धा के मुकाबले में रवि को अमन सहरावत के हाथों 13-14 से हार का सामना करना पड़ा, वहीं 65 किलोग्राम भार वर्ग के सेमीफाइनल में रोहित कुमार ने बजरंग को 9-1 से हराया। इस हार के बाद रवि कुमार और बजरंग पूनिया का पेरिस ओलिंपिक में हिस्सा लेना मुश्किल हो गया है। इस ट्रायल्स के विजेताओं को एशियाई और विश्व ओलिंपिक क्वालिफायर में भाग लेने का मौका मिलेगा।

बीसीसीआई ने लागू की टेस्ट क्रिकेट प्रोत्साहन योजना

मुंबई, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टेस्ट क्रिकेट को प्रोत्साहन देने के लिए नई योजना शुरू की है। इस योजना के तहत अधिक से अधिक टेस्ट मैच खेलने वाले खिलाड़ियों को अब बंपर राशि मिलेगी, यह राशि खिलाड़ियों को मिलने वाली मैच फीस से अलग होगी। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट प्रोत्साहन योजना हमारे खिलाड़ियों को वित्तीय विकास और स्थिरता प्रदान करेगी। यह योजना टेस्ट मैच के लिए मौजूदा फीस (15 लाख रुपये) के अतिरिक्त के तौर पर काम करेगी।

इस योजना के तहत अगर कोई खिलाड़ी एक सत्र में चार या इससे कम मुकाबले खेलता है, तो वह इस योजना के लिए पात्र नहीं होगा। वहीं पांच या छह टेस्ट मैच खेलने वाले खिलाड़ी को प्लेइंग इलेवन में शामिल होने पर प्रति मैच 30 लाख रुपये या प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं होने पर प्रति मैच 15 लाख प्रोत्साहन राशि मिलेगी। इसी तरह सात या इससे अधिक टेस्ट मैच खेलने वाले खिलाड़ी को प्लेइंग इलेवन में शामिल होने पर 45 लाख रुपये तथा प्लेइंग इलेवन में नहीं होने पर 22 लाख रुपये प्रति मैच मिलेंगे।

इस राशि के अलावा प्लेइंग इलेवन में शामिल खिलाड़ियों को प्रत्येक टेस्ट मैच के लिए 15 लाख रुपये मैच फीस तथा प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं होने पर सात लाख रुपये प्रति मैच फीस अलग से मिलेगी। साथ ही खिलाड़ियों को बीसीसीआई द्वारा वार्षिक अनुबंध के तहत मिलने वाली राशि से कमाई भी होगी।

बी. साईं प्रणीत ने बैडमिंटन खेल से लिया संन्यास

नई दिल्ली, भारत के अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी बी. साई प्रणीत ने खेल से संन्यास ले लिया है। 36 वर्षीय प्रणीत ने सोशल मीडिया के जरिए संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि 24 वर्षों से बैडमिंटन खेल मेरी जीवनधारा रहा है, अब मैं एक नया अध्याय शुरू कर रहा हूं। माना जा रहा है कि प्रणीत अब अमेरिका में ट्रायंगल बैडमिंटन अकादमी में मुख्य कोच के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। उन्होंने वर्ष 2019 में विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता है।

फ्रेंच ओपन बैडमिंटन

सात्विक और चिराग की जोड़ी बनीं चैम्पियन

पेरिस, भारत के सात्विक साईराज रैंकी रेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने एक बार फिर बैडमिंटन में शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्रेंच ओपन टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। फ्रेंच ओपन में पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में भारतीय जोड़ी ने चीनी ताइपे के यांग पो हुआन और ली झे ह्यूई की जोड़ी को 21-11, 21-17 से हराया।

टूर्नामेंट में भारतीय जोड़ी का प्रदर्शन बेहद लाजवाब रहा। इस टूर्नामेंट में अपने खिताबी सफर में इस जोड़ी ने एक भी गेम नहीं गंवाया। 37 मिनट तक चले फाइनल मुकाबले में भी भारतीय जोड़ी पूरी तरह हावी नजर आयी। मैच के पहले गेम में सात्विक और चिराग के आक्रामक खेल के सामने चीनी ताइपे की जोड़ी असहज नजर आई। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम 21-11 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में हुआन और ह्यूई की जोड़ी ने वापसी करते हुए बेहतर खेल दिखाया लेकिन सात्विक और चिराग ने लगातार अंक बटोरकर यह गेम 21-17 से जीतकर खिताब पर अपना कब्जा जमाया।

- सात्विक और चिराग की जोड़ी ने दूसरी बार जीता है फ्रेंच ओपन युगल खिताब।
- इससे पहले वर्ष 2022 में भी भारतीय जोड़ी बनी थी विजेता।
- सात्विक और चिराग की जोड़ी विश्व पुरुष युगल रैंकिंग में पहले स्थान पर है।

चीन के शी युकी बने पुरुष एकल चैम्पियन

टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग का खिताब चीन के शटलर शी युकी ने जीता। युकी ने पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में थाइलैंड के कुल्लावुत वितिदसर्न को 22-20, 21-19 से हराया। मैच का पहला गेम बेहद रोमांचक रहा। युकी ने टाइब्रेकर में लगातार अंक बटोरकर पहला गेम जीता, दूसरे गेम में वितिदसर्न वापसी नहीं कर पाए और युकी ने मैच जीत लिया। शी युकी ने दूसरी बार फ्रेंच ओपन खिताब जीता है। महिला वर्ग में दक्षिण कोरिया की आन से यंग विजेता बनीं। यंग ने फाइनल में जापान की अकाने यामागुची को 18-21, 21-13, 21-10 से हराया।

यशस्वी जायसवाल आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने

दुबई, भारत के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने फरवरी माह के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना है। आईसीसी ने इस पुरस्कार के लिए यशस्वी के अलावा न्यूजीलैंड के केन विलियमसन और श्रीलंका के पथुम निशांका को नामांकित किया था।

यशस्वी ने फरवरी में भारत को इंग्लैड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टेस्ट सीरीज जिताने में शानदार प्रदर्शन किया और भारत को 41 से सीरीज में अहम योगदान दिया। यशस्वी ने इस सीरीज में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए पांच मैचों की 9 पारियों में 712 रन बनाये, इनमें दो दोहरे शतक भी शामिल हैं।

- आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार जीतने वाले सातवें पुरुष क्रिकेटर हैं यशस्वी।
- शुभमन गिल दो बार प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार जीतने वाले भारतीय क्रिकेटर हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

देश में बढ़ते गृहयुद्ध के कारण हैती के प्रधानमंत्री ने दिया इस्तीफा

हैती के प्रधानमंत्री एरियल हेनरी ने कैरेबियाई राष्ट्र में हिंसा और लूटपाट के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। प्रधानमंत्री ने क्षेत्रीय देशों की आपातकालीन बैठक के बाद इस्तीफा दिया है। उन्होंने देश में शांति बहाल करने की अपील की है। उल्लेखनीय है कि देश में गृहयुद्ध के कारण लगातार हालत बिगड़ती जा रही है। सशस्त्र गिरोह ने देश की राजधानी पर कब्जा कर लिया है। एक वीडियो संदेश में हेनरी ने कहा कि उनकी सरकार एक संक्रमणकालीन परिषद् की स्थापना के बाद सत्ता छोड़ देगी। उन्होंने संदेश में कहा कि हैती को शांति की जरूरत है। हेनरी ने कहा कि मेरी सरकार परिषद की नियुक्ति करेगी जिसके बाद एक प्रधानमंत्री की नियुक्ति तथा एक नई कैबिनेट का गठन किया जाएगा। तब तक हम एक कार्यवाहक सरकार के रूप में काम करेंगे। कैरेबियाई देश हैती में गृह युद्ध से हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। देश में फैली हिंसा के कारण 3 लाख 62 हजार स्थानीय लोगों को विस्थापित होना पड़ा। सशस्त्र गिरोह देश की राजधानी पर कब्जा कर चुके हैं और वे राष्ट्रपति भवन समेत कई सरकारी इमारतों को निशाना बना रहे हैं।

नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने सैलरी न लेने का किया फैसला

पाकिस्तान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने घोषणा की है कि वे सैलरी नहीं लेंगे। अपने देश की आर्थिक स्थिति को देखते हुए राष्ट्रपति जरदारी ने यह निर्णय लिया है। 68 वर्षीय जरदारी ने 14वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली है। जरदारी की पार्टी पीपीपी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि राष्ट्रपति ने विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन को प्रोत्साहित करने और राष्ट्रीय राजस्व पर बोझ नहीं डालने का फैसला किया है। राष्ट्रपति सचिवालय ने कहा कि राष्ट्रपति ने राजस्व पर बोझ नहीं डालने की जरूरत को समझकर वेतन नहीं लेने का फैसला किया है। पूर्व राष्ट्रपति आरिफ अल्वी को प्रति माह 8 लाख 46 हजार 550 रुपये वेतन मिलता था। आसिफ अली जरदारी पाकिस्तान के सबसे अमीर नेताओं में से एक हैं। उनके बेटे बिलावल भुट्टो पिछली शहबाज सरकार में विदेश मंत्री रह चुके हैं। वहीं उनकी पत्नी बेनजीर भुट्टो भी पाकिस्तान की प्रधानमंत्री रही हैं।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु 'डॉक्टर ऑफ सिविल लॉ' की मानद उपाधि से सम्मानित

मॉरीशस विश्वविद्यालय ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को डॉक्टर ऑफ सिविल लॉ की मानद उपाधि से सम्मानित किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि मॉरीशस जैसे विश्वविद्यालय सिर्फ आकांक्षी युवाओं के सपनों की सीढ़ी नहीं हैं। वे ऐसे स्थल हैं जहां मानव जाति के भविष्य का निर्माण किया जाता है। उन्होंने कहा कि वह इस प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से डॉक्टर ऑफ सिविल लॉ की मानद उपाधि प्राप्त करके विशेष रूप से सम्मानित हुई हैं। यह सभी युवाओं, विशेषकर युवा महिलाओं को अविरल जुनून की खोज और अपने सपनों को फलीभूत करने के लिए प्रेरित करेगा।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को मॉरीशस विश्वविद्यालय की ओर से डॉक्टर ऑफ सिविल लॉ की मानद उपाधि प्रदान की गई

अभाव से अवसरों की ओर

राष्ट्रपति ने शिक्षा की शक्ति के परिवर्तनकारी प्रभाव पर चर्चा करते हुए कहा कि यह शिक्षा ही है जो हमें असुरक्षा और अभाव से अवसरों और आशा की ओर ले जाती है। भारत सरकार देश को आने वाले कल की ज्ञान अर्थव्यवस्था में ले जाने के लिए युवाओं को शिक्षित और सशक्त बनाने को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत की दूरदर्शी नई शिक्षा नीति जनसांख्यिकीय लाभांश के उपयोग से नवाचार का एक पावर हाउस बनेगी।

उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारियों को किया संबोधित

देश की विकास गाथा पहले से अधिक प्रगतिशील है

जब मैं आपको देखता हूं, तो मैं आश्वस्त हो जाता हूं। भारत एक विशिष्ट राष्ट्र है और निरंतर प्रगति कर रहा है। यह प्रतिभाशाली युवा अधिकारियों के समूह को संबोधित करने का एक सुखद अवसर है, जो मानवता के छठें भाग के घर भारत की सेवा के लिए भारत सरकार में शामिल हुए हैं। यह बात उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने भारतीय राजस्व सेवा के 77वें बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि बदलते भारत ने लोकसभा और राज्य विधानमंडलों में महिलाओं को युगांतरकारी रूप से एक तिहाई आरक्षण प्रदान करके दुनिया के सामने महिला नेतृत्व वाले सशक्तिकरण को परिभाषित किया है। महिलाएं अब नीति निर्माण और शासन का हिस्सा होंगी। उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक परिवर्तन है, एक ऐसा परिवर्तन जो तीन दशकों के संघर्ष के बाद फलीभूत हुआ है। कल्पना कीजिए जब लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एक तिहाई और उससे भी अधिक महिलाएं होंगी। नीति और शासन पर इसका प्रभाव सुखदायक संपूर्ण और समावेशिता के लिए आवश्यक होगा। हम सभी भाग्यशाली हैं कि हम उस देश की विकास गाथा का हिस्सा हैं, जो पहले से कहीं ज्यादा प्रगतिशील है और यह बढ़त अजेय है। एक ऐसा राष्ट्र जिसने @2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ भारतीय राजस्व सेवा के 77वें बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए

खजाना प्रशासन की नींव है

उपराष्ट्रपति ने कहा कि आपको अपने विभाग के प्रतीक चिह्न में इस आदर्श वाक्य को सही साबित करना होगा "कोष मूलो दण्ड" अर्थात् "धन मूल शक्ति है"। यह कौटिल्य के अर्थशास्त्र में जोर देते हुए दिखाई देता है कि खजाना प्रशासन की नींव है। आज हमारा राष्ट्र मजबूत अर्थव्यवस्था से परिभाषित होता है। पहले से ही पांचवीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था, दो वर्षों में तीसरी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। विश्व स्तरीय सड़कों, हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों के साथ बुनियादी ढांचे में तेजी से वृद्धि, डिजिटलीकरण, पारदर्शी और जवाबदेह शासन से हमारी वैश्विक छवि में अभूतपूर्व बदलाव आया। यह वह भारत है जिसमें आप रह रहे हैं। इसलिए इस समय देश की सेवा में आने के कारण मैं अपने आपको भाग्यशाली मानता हूं।

शासन में विश्वास रखना है

ईमानदारी और दिशात्मक दृष्टिकोण के साथ मानवता की सेवा करने की प्रतिबद्धता से कभी समझौता नहीं किया जाना चाहिए। मैं बता सकता हूं कि आपकी स्थिति को देखते हुए, प्रलोभन होंगे। ऐसे उदाहरण भी हो सकते हैं जहां आत्मविश्वास के साथ एहसास हो सकता है कि प्रलोभनों के आगे झुकने का पता नहीं चल पाएगा। एक अच्छा अधिकारी, एक अच्छा नागरिक बनने का सबसे सुरक्षित रास्ता है कभी भी शॉर्टकट नहीं अपनाना है, बल्कि कानून के शासन में विश्वास रखना है।

कराधान सुधार ने कर्ज के बोझ को कम किया

उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने कहा कि पिछले दशक में परिवर्तनकारी कराधान सुधार ने कर के बोझ को कम कर दिया है तथा विकास को और बढ़ावा देने के लिए कर आधार को बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त किया है। जब मैं कहता हूं कि प्रोत्साहनों में विकृति बिल्कुल कष्टकारी थी, तो इसे अब तर्कसंगत बना दिया गया है, अब निर्बाध तंत्र मौजूद है। इसके लिए अच्छी योजना और दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है, यह पूरा किया गया, एक बड़ा बदलाव है। इससे विभाग और करदाताओं दोनों की मानसिकता में बदलाव आया है। यह रिश्ता मेल, एकजुटता और सहमति से होने वाला रिश्ता है। आज कर प्रशासक से कोई नहीं डरता। किसी भी व्यक्ति या किसी भी देश के लिए संसाधन जुटाना और उसका अधिकतम खर्च करना विकास की कुंजी है। यह आपकी भूमिका और प्रतिबद्धता को महत्वपूर्ण बनाता है। यह सुखद है कि पिछले दशक में, प्रत्यक्ष कर संग्रह में तीन गुना वृद्धि हुई है और आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले लोगों की संख्या लगभग 2.5 गुना बढ़ गई है।

बाइडेन की याददाश्त आधारित रिपोर्ट कांग्रेस समिति को सौंपी

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन की खराब याददाश्त की रिपोर्ट देकर हंगामा खड़ा करने वाले अमेरिकी अभियोजक ने कांग्रेस समिति के समक्ष रिपोर्ट के मूल्यांकन का बचाव किया। पूर्व विशेष वकील राबर्ट हूर प्रतिनिधि सभा की न्यायपालिका समिति के समक्ष पेश हुए। यह बाइडेन के खिलाफ महाभियोग जांच करने वाली समिति में से एक है। हूर ने कहा कि राष्ट्रपति की याददाश्त से संबंधित रिपोर्ट में मेरा मूल्यांकन आवश्यक सही और निष्पक्ष था। उन्होंने कहा कि मैंने अपने स्पष्टीकरण को सही नहीं ठहराया और न ही राष्ट्रपति को गलत तरीके से अपमानित किया है। मैंने सिर्फ अपने निर्णय और कारणों से अटॉर्नी जनरल को अवगत कराया है।

25टी बोलार्ड पुल टग नौका बाहुबली का निर्माण कार्य शुरू

मेसर्स टीटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड, कोलकाता में कमांडर अतुल मैनी, अध्यक्ष एसएसबी (कोलकाता) द्वारा दूसरी 25टी बोलार्ड पुल टग नौका बाहुबली का जलावतरण और चौथी 25टी बीपी टग नौका युवान निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। यह टग नौका मेक इन इंडिया पहल का गौरवशाली ध्वजवाहक है। आत्मनिर्भर भारत पहल के अनुरूप छह 25टी बीपी टग्स नौकाओं के निर्माण एवं वितरण कार्य के लिए मेसर्स टीटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड के साथ अनुबंध किया गया। इन विशेष जहाजों का निर्माण भारतीय शिपिंग रजिस्टर के वर्गीकरण नियमों के आधार पर हो रहा है। इन नौकाओं की उपलब्धता सीमित जल में बर्थिंग तथा अनबर्थिंग, टर्निंग और युद्ध कौशल में नौसेना के जहाजों एवं पनडुब्बियों को सहायता प्रदान करके नौसेना की नौसैन्य संचालन प्रतिबद्धताओं को गति देंगी।

1912 में डूबे टाइटैनिक जहाज की तर्ज पर क्रूज शिप तैयार करने की योजना

ऑस्ट्रेलिया के अरबपति और पूर्व सांसद क्लाइव पालमर 1912 में डूबे टाइटैनिक जहाज की तर्ज पर एक क्रूज शिप बनाने की तैयारी में हैं। इस जहाज को टाइटैनिक-2 नाम दिया गया है। इसके लिए टेंडर दिए जाने का काम शुरू हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस वर्ष के अंत तक शिप बिल्डर को जहाज बनाने का कॉन्ट्रैक्ट दे दिया जाएगा। जहाज के निर्माण का काम अगले साल वर्ष 2025 तक शुरू हो सकता है। यह जहाज 833 फीट लंबा और 105 फीट चौड़ा होगा। जहाज में 9 डेक होंगे। इस जहाज के 835 केबिन में करीब 2345 पैसेंजर्स सफर कर सकेंगे। इनमें से तकरीबन आधे पैसेंजर फर्स्ट क्लास में ट्रैवल करेंगे।

14 अप्रैल को डूबा था टाइटैनिक

10 अप्रैल 1912 को अपने समय का सबसे बड़ा जहाज टाइटैनिक थपने पहले और आखिरी सफर पर निकला था। इसका निर्माण वर्ष 1909 में शुरू हुआ और वर्ष 1912 में पूरा हुआ था। सफर शुरू करने के चौथे ही दिन 14-15 अप्रैल की रात जहाज अटलांटिक महासागर में बर्फ के पहाड़ से टकरा गया था।

2012 में शुरू हुई थी कंपनी

जहाज बनाने की घोषणा के बाद क्लाइव की टीम ने एक वीडियो शेयर कर जहाज का ले-आउट और उसके कमरों की बनावट दिखाई। टाइटैनिक जहाज बनाने वाली कंपनी का नाम व्हाइट स्टार लाइन था। उसी तर्ज पर क्लाइव ने कंपनी का नाम तय किया। क्रूज पर आए पैसेंजर्स को 1900 सदी की थीम पर तैयार होने के लिए कहा जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक क्लाइव ने पहली बार वर्ष 2012 में टाइटैनिक जैसा जहाज बनाने की घोषणा के बाद 2018 में इसे दोबारा लॉन्च किया गया, लेकिन कोविड-19 महामारी की वजह से क्रूज में लोगों की दिलचस्पी कम हो गई।

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक - संदीप यादव, मुद्रक - संदीप यादव द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।